शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संदूर में भाजपा का कमल का फूल जरूर खिलेगा : विजयेन्द्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 26 अक्टूबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-296

भारतीय खुफिया एजेंसी 'रॉ' के पूर्व अधिकारी ने खोली पोल

उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने मारा था देश की पीठ में छुरा

सूफी यायावर

भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी देश के उपराष्ट्रपति रहते हुए अपने ही देश की पीठ में छुरा मार रहे थे। पाकिस्तान और ईरान की खुफिया एजेंसियों से साठगांठ करके हामिद अंसारी भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड अनालिसिस विंग (रॉ) के एजेंटों और अफसरों को एक्सपोज करके उनका सफाया कराने की साजिश में लगे थे। रॉ के पूर्व अधिकारी एनके सूद ने तत्कालीन उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी की राष्ट्रविरोधी करतूतों का प्रामाणिक खुलासा किया है। भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी पाकिस्तानी और ईरानी खुफिया एजेंसियों को गुप्त जानकारियां लीक कर रहे थे। देश के शीर्ष पद पर बैठा व्यक्ति अपने देश भारत के साथ शीर्ष दुश्मनी निभा रहा था। लेकिन भारत सरकार उन्हें लगातार उपराष्ट्रपति के पद पर बिठाती रही ताकि उनकी गद्दारी से देश खोखला होता रहे।

पाकिस्तान व ईरान की खुफिया एजेंसियों से साठगांठ कर

'रॉ' के अफसरों का सफाया कराने की कर रहे थे साजिश

भारत के उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने इराक और ईरान पर भारत की आधिकारिक विदेश नीति का खुला विरोध किया था और ईरान के परमाणु कार्यक्रम का खुला समर्थन किया था। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) में भारत के वोट पर भारत का ही उपराष्ट्रपति सार्वजनिक तौर पर विरोधी सवाल उठाए, उससे बड़े शर्म की बात और क्या होगी!

शुभ-लाभ चिंता

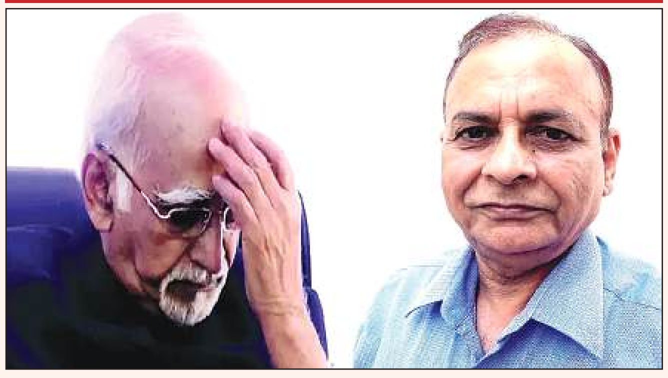

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर भारत ने ईरान के खिलाफ मतदान किया था।

भारत का उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई के शातिर कवर एजेंट नुसरत मिर्जा को भारत बुलाता था, उसके साथ गोपनीय बैठकें करता था और पूछे जाने पर बेसाख्ता झूठ बोलता था। हामिद अंसारी ने पाकिस्तानी जासूस को 2005 से लेकर 2011 के दरम्यान पांच बार भारत बुलाया था और उसके साथ बैठकें की थीं। हामिद अंसारी ने मसला उठने पर इसे झूठ बताया और दावा किया कि उन्होंने कभी उनसे मुलाकात नहीं की या उन्हें आमंत्रित नहीं किया। जबकि पाकिस्तानी जासूस नुसरत मिर्जा ने ही हामिद अंसारी को झूठा साबित कर दिया। नुसरत मिर्जा ने खुद मीडिया को बताया कि उसने हामिद अंसारी से कई बार मुलाकात की और कई संवेदनशील और बेहद गोपनीय जानकारियां साझा कीं।

अफगानिस्तान में भारत के राजदूत के तौर पर तैनात रहने के दौरान हामिद अंसारी अक्सर पाकिस्तान जाते रहे। पाकिस्तानी आईएसआई के प्रमुख अधिकारियों से मिलते रहे और यहां तक कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) ▶10पर

जमीन पर दिखने लगा एलएसी समझौते का असर

भारत और चीन दोनों की सेनाएं पीछे हटीं

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत और चीन के बीच हुए एलएसी समझौते के बाद दोनों देशों की सेनाएं पीछे हटने लगी हैं। डेमचोक और देपसांग मैदानों से भारत और चीन के सैनिकों के पीछे हटने की खबर है। विवाद के दौरान सबसे ज्यादा तनाव इन्हीं इलाकों को लेकर था, ऐसे में यहां दोनों देश की सेनाओं का पीछे हटना काफी महत्वपूर्ण है। भारतीय और चीनी सेना इस महीने की 28-29 अक्टूबर तक पूरी तरह से पीछे हट जाएंगी।

रक्षा अधिकारियों ने बताया कि पूर्वी लद्दाख सेक्टर में डेमचोक और देपसांग मैदानों में दो टकराव बिंदुओं पर भारत

बॉटलनेक में भारतीय सेना करेगी गश्त

और चीन के सैनिकों की वापसी शुरू हो गई है। दोनों पक्षों के बीच हुए समझौतों के अनुसार, भारतीय सैनिकों ने संबंधित क्षेत्रों में अपने सैन्य उपकरणों को वापस खींचना शुरू कर दिया है। दोनों सेनाओं के अस्थायी टेंट और अस्थायी ढांचों को हटाया जा रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कल कहा कि दोनों देश समान और पारस्परिक सुरक्षा के सिद्धांतों के आधार पर जमीनी स्थिति को बहाल करने के लिए आम सहमति पर पहुंच गए हैं। इसमें पारंपरिक क्षेत्रों में गश्त और चराई की बहाली शामिल है। उन्होंने कहा, भारत और चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ कुछ क्षेत्रों में अपने मतभेदों को सुलझाने के लिए कूटनीतिक और सैन्य दोनों स्तरों पर बातचीत कर रहे हैं। समान और पारस्परिक सुरक्षा के सिद्धांतों के आधार पर जमीनी स्थिति को बहाल करने के लिए व्यापक सहमति बन गई है।

भारत और चीन देपसांग और डेमचोक क्षेत्र में एक-दूसरे को गश्त के अधिकार बहाल करने पर सहमत हो गए हैं। इसका मतलब है कि भारतीय सैनिक देपसांग में गश्त बिंदु (पीपी) 10 से 13 तक और डेमचोक के चारडिंग नाला में गश्त कर सकते हैं। समझौते से ▶10पर

एलएसी समझौते को लेकर चीन की नीयत पर सवाल

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

चीन और भारत के बीच में एलएसी विवाद को लेकर समझौता हुआ है, माना जा रहा है कि जिन प्वाइंट्स को लेकर तनाव चल रहा था, उन पर अब जाकर सहमति बनी है। उसी वजह से पांच साल बाद ब्रिक्स समिट में पीएम मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की द्विपक्षीय बैठक हुई है। लेकिन उस बैठक के बाद भी चीन की नीयत पर सवाल उठे हैं। हैरानी की बात यह है कि चीन ने अपने जारी बयान में कहीं भी पैट्रोलिंग प्वाइंट्स का जिक्र नहीं किया है।

द्विपक्षीय बैठक के बाद चीन ने तो अपने जारी बयान में कहा कि दोनों ही पक्ष कुछ जरूरी मुद्दों पर समाधान खोजने में सफल रहे हैं, चीन इसे सकारात्मक रूप से लेता है। अब अगले चरण में चीन, भारत के साथ मिलकर काम करेगा और अपना सॉल्यूशन प्लान एक्शन में लाएगा। अब बड़ी बात यह है कि बीजिंग ने अपने बयान कहीं भी पैट्रोलिंग समझौते का जिक्र तक नहीं किया है, उसने सिर्फ सॉल्यूशन प्लान की बात कही है। समझने वाली बात यह भी है कि पीएम मोदी एलएसी पर हुए समझौते का खुलकर जिक्र किया था, लेकिन शी जिनपिंग ने सिर्फ दोनों नेताओं के साथ मिलकर काम करने की बात बोली। उनकी तरफ से ▶10पर

डीएमके का नया भारत विरोधी कारनामा सामने आया

नक्शे से गायब कर दिया अक्साई चिन और पीओके

डीएमके का मजाकिया बयान : नक्शा केंद्र सरकार ने बनाया

चेन्नई, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी डीएमके गंभीर विवाद में फंस गई है। डीएमके की एनआरआई शाखा ने भारत के नक्शे से पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) और अक्साई चिन को गायब कर दिया। भाजपा ने डीएमके पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। तमिलनाडु भाजपा ने द्रविड़ मुनेत्र कड़गम पर भारत की संप्रभुता के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया है।

तमिलनाडु भाजपा ने कहा कि भारत विरोधी ताकतों के साथ डीएमके की मिलीभगत का पूरा पर्दाफाश हो गया है। अलगाववादी ताकतों को बढ़ावा देने से लेकर उत्तर-दक्षिण विभाजन को गहरा करके अशांति फैलाने, इसरो रॉकेट पर बेशर्मी से चीनी झंडा लगाने, सनातन धर्म को नष्ट करने और अलग राष्ट्र की मांग करने तक की डीएमके की हरकतें डीएमके की भारत विरोधी गतिविधियों का प्रमाण हैं। भारत का नक्शा साझा करने का डीएमके का कृत्य, भारत की संप्रभुता के साथ एक बड़ा

विश्वासघात है, जिसमें पीओके और अक्साई चिन शामिल नहीं है।

भाजपा ने कहा, एमके स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके बार-बार यह प्रदर्शित करता रहा है कि वह भारत की अखंडता से अधिक राष्ट्र विरोधी मूल्यों के साथ अपने संबंधों को महत्व देता है। अब समय आ गया है कि देश डीएमके को उसके खतरनाक जुड़ावों के लिए ▶10पर

अमेरिकी संरक्षण से पगलाए खालिस्तानी आतंकी ने

गृह मंत्री अमित शाह पर रख दिया इनाम

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी संरक्षण से पगलाए खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भारत के गृह मंत्री अमित शाह पर ही इनाम घोषित कर दिया। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू मे ऐलान किया है कि गृह मंत्री अमित शाह के विदेश दौरों की सूचना लीक करने वाले को वह इनाम देगा। ऐसे में पन्नू को पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी से सीधे सम्पर्क करना चाहिए। पन्नू सीआरपीएफ स्कूलों को निशाना बनाने की भी लगातार साजिशें रच रहा है। दिल्ली में सीआरपीएफ स्कूल के सामने हुए विस्फोट में भी पन्नू का ही हाथ माना जा रहा है।

पागल खालिस्तानी आतंकी का कहना है कि अमित शाह केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) के मुखिया हैं। आतंकी पन्नू का आरोप है कि हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में अमित शाह ही शामिल थे और मुझे न्यूयॉर्क में मेरी हत्या की साजिश रची। इसीलिए पन्नू ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के विदेश दौरों की जानकारी देने वालों को एक मिलियन डॉलर का ईनाम देने का ऐलान कर दिया। खालिस्तानी ▶10पर

एनआईए की मोस्ट वांटेड लिस्ट में शामिल अनमोल बिश्नोई

लॉरेंस बिश्नोई के भाई पर 10 लाख का इनाम घोषित

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर शिकंजा कसा है। लॉरेंस के भाई अनमोल बिश्नोई पर एनआईए ने 10 लाख का इनाम घोषित किया है। अनमोल बिश्नोई उर्फ भानु लॉरेंस का भाई है और मशहूर गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड का आरोपी है। 2024 में ही जांच एजेंसियों ने उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। 12 अक्टूबर को एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी के साथ-साथ इस साल अप्रैल में एक्टर सलमान खान के आवास पर हमलों में इसकी भूमिका सामने आई है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने उसे मोस्ट वाटेंड की लिस्ट में शामिल किया है और उस पर ▶10पर

कर्नाटक में 2500 करोड़ के अवैध खनन का मामला

कांग्रेस विधायक सतीश कृष्णा सेल समेत 7 दोषी करार

बेंगलुरु, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कर्नाटक में 2500 करोड़ रुपए के अवैध लौह अयस्क घोटाले में कांग्रेस विधायक सतीश कृष्णा सेल को दोषी ठहराया गया है। गुरुवार 24 अक्टूबर को बेंगलुरु की एक विशेष अदालत ने यह फैसला सुनाया। उत्तर कन्नड़ जिले की करवार विधानसभा से कांग्रेस विधायक सतीश कृष्णा सेल के साथ ही एक रिटायर्ड बंदरगाह उपसंरक्षक और सात निजी कंपनियों को भी दोषी ठहराया गया है।

सतीश कृष्णा सेल पर एमएस मल्लिकार्जुन शिपिंग प्राइवेट लिमिटेड के एमडी के रूप में चोरी, धोखाधड़ी, और आपराधिक साजिश के आरोप लगे थे। इन पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत भी आरोप तय हुए हैं। विशेष सत्र न्यायालय के जज संतोष गजानन भट्ट ने सतीश सेल और अन्य दोषियों को न्यायिक हिरासत में भेजते हुए बेंगलुरु संेट्रल जेल ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 80,433/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 99,032/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32^{0}

न्यूनतम : 22^{0}

दुनिया की स्थिरता, भरोसे और पारदर्शिता का मजबूत आधार है भारत : मोदी

- प्रधानमंत्री मोदी ने एशिया-पैसिफिक कांफ्रेंस ऑफ जर्मन बिजनेस को किया संबोधित
- जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज़ और वाइस चांसलर डॉक्टर रॉबर्ट हाबेक रहे मौजूद

जम्मू, 25 अक्टूबर (ब्यूरो)।

गुलमर्ग में कल हुए आतंकी हमले में मरने वालों की संख्या पांच हो गई है। हमले में तीन सैनिक जीवन सिंह, कैसर अहमद शाह और एक अन्य सैनिक मारे गए। सेना में काम करने वाले दो कुलियों की भी जान गई। इनमें नौशहरा के मुश्ताक अहमद चौधरी और बोनियार के मंजूर अहमद मीर शामिल हैं।

सुरक्षा बलों ने बारामुला जिले के बोटापथरी इलाके में कल देर शाम सेना के जवानों पर हुए हमले में शामिल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए शुक्रवार को तलाशी अभियान तेज कर दिया। एक अधिकारी ने कि कल शाम बोटापथरी इलाके में सेना के एक वाहन पर आतंकवादियों के हमले में तीन सैनिक और दो पोर्टर मारे गए थे। हमले के बाद सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान तेज करते हुए ड्रोन और हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं। इसके अतिरिक्त, लोकप्रिय पर्यटन स्थल गुलमर्ग के प्रवेश द्वार टंगमर्ग भी नाका चेकिंग तेज कर दी गई है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि उन्होंने शीर्ष सैन्य अधिकारियों से बात की और आतंकवादियों को ढेर करने के लिए त्वरित और उचित जवाब देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, ऑपरेशन प्रगति पर है। हमारे शहीदों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। उनके परिवारों के प्रति संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

यह हमला गुरुवार देर शाम नागिन ढोक में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास हुआ, जब कथित तौर पर राष्ट्रीय राइफल्स के काफिले पर छिपे हुए आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप तीन सैनिक मारे गए और कई घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार शाम को हुए हमले के बाद, भारतीय सेना ने एक व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया, जो रात भर क्षेत्र में वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के नेतृत्व में जारी रहा। शुक्रवार सुबह-सुबह बूटापाथरी के आसमान में सेना के हेलीकॉप्टर देखे गए, क्योंकि तलाशी अभियान तेज हो गया था, और क्षेत्र में अतिरिक्त सैन्य कर्मियों को ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

वी. प्रेनर्स की आधिकारिक बैठक आयोजित

हर मुलाकात में छुपा व्यापारिक विकास

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ट्रेंड सेटर ऑल महिला रेफरल ग्रुप वी. प्रेनर्स की आधिकारिक बैठक जीतो कार्यालय चामराजपेट में आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत नवकार मंत्र के उच्चारण और एक-दूसरे को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए हुई।

जिस्टल गिफ्ट की ऑनर सीमा जैन ने 8 मिनट के प्रजेंटेशन के माध्यम से उपस्थित सदस्यों को अपने व्यवसाय के बारे में बारीकियों से अवगत करवाया। उन्होंने कहा एक गिफ्ट पैकिंग एंटरप्रेन्योर के रूप में, रचनात्मकता और विस्तार पर ध्यान बेहद जरूरी है। हर पैकिंग में सही रंगों का चुनाव, बेहतरीन पेपर, रिबन और सजावट का उपयोग तोहफे की खूबसूरती को बढ़ा देता है। गिफ्ट पैकिंग एक ऐसी कला है, जो किसी साधारण तोहफे को खास और यादगार बना देती है। हर खास मौके पर खास पैकिंग करने से न केवल गिफ्ट की वैल्यू बढ़ती है, बल्कि यह भावनाओं को भी सुंदर ढंग से व्यक्त करता है। हर तोहफा खास होता है, और इसे विशेष रूप से प्रस्तुत करना उनके काम का अहम हिस्सा है। सीमा जैन ने सभी उपस्थित सदस्यों को खासकर तैयार किया हुआ दिवाल हैम्पर दिया और साथ ही दिवाली की शुभकामनाएं दीं। सभी सदस्यों ने अपने व्यवसाय को प्रस्तुत करने और जिनकी वे अपेक्षा कर रहे थे, उनके बारे में 30 सेकेंड की प्रस्तुति दी। नीलम शांड ने किरण जैन को शपथ दिलाई, जबकि लताशा भंडारी ने कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। ज्योति कोचट्टा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा दिवाली का त्योहार, नए सहयोगियों से व्यापार को मिले नया आधार। आधिकारिक बैठक में सदस्यों के बीच 10,650 का व्यवसाय हुआ। बैठक का समापन राष्ट्रगान के साथ और एक-दूसरे को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए हुआ।

साधना और तपस्या से मन और आत्मा को करें शुद्धः डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ. वरुणमुनि ने उत्तराध्ययन सूत्र के 15वें अध्ययन सभिक्खु का विवेचन करते हुए कहा कि सभिक्खु शब्द का अर्थ है संयमी व्यक्ति या साधु। भिक्षु कौन है उनकी संयमी दिनचर्या क्या है उसका सुंदर विवरण उस अध्ययन में परमात्मा ने फरमाया है। इस अध्ययन में मुख्य रूप से उन गुणों और कर्तव्यों का वर्णन किया गया है, जो एक संयमी साधु में होने चाहिए। यह अध्ययन संयम, आत्म-संयम, और ध्यान पर विशेष ध्यान केंद्रित करता है। एक सभिक्खु को अपने सभी इंद्रियों और कर्मों पर पूर्ण संयम रखना चाहिए। साधना और तपस्या द्वारा अपने मन और आत्मा को शुद्ध करना चाहिए। साधु को किसी भी प्रकार के भौतिक या आत्मिक लाभ की इच्छा न करते हुए निष्काम कर्म करना चाहिए। साधु को जीवन में आने वाले सभी कष्टों और कठिनाइयों को धैर्यपूर्वक सहन करना चाहिए। यह अध्ययन साधुओं के आचरण और उनके आदर्श जीवन को दिशा प्रदान करता है, ताकि वे मुक्ति के मार्ग पर अग्रसर हो सकें। जीवन में मौन का विशेष महत्व है। जो वाणी मन और काया से मौन की साधना करता है वह मुनि है। भिक्षु के मन में दीन की भावना होनी चाहिए। अहंकार किंचित मात्र भी नहीं होना चाहिए। अभिमान को घटाने के लिए ही भिक्षा का विधान बताया गया है। संयम की साधना आराधना के लिए मुनि भिक्षा लेता है।

मेवाड़ प्रवर्तक मदनमुनि के 71वें दीक्षा जयंती के पावन अवसर पर वरुणमुनि ने उनका गुणगान करते हुए कहा कि मेवाड़ के लोगों के दिलों में राज करते हुए जन जन की आस्था के केंद्र बने। उन्होंने अपने गुरु ही नहीं संपूर्ण जिनशासन की सेवा की। वें तप त्याग और संयम के त्रिवेणी संगम थे। हितमित भाषी हितेंद्रऋषि के जन्मदिवस पर उनको भी बधाई व शुभकामनाये प्रेषित की। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

जैन साहित्य संगम बेंगलूरु का शपथ ग्रहण समारोह 28 को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नवगठित संस्था जैन साहित्य संगम के सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह 28 अक्टूबर को आयोजित होगा। संस्था में बेंगलूरु के चारों संप्रदाय के जैन के विशिष्ट बुद्धिजीवी व्यक्तियों को लिया जा रहा है। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य जैन परिवारों में छुपी हुई प्रतिभाओं को निखारना, जैसे साहित्यकार, रचनाकार, काव्य रचना, लेखक मंच संचालन आदि है। संरक्षक हंसराज मुणोत एवं ललित मांडोत की अध्यक्षता में 28 अक्टूबर को गांधीनगर तेरापंथ भवन में शपथ ग्रहण आयोजित किया जाएगा। संस्था के गठन के दौरान सर्वसम्मति से दिलीप गांधी को अध्यक्ष के रूप में चुना गया है।

उन्होंने अपने टीम में मंत्री के रूप में राजेश चावत को जोड़ा है। 28 अक्टूबर को सुबह 11:30 बजे गांधीनगर तेरापंथ भवन में मनोनीत पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित होगा। साहित्य संगम के लक्ष्य और आयाम सदस्यों की ऊर्जा अनुभव और सुझाव से गतिमान हो, फलीभूत हो इस पर सभी उपस्थित सदस्यों का समर्थन रहा। संरक्षक हंसराज ने सभी से सक्रिय सदस्यों को जोड़ने पर बल दिया। उपाध्यक्ष अशोक नागोरी ने संगम की महत्वता बताकर इसे जिनवाणी के प्रचार -प्रसार का अनुपम मंच बताया।

साहित्य संगम के महामंत्री राजेश चावत ने वर्ष भर की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

मंत्री सुमित्रा बरडिया ने अपने अनुभव साझा किए। संगठन मंत्री महेंद्र टेबा ने अपने विचार रखे। कोषाध्यक्ष लाभेश कंसवा ने अर्थ संग्रह के लिए अपनी भावना प्रेषित की। प्रचार-प्रसार मंत्री टीना मांडोत ने आभार व्यक्त किया।

दीपावली नामक कार्यशाला का आयोजन

कषायों का हल्का होना ही आत्मा का विमोचनः पिंकी टेबा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार टी.दासरहल्ली तेरापंथ महिला मंडल ने खुशियों की दीपावली नामक कार्यशाला का आयोजन स्थानीय भवन में किया। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से हुई। तत्पश्चात प्रेरणा गीत का संगान किया गया।

अध्यक्ष नेहा चावत ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया। कार्यशाला का प्रथम चरण आत्मा का विमोचन था। उपासिका एवं जैन विद्या की आंचलिक संयोजिका पिंकी टेबा ने आत्मा और विमोचन का अर्थ समझाते हुए विषय पर कहा कषायों का हल्का होना ही आत्मा का विमोचन हैं।

पिंजरे में बंधे हुए वर्षों पुराने रस्सी की गांठों को खोलना और तोड़ना और अपनी आत्मा को गुब्बारे की तरह ऊपर लेके जाना हैं। समभाव में रह कर क्षमा करना ही आत्मा का विमोचन हैं। आत्मा परम शांति और सुख का मार्ग हैं, इसलिए सबको उस पथ पर चलने की प्रेरणा इस विषय के माध्यम से दी गई।

उन्होंने खेल के माध्यम से विषय को समझाया जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खेल के साथ कहानी के माध्यम से महिलाओं को क्षमा के अभ्यास के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला के द्वितीय चरण में प्रकाश पर्व मनाया गया। जिसमें महिलाओं ने दीप प्रज्वलित कर व्यक्ति को क्षमा करने का, मन से सभी विकारों को दूर करने का, घर के साथ समाज को स्वच्छ, सशक्त, खुशहाल करने का संकल्प लिया। इसी के साथ महिलाओं ने वस्तुओं और मन दोनों के साथ अपने भावों को जोड़ते हुए डिक्लटर एंड डोनेशन ड्राइव में भी भाग लिया, जो जरूरतमंद लोगों में वितरित किया गया। कार्यशाला के तृतीय चरण में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसका विषय अनासक्त भावना और स्वच्छता था। प्रतियोगिता में मंडल की बहनों ने विषय पर रोचक रंगीन रंगोलिया बनाई, जिसकी निर्णायक उपासिका पिंकी टेबा रही। प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर बबीता गांधी, सपना पितलिया, प्रिया पितलिया रही। भाग लेने वाली बहनों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। 1 घंटे की समय सीमा व नियमावली को ध्यान में रखते हुए बहनो ने मेहनत और अपनी नई रुचियों को रंगोली के माध्यम से दर्शाया। कन्या मंडल प्रभारी पूर्णिमा कठोतिया, कार्यकारिणी इंद्र देवी कठोतिया, रुचिका बोहरा ने भी भाग लिया। कार्यशाला का कुशल संचालन उपाध्यक्ष संगीता बोहरा ने किया। सामायिक प्रभारी बबीता गांधी ने आभार ज्ञापित किया। कार्यशाला की संयोजिका संगठन मंत्री सरोज मारू रही। कार्यशाला में निवर्तमान अध्यक्ष रेखा मेहर, परामर्शक संघरक्षिका पुष्पा बाई बोहरा, भीखी बाई गांधी, उपाध्यक्ष दीपिका गांधी, मंत्री नम्रता पितलिया, सह मंत्री श्वेता बोहरा, कार्यकारिणी सुनीता भटेवरा, किरण मेहर, रुचिका गांधी के साथ अन्य लोगों की उपस्थिति रही।

मुडा मामले में सीएम सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती से पूछताछ

लोकायुक्त पुलिस ने जारी किया था समन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में हुए मुडा जमीन आवंटन मामले में लोकायुक्त पुलिस ने शुक्रवार को सीएम सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती से पूछताछ की। बताया गया कि सीएम की पत्नी पार्वती को लोकायुक्त पुलिस ने समन जारी किया था। उनसे दो घंटे तक पूछताछ की गई। कर्नाटक में मुडा जमीन आवंटन मामले में 25 सितंबर को विशेष अदालत के आदेश के बाद 27 सितंबर को लोकायुक्त पुलिस ने सीएम सिद्धरामैया, उनकी पत्नी पार्वती और पत्नी के भाई मल्लिकार्जुन स्वामी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। विशेष अदालत का आदेश उच्च न्यायालय द्वारा सिद्धरामैया के खिलाफ जांच करने के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा दी गई मंजूरी को बरकरार रखने के एक दिन बाद आया था। मामले में ईडी ने भी सीएम की पत्नी को 14 साइटों के आवंटन में अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

मुडा घोटाला मुआवजा स्थलों के आवंटन में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। यह घोटाला 3.2 एकड़ जमीन से जुड़ा है, जिसे मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती को उनके भाई मल्लिकार्जुनस्वामी ने 2010 में उपहार में दिया था। मुडा द्वारा जमीन अधिग्रहण के बाद पार्वती ने मुआवजे की मांग की और इसके बाद उन्हें 14 प्लॉट आवंटित किए गए। आरोप है कि ये प्लॉट मूल भूमि की कीमत से काफी ज्यादा कीमत के हैं। विपक्षी दलों का आरोप है कि ये घोटाले 3000-4000 करोड़ रुपये के बीच का हो सकता है। आरटीआई कार्यकर्ता ने इस मामले में सीएम की पत्नी पार्वती सहित कई राजनेताओं की कथित संलिप्तता का दावा किया है। इसके बाद राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए चार सदस्यीय अधिकारियों की समिति नियुक्त की है। हाल ही में सिद्धरामैया ने मुडा द्वारा 62 करोड़ रुपये का मुआवजा देने पर आवंटित प्लॉट वापस करने की पेशकश भी की थी। अब सरकार ने हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज पीएन देसाई के नेतृत्व में भी एक जांच आयोग गठित किया है।

वृद्धाश्रम में मानव सेवा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद एवं तेरापंथ किशोर मंडल राजाजीनगर द्वारा प्रस्तुत खुशियों की दिवाली बांटे खुशियों का गिफ्ट बॉक्स के तहत शुक्रवार को चतुर्थ दिवस मानव सेवा कार्य हुनसनाहल्ली कृष्णापुरादोद्दी रामनगरा स्थित शकुंतला चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित दारी दीपा ओल्ड एज होम में सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से आयोजित किया गया।

वृद्धाश्रम संचालिका कविता ने आश्रम की जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि आश्रम गत 20 वर्षों से गतिशील है, जहां पर लगभग 48 वृद्ध पुरुष एवं महिलाएं प्रवासित हैं। वृद्ध सदस्यों ने अपने स्नेह व ममत्व का संचार करते हुए तेयुप युवा साथियों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की।

कविता ने परिषद परिवार के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए जैन समुदाय की प्रशंसा की। सभी को दिवाली के उपलक्ष में गिफ्ट बॉक्स वितरण किये गये। साथ ही दैनिक उपयोग हेतु 50 स्टील की ग्लास, 50 चम्मच एवं 2 नॉन-स्टिक तवा प्रदान किया गया। इस अवसर पर सभा परिवार से उपाध्यक्ष शंकरलाल दक, मंत्री चंद्रेश मांडोत, सतीश पोरवाड, अरविंद गन्ना, धर्मेंद्र बरलोटा, रनीत कोठारी, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश गन्ना, राजेश देरासरिया, जयंतीलाल गांधी, मिलन गांधी और सेवा सारथी के संयोजक मुकेश भंडारी की उपस्थिति रही।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री कांठाप्रांत जैन ट्रस्ट बेंगलूरु के सदस्यों के साथ महेन्द्र मुणोत ने सरकारी विद्यालय श्रीरामपुरम में बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। ट्रस्ट के मंत्री सिद्धार्थ बोहरा, ट्रस्टी सूरजमल पितलिया, विमल चंद गांधी, दीपचंद गूगलिया, मदनलाल दलाल, कांतिलाल गुगलिया आदि भी मौजूद रहे। मुणोत ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा माता-पिता एवं गुरुजनों का सम्मान एवं उनकी आज्ञा का पालन करें। मोबाइल फोन से परहेज करते हुए मन से पढ़ाई करें एवं जीवन में आगे बढ़े। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी ने की रोकने की कोशिश

कार चालक ने बोनट पर लटका 100 मी. घसीटा, गिरफ्तार

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। शिवमोग्गा में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। दरअसल, उसने ड्यूटी पर तैनात एक ट्रैफिक पुलिस को बोनट पर लटकाकर कार चलाई थी। यह घटना गुरुवार की है, जब ट्रैफिक पुलिस प्रभु आरोपी को रोकने की कोशिश कर रहे थे। आरोपी की पहचान मिथुन के तौर पर की गई है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में बोनट पर ट्रैफिक पुलिस को देखा गया। हालांकि, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वीडियो में पहले आरोपी ट्रैफिक पुलिस के साथ बहस करता दिख रहा है। इस बहस के दौरान ट्रैफिक पुलिस प्रभु कार के ठीक सामने खड़े थे। उन्होंने आरोपी से गाड़ी को किनारे लगाने को कहा। आरोपी ने ट्रैफिक पुलिस की बात नहीं मानी। उसने अपनी एसयूवी पर ट्रैफिक पुलिस को लटकाकर कार चला दी। करीब 100 मीटर दूर जाने के बाद उसने अपनी गाड़ी रोकी फिर वहां से फरार हो गया। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए पुलिस ने आश्वासन दिया था कि वे जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लेंगे।

मुनि मोहजीत कुमार जी से राजराजेश्वरीनगर पधारने की विनती

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के विद्वान सुशिष्य मुनि श्री मोहजीत कुमार जी के सेवा-दर्शन हेतु राजराजेश्वरीनगर सभा अध्यक्ष राकेश छाजेड़ के नेतृत्व में पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा, मंत्री गुलाब बाठियां, संगठन मंत्री विनोद बोथरा, बहादुरमल सेठिया, विमल श्यामसुखा, पारसमल बाफणा, नरेन्द्र मनोत एवं विजयलक्ष्मी मनोत आदि श्रावकगण गुरुवार को चिकमगलूरु पहुंचे। विनम्र भाव से वंदना करते हुए मुनिवृन्द की सुखसाता पूछी। प्रवचन श्रवण का लाभ प्राप्त करने के साथ ही राजराजेश्वरीनगर बेंगलूरु में पधारने की विनती की गई। अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने वर्ष 2025 में स्थानीय स्तर पर मर्यादा महोत्सव का आयोजन राजराजेश्वरी नगर में करने की भावना व्यक्त की। सभी ने वृहद् रूप में इस संघीय कार्यक्रम के आयोजन हेतु पुरजोर अर्ज की। मुनि ने महत्ती कृपा करते हुए राजराजेश्वरीनगर पधारने एवं अर्जी पर विचार करने का आश्वासन दिया।

संदूर में भाजपा का कमल का फूल जरूर खिलेगा: विजयेन्द्र

3 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस के लिए सबक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने कहा कि 3 विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं ने जनविरोधी, गरीब विरोधी, किसान विरोधी, दलित विरोधी कांग्रेस सरकार को सबक सिखाने का फैसला और संकल्प लिया है। यहां संदूर में एक मीडिया सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के युवा नेता बंगारू हनुमंतु को संदूर में उम्मीदवार घोषित किया गया है। संदूर में हमारी पार्टी के सभी बुजुर्ग शामिल हैं। भाजपा एकजुटता के साथ चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि जेडीएस पार्टी भी पूरा सहयोग कर रही है। संदूर में भाजपा का कमल कभी नहीं खिल सका। जनार्दन रेड्डी, श्रीरामुलु, सोमशेखर रेड्डी, सभी विधायकों, पूर्व विधायकों, विधान परिषद सदस्यों और पार्टी के बुजुर्गों की कड़ी मेहनत से यहां पहली बार भाजपा का कमल का फूल जरूर खिलेगा। हमारे सभी कार्यकर्ता उत्साहित हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि भाजपा-जेडीएस की मेहनत से जीत संभव होगी। राज्य के 3 विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव हो रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के बेटे भरत बोम्मई ने शिग्गांव में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। प्रदेश जेडीएस के युवा अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने चन्नपट्टना में नामांकन पत्र दाखिल किया। संदूर में राज्य एसटी मोर्चा के अध्यक्ष और युवा नेता बंगारू हनुमंतु ने बताया कि उन्होंने सभी महत्वपूर्ण लोगों की उपस्थिति में नामांकन पत्र दाखिल किया। इन तीन विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव राज्य की राजनीति की दिशा बदलने की ताकत रखते हैं। शिग्गांव, चन्नपट्टना, संदूर विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव राजनीतिक दिशा बदलने की ताकत रखते हैं। प्रदेश में किसान विरोधी सरकार है। जब सूखा पड़ा तब भी इस सरकार ने किसानों की दुर्दशा पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि मक्का, काली मिर्च और कपास उत्पादक संकट में हैं। राज्य सरकार केंद्र सरकार पर उंगली उठाए बिना किसानों की दुर्दशा पर प्रतिक्रिया देने में ईमानदारी नहीं दिखा रही है। सिद्धरामैया की सरकार किसान और गरीब विरोधी है। दूसरी ओर, एसईपी, टीएसपी फंड को विभिन्न कार्यक्रमों में स्थानांतरित कर दिया गया है। अहिंदा के नाम पर सत्ता में आए सिद्धरामैया ने उन पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया। विकास शुरू नहीं होने से विधायक क्षेत्र में सिर उठाकर नहीं चल पा रहे हैं। आरवी देशपांडे जैसे वरिष्ठ विधायक ने खुद बयान दिया था कि इस सरकार के आने के बाद उन्हें फंड नहीं मिल रहा है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस विधायक राजू कागे ने आत्महत्या करने की धमकी दी थी। सिद्धरामैया की सरकार डेढ़ साल से अस्तित्व में है। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया सरकार के खिलाफ पहले ही सरकार विरोधी लहर पैदा हो चुकी है। राज्य में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के डेढ़ साल में यह एक महत्वपूर्ण उपचुनाव है। जब कोई सरकार 3 या 4 साल के लिए सत्ता में आती है तो सरकार विरोधी लहर दिखाई देती है। लेकिन उन्होंने कहा कि अल्प समय यानी डेढ़ साल के अंदर ही राज्य में शासन विरोधी लहर दिखाई दी है। शासन विरोधी लहर दो कारणों से पैदा हुई है। भाजपा ने भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन के वादे के साथ सत्ता में आये कांग्रेसियों के प्रशासन में घोटालों की एक के बाद एक कतार को सड़क पर लाने का काम किया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मैसूरु मुडा घोटाले में कुछ भी गलत नहीं किया है, लेकिन 14 भूखंडों को वापस करने की घोषणा करके गलती स्वीकार कर ली है। वाल्मीकि निगम घोटाले-भ्रष्टाचार में शिवमोग्गा में अकाउंटेंट चन्द्रशेखर ने की आत्महत्या की। तब से कई विकास हुए हैं।

सदन में घोटाला माना

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई घोटाला नहीं हुआ है। बाद के सत्र में सदन में 87 करोड़ का घोटाला माना गया। उन्होंने बताया कि मंत्री ने भी इस्तीफा दे दिया है। भ्रष्टाचार में डूबी इस भ्रष्ट कांग्रेस सरकार के खिलाफ प्रदेश की जनता गुस्से में है। अहिंदा के नाम पर सत्ता में आए सिद्धरामैया सभी समुदायों को भूल गए हैं। यह इस राज्य का दुर्भाग्य है कि एक बार फिर सिद्धरामैया खुद ही समाज और जातियों के बीच जहर के बीज बोने के काम में उतर आये हैं। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के आचरण को देखते हुए विकास को लेकर कई संदेह है। उन्होंने इस बात की आलोचना की कि कोई चर्चा नहीं हुई। जब से यह सरकार आयी है तब से विकास शुरू नहीं हुआ है। इससे पहले बंगारू हनुमंतु ने विजयेंद्र की उपस्थिति में संदूर विधानसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके पूर्व भव्य शोभा यात्रा निकाली गयी। पूर्व केंद्रीय मंत्री भगवंत खूबा, पूर्व मंत्री जनार्दन रेड्डी, वरिष्ठ नेता सोमशेखर रेड्डी, विधान परिषद सदस्य केएस नवीन, पार्टी के राज्य और जिला नेता उपस्थित थे।

बेंगलूरु बिल्डिंग हादसा : लापता व्यक्ति का शव बरामद, मृतकों की संख्या हुई 9

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु के बाबूसापल्या में हाल ही में निर्माणाधीन इमारत ढहने से मरने वालों की संख्या 9 हो गई है, क्योंकि खोज और बचाव दल ने शुक्रवार को लापता व्यक्ति एलुमलाई के शव को बरामद किया। 22 अक्टूबर को भारी बारिश के दौरान हुई इस घटना में अग्निशमन और आपातकालीन विभाग, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के नेतृत्व में व्यापक बचाव अभियान चलाया गया। पुलिस उपायुक्त डी देवराज ने पुष्टि की कि बरामद शव एलुमलाई का है। एलुमलाई भी इस मामले में आरोपियों में से एक है और उसे सिविल इंजीनियर और इमारत के मालिक मुनिराज रेड्डी ने चौथी से सातवीं मंजिल तक के निर्माण का प्रबंधन करने के लिए अनुबंधित किया था। मुनिराज ने एक अलग ठेकेदार मेस्त्री मुरुगेशा के माध्यम से बेसमेंट और पहली चार मंजिलों का निर्माण किया था, जो वर्तमान में अस्पताल में भर्ती है, जबकि पुलिस ने उसके बेटे भुवन रेड्डी, जो एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर है, और मुरुगेश को हिरासत में ले लिया है। डीसीपी ने कहा एलुमलाई के शव की बरामदगी के साथ ही, हमने उन सभी लोगों का पता लगा लिया है, जिनके बारे में हमें पता था कि इमारत ढहने के समय वे वहां मौजूद थे। हालांकि, हम मलबे को सावधानीपूर्वक साफ करना जारी रखेंगे, ताकि अगर कोई और नीचे फंसा हो तो उसे बचाया जा सके। 22 पीड़ितों में से नौ की मौत हो चुकी है, जिनमें अरमान (26), त्रिपाल (35), मोहम्मद साहिल (19), बिहार के सोलो पाश्वान, तमिलनाडु के मणिकांतन और सत्य राजू (25), आंध्र प्रदेश के तुलसी रेड्डी और उत्तर प्रदेश के

फूलचन यादव शामिल हैं। आठ लोगों को बचा लिया गया और छह अन्य का अभी इलाज चल रहा है। इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को घटना स्थल का निरीक्षण किया था। सीएम ने मृतकों के परिजनों को 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की, जबकि घायलों को अस्पताल में देखने के बाद अनुग्रह राशि दी जाएगी। उन्होंने घटनास्थल पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा अस्पताल में भर्ती लोगों का खर्च सरकार उठाएगी। इसके अलावा, सरकार द्वारा 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जानी है, घायलों को अस्पताल में देखने के बाद अनुग्रह राशि की घोषणा की जाएगी। सिद्धरामैया ने यह भी उल्लेख किया कि बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) को शहर में सभी अवैध निर्माणों को रोकने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा यह एक अनधिकृत इमारत है जिसे बनाया जा रहा था, यह बारिश की वजह से नहीं बल्कि घटिया काम की वजह से गिरी है। इसके लिए नोटिस दिया गया है। निलंबन भी हुआ है। जोनल अधिकारियों को भी नोटिस दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की भी आलोचना की, जिसने बारिश के बाद शहर की स्थिति को लेकर राज्य सरकार पर हमला किया है। इस त्रासदी में आठ लोगों की मौत हो गई है और उनके शव बरामद कर लिए गए हैं। आठ अन्य लोगों को बचा लिया गया है। उनमें से छह घायल हैं, जिनमें से तीन गंभीर रूप से घायल हैं। लेकिन सभी छह घायल व्यक्ति खतरे से बाहर हैं, और सरकार उनके चिकित्सा खर्च को पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि मुआवजा से जीवन की क्षतिपूर्ति नहीं होगी। चूंकि पीड़ित मजदूर परिवारों से हैं, इसलिए मुआवजा दिया गया है।

तुषार गिरिनाथ को स्पष्ट रूप से निर्देश

अधिकारी शवों को उनके संबंधित स्थानों पर भेजने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा मैं लोगों से अपील करता हूं कि उन्हें कानून के अनुसार ही घर बनाना है और नियमों के विरुद्ध घर नहीं बनाना है। किसी को भी अनधिकृत इमारतें नहीं बनानी चाहिए। जब सरकार ने नोटिस जारी किया था, तब उन्हें निर्माण रोक देना चाहिए था। उन्होंने इसे नहीं रोका। उन्होंने जोर देकर कहा, मालिक, ठेकेदार या किसी अन्य संबंधित व्यक्ति को काम रोक देना चाहिए था तो यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना नहीं होती। सभी को भवन निर्माण के लिए लाइसेंस लेना चाहिए। सहायक कार्यकारी अभियंताओं द्वारा इसका निरीक्षण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा गुणवत्ता बनाए रखनी होगी। भविष्य में मैंने बीबीएमपी आयुक्त को अनधिकृत इमारतों के निर्माण की अनुमति नहीं देने को कहा है। यदि इमारतें अवैध रूप से बनती हैं, तो सहायक कार्यकारी अभियंता, कार्यकारी अभियंता और जोनल अधिकारी जिम्मेदार होंगे। मैंने इस संबंध में बीबीएमपी आयुक्त तुषार गिरिनाथ को स्पष्ट रूप से निर्देश दिए हैं।

अपहरणकर्ताओं से दो बच्चों को बचाने के लिए पुलिस ने की फायरिंग

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के अथानी में गुरुवार को पुलिस ने दो बच्चों को छुड़ाने के लिए तीन लोगों पर फायरिंग की, जिनका अपहरण उन्होंने किया था। तीन लोगों ने एक घर में घुसकर एक वृद्ध महिला पर हमला किया और अथानी के व्यवसायी विजय देसाई के दो बच्चों का अपहरण कर लिया। बच्चों की उम्र चार और तीन साल है।

पुलिस अधिकारियों ने अपहरणकर्ताओं का पता लगाने के लिए तीन टीमें बनाईं। बच्चों और आरोपियों को ले जा रही एक कार को कोहल्ली-सिंधुर रोड पर कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा पर रोका गया। आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग कर भागने की कोशिश की। जब पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, तो एक आरोपी और दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने चिक्कोडी तालुक के

रविकिरण कमलाकर, मूल रूप से बिहार के रहने वाले शाहरुख शेख, जो अब मुंबई में रहता है और महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के हाटकनागला के सांबा रावसब कांबले को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक भीमा शंकर गुलेड़ ने संवाददाताओं को बताया कि घायल पुलिसकर्मी जमीर डांगे और रमेश हदीमनी का अथानी में इलाज चल रहा है। अपहरणकर्ताओं में से एक सांबा भी इस घटना में घायल हो गया और उसका अथानी तालुक अस्पताल में इलाज चल रहा है। शिकायत दर्ज कराने वाले विजय देसाई ने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि आरोपी कौन हैं या उन्होंने उनके बच्चों का अपहरण क्यों किया। उन्होंने अथानी में संवाददाताओं से कहा मैं बेलगावी में था और मेरी पत्नी घर पर नहीं थी। घर पर केवल मेरी वृद्ध मां थी। उनके साथ मारपीट की गई। हम अब चिंतित और डरे हुए हैं। हम चाहते हैं कि पुलिस विभाग हमारी मदद करे। डॉ. गुलेड़ ने बच्चों को बचाने वाली पुलिस टीम को बधाई दी है।

उपचुनाव में दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटों की किस्मत का होगा फैसला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य में तीन विधानसभा सीटों के लिए घमासान है और दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटे भाजपा से पूर्व सीएम बसवराज बोम्मई के बेटे भरत बोम्मई और कुमारस्वामी के बेटे निखिल कुमारस्वामी मैदान में उतरने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र से पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी के बेटे ने राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश किया है। ई. तुकाराम की पत्नी अन्नपूर्णा पहली बार चुनाव लड़ रही हैं। राज्य में पूर्व मुख्यमंत्रियों के परिवार के सदस्यों का राजनीति में आना कोई नई बात नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री डी. देवराज अरसु से लेकर बीएस येदियुरप्पा और एचडी कुमारस्वामी परिवार के सदस्यों ने राजनीतिक परिदृश्य में प्रवेश किया है और हार और जीत देखी है। अब उपचुनाव में एचडी कुमारस्वामी के बेटे

निखिल कुमारस्वामी और पूर्व सीएम बसवराज बोम्मई के बेटे भरत बोम्मई राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई लड़ने को तैयार हैं। एचडी देवेगौड़ा और एसआर बोम्मई भी राज्य के मुख्यमंत्री रहे। राज्य की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्रियों के परिवार के सदस्य विधायक, सांसद होते हैं और मुख्यमंत्री बनते हैं। अब तीसरी पीढ़ी के निखिल कुमारस्वामी और भरत बोम्मई चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमाने जा रहे हैं। निखिल कुमारस्वामी तीसरी बार चन्नपट्टना सीट पर उपचुनाव लड़ रहे हैं। 2019 में, मांड्या लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा और हार गए। तब जेडीएस और कांग्रेस ने गठबंधन किया था। उन्होंने 2023 के विधानसभा चुनाव में रामनगर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा था और हार का सामना करना पड़ा था। अब तीसरी बार, वह एनडीए उम्मीदवार के रूप में चन्नपट्टना उपचुनाव में चुनाव लड़ रहे हैं। हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि क्या निखिल इस बार उस निर्वाचन क्षेत्र में जीत हासिल करेंगे जहां ओक्कालिगा समुदाय के वोट निर्णायक हैं। शिग्गांव से लगातार चार बार जीत हासिल करने वाले बसवराज बोम्मई का निर्वाचन क्षेत्र पर पूरी तरह से दबदबा है।

इस सीट पर लिंगायत और मुस्लिम समुदाय के वोट अहम हैं। हालांकि भरत बोम्मई पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने अपने पिता की ओर से शिग्गांव निर्वाचन क्षेत्र में संगठित होकर खुद को निर्वाचन क्षेत्र से परिचित कराया था। इसके अलावा पिता की राजनीतिक पहुंच और रणनीति पर करीब से नजर डालने से भी इस चुनाव में मदद मिलेगी। ऐसे में विश्लेषण किया जा रहा है कि भरत ने राजनीति में आने का फैसला किया। ई. तुकाराम, जो संदूर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक थे, ने आलाकमान के निर्देश पर भाजपा उम्मीदवार बी.श्रीरामुलु के खिलाफ बेल्लारी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा और जीत गए। इस लिए तुकाराम की पत्नी अन्नपूर्णा के लिए संदूर से टिकट की घोषणा की गई है। तुकाराम ने संदूर निर्वाचन क्षेत्र से लगातार दो बार जीत हासिल की है और इस निर्वाचन क्षेत्र पर उनकी मजबूत पकड़ है। संदूर एक एसटी श्रेणी का विधानसभा क्षेत्र है और अनुसूचित जनजाति बहुल निर्वाचन क्षेत्र है। कुल मिलाकर इस उपचुनाव में नेताओं के परिवार के लोग जीतेंगे या नहीं, इसके लिए चुनाव नतीजे आने तक इंतजार करना होगा।

बोम्मई ने कांग्रेस पर मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ कथित दुर्व्यवहार करने का लगाया आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शुक्रवार को उन आरोपों का जवाब दिया, जिसमें कहा गया था कि वायनाड उपचुनाव के लिए प्रियंका गांधी वाड्रा के नामांकन दाखिल करने के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को प्रवेश से वंचित कर दिया गया था। बोम्मई ने कहा कि उन्होंने कई बार, सार्वजनिक रूप से ऐसी घटनाओं को देखा है और कर्नाटक में खड़गे की बड़े नेता के रूप में प्रशंसा की। उन्होंने कांग्रेस से खड़गे का उसी तरह सम्मान करने का आग्रह किया जैसा भाजपा करती है। बोम्मई ने कहा हमने इसे कई बार, सार्वजनिक रूप से भी देखा है। खड़गे हमारे नेता हैं, राज्य में एक बड़े नेता हैं। भले ही वह कांग्रेस में हैं, लेकिन

हम उनका सम्मान करते हैं। भाजपा के आरोप का जवाब देते हुए, कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने पलटवार किया कि प्रियंका के नामांकन दाखिल करने के दौरान खड़गे मौजूद थे। वेणुगोपाल ने बताया कि दरवाजा बंद था और राहुल गांधी और सोनिया गांधी दोनों ने प्रवेश करने से पहले कुछ देर बाहर इंतजार किया। वेणुगोपाल ने कहा भाजपा इस तरह के झूठ कैसे फैला सकती है? खड़गे नामांकन के लिए वहां मौजूद थे। उन्होंने खड़गे को निशाना बनाने के लिए भाजपा की आलोचना की और उन पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया। इससे पहले, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केशवन ने कांग्रेस द्वारा खड़गे के साथ कथित व्यवहार को भयावह बताते हुए हैरानी जताई और एक वरिष्ठ दलित नेता के प्रति घोर तिरस्कार और अनादर का हवाला दिया।

वेश्यावृत्ति और देर रात तक चलने वाले होटलों पर पुलिस की छापेमारी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर में बड़े पैमाने पर वेश्यावृत्ति और होटलों के निर्धारित समय से अधिक खुले

रहने की सार्वजनिक शिकायतों के बाद पुलिस ने गुरुवार रात में अभियान चलाया। जिन इलाकों में छापेमारी की गई, उनमें पुराना केएसआरटीसी बस स्टैंड, एनएआरएम बस स्टेशन और शहर और सेवा बस स्टैंड शामिल थे। बिना किसी वैध कारण के मौजूद लोगों को परिसर खाली करने के लिए कहा गया और होटल संचालकों को अनुमति प्राप्त घंटों से अधिक खुले रहने के बारे में चेतावनी दी गई। अभियान का नेतृत्व शहर पुलिस स्टेशन के निरीक्षक श्रीधर सातरे ने किया।

निखिल कुमारस्वामी ने चन्नपट्टना से नामांकन दाखिल किया

चन्नपट्टना विश्वासघाती राजनीति को खारिज कर निखिल को चुनेगा: एचडी कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने शुक्रवार को विश्वास जताया कि लोग विश्वासघाती राजनीति को खारिज कर देंगे और कर्नाटक के चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र के उप-चुनाव में उनके बेटे और जेडी-एस नेता निखिल कुमारस्वामी को चुनेंगे। कुमारस्वामी ने यह बयान बेंगलूरु के एक मंदिर में अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ विशेष पूजा-अर्चना करने के बाद दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा जब देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रगति कर रहा है, तब विश्वासघाती राजनीति चल रही है।

मुझे चन्नपट्टना, शिग्गांव और संदूर निर्वाचन क्षेत्रों के लोगों पर अटूट विश्वास है। मुझे विश्वास है कि वे इस तरह की चालों में शामिल लोगों को खारिज करेंगे और एनडीए के तीनों उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र ने पूरे देश का ध्यान खींचा है। निखिल कुमारस्वामी पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रोत्साहन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस चुनाव में खड़े हैं। हम चन्नपट्टना में नामांकन जुलूस से पहले केंगल मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे।

उन्होंने कहा हाईकमान और एनडीए के नेता महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, इसलिए हम उन्हें यहां आमंत्रित करके उन पर दबाव नहीं डालना चाहते। हम यह चुनाव प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लड़ेंगे। चुनावों में हार-जीत स्वाभाविक है। यह चुनाव क्षेत्र की जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं के बारे में है। मुझे पूरा विश्वास है कि पिछले दो चुनावों के विपरीत, जहां निखिल को हराने के लिए साजिशें रची गई थीं, इस बार ऐसी रणनीतियां काम नहीं आएंगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि निखिल को जनता का समर्थन प्राप्त था, लेकिन कांग्रेस की साजिशों के कारण उन्हें दो बार हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा एनडीए उम्मीदवार निखिल कुमारस्वामी ने दोनों दलों के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी और भगवान के आशीर्वाद के साथ चन्नपट्टना विधानसभा सीट के उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। निखिल ने कहा मैंने अपने परिवार के साथ प्रार्थना की। यह मेरे राजनीतिक जीवन में एक महत्वपूर्ण कदम है। कल तक, मैं कहता रहा कि गठबंधन को प्रभावित किए बिना एनडीए उम्मीदवार को नामित किया जाएगा। मैंने जेडी(एस) के वोट एनडीए उम्मीदवारों को मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए संदूर और शिग्गांव निर्वाचन क्षेत्रों में प्रारंभिक बैठकें की हैं। उन्होंने कहा हजारों पार्टी कार्यकर्ताओं के आग्रह के बाद मैंने चन्नपट्टना सीट से चुनाव लड़ने का फैसला किया। लोकतंत्र में, जीत और हार को सहजता से लिया जाना चाहिए, क्योंकि यह नेता बनने की यात्रा का हिस्सा है। मुझे विश्वास है कि लोग युवा नेतृत्व का समर्थन करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा ने कहा हमारा परिवार भगवान में आस्था रखता है। आज मेरे पोते निखिल कुमारस्वामी के नामांकन दाखिल करने से पहले हमने ईश्वर का आशीर्वाद लिया। विशेष पूजा से मुझे खुशी और शांति का एहसास हुआ है। इसी बीच निखिल कुमारस्वामी ने भाजपा नेता आर. अशोक, अश्वथ नारायण और सदानंद गौड़ा की उपस्थिति में संदूर विधानसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके पूर्व भव्य शोभा यात्रा निकाली गयी।

मुडा अधिकारियों को भेजे गए समन का मामला

किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) के अधिकारियों को भेजे गए समन का जवाब देते हुए कहा कि निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

उन्होंने यह भी कहा कि जांच प्रक्रिया जारी है और ईडी द्वारा पूछताछ किए जाने तथा फीडबैक एकत्र किए जाने के दौरान धैर्य रखने का आग्रह किया। परमेश्वर ने कहा हमारे लिए अभी कुछ भी निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। यह एक प्रक्रिया चल रही है, और आप जानते हैं कि उन्होंने नोटिस जारी किए हैं। वे शायद इसकी जांच करेंगे। आप जानते हैं कि वे जांच करते हैं। उन्हें अंततः उनकी राय और फीडबैक मिल जाती है। इंतजार करते हैं और देखते हैं कि क्या होता है। यह कार्रवाई ईडी द्वारा सिद्धरामैया और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज करने के कुछ समय बाद की गई है। यह मामला राज्य लोकायुक्त द्वारा मुडा के संबंध में दर्ज की गई प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) के बाद शुरू हुआ, जिसने कांग्रेस नेता को मुश्किल स्थिति में डाल दिया है। एफआईआर में सिद्धरामैया, उनकी पत्नी बीएम पार्वती, उनके साले मल्लिकार्जुन स्वामी और देवराजू का नाम है।

स्वामी ने जमीन खरीदी थी और बाद में पार्वती को उपहार में दिया गया था। ईडी अपनी जांच में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों को लागू कर रहा है, जिससे एजेंसी को पूछताछ के लिए व्यक्तियों को बुलाने और इस प्रक्रिया के दौरान संभावित रूप से संपत्ति जब्त करने की अनुमति मिलती है। सिद्धरामैया ने आरोपों से इनकार करते हुए दावा किया है कि उन्हें राजनीतिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा है कि वह मुख्यमंत्री के रूप में अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगे। भाजपा की ओर से पद छोड़ने की लगातार मांग के बावजूद उन्हें अपनी पार्टी के नेताओं का समर्थन प्राप्त है।

हत्या के मामले का आरोपी 30 साल बाद गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर की सीसीबी पुलिस ने लगातार अभियान के बाद हत्या के एक मामले में 30 साल से फरार चल रहे आरोपी जोस कुट्टी पापाचन (55) को गिरफ्तार कर लिया। यह घटना 12 मार्च, 1995 की है, जब सूरतकल पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत बाला गांव में एक उद्योग में सुरक्षा गार्ड सुरेश, नारायण और देवन्ना ड्यूटी पर थे। रात करीब 10:30 बजे, तीन अजनबी वहां पहुंचे और गार्ड द्वारा पूछताछ करने पर उन्होंने उन पर हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल हुए सुरक्षा गार्ड नारायण ने दम तोड़ दिया। झगड़े के दौरान, आरोपी अच्छन कुन्ही और जोस कुट्टी ने साइट कैंटीन के पास सो रहे मजदूरों पर कथित तौर पर हमला किया।

जब एक रिश्तेदार थॉमस ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो उन्होंने उसे लोहे की रॉड से मारा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद नारायण की हत्या के लिए अचन कुन्ही और जोस कुट्टी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। दोनों संदिग्ध केरल, गुजरात, राजस्थान और तमिलनाडु के बीच घूमते हुए भाग गए। एलपीसी वारंट जारी किया गया था, और कथित तौर पर आठ साल पहले अच्छन कुन्ही की मौत हो गई थी। चार महीने की जांच के बाद, मेंगलूरु सीसीबी पुलिस ने केरल के एर्नाकुलम जिले के त्रिपुनिथुरा में जोस कुट्टी को गिरफ्तार किया। सीसीबी के एसीपी मनोज कुमार नाइक, इंस्पेक्टर श्याम सुंदर एच एम, एएसआई मोहन के वी और अन्य कर्मियों ने ऑपरेशन में भाग लिया। शहर के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने आरोपी को पकड़ने में उनकी मेहनत के लिए सीसीबी टीम की सराहना की।

विधायक सतीश सैल को दोषी ठहराने का मामला

कोर्ट के फैसले से पता चलता है कि देश का कानून कितना मजबूत: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई.विजयेंद्र ने कहा कि जन प्रतिनिधियों की विशेष अदालत द्वारा कांग्रेस विधायक सतीश सैल को दोषी ठहराये जाने के फैसले से पता चला है कि इस देश का कानून कितना मजबूत है। उन्होंने कहा कि अवैध अयस्क के परिवहन और राज्य के खजाने को 200 करोड़ से अधिक का नुकसान पहुंचाने के छह आपराधिक आरोपों में जेल जा चुके सतीश सैल के खिलाफ फैसला स्पष्ट संकेत है कि सभी भ्रष्टाचारियों को इसी स्थिति का सामना करना पड़ेगा। कांग्रेस सरकार के जिन लोगों पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं उनको भी सामना करना पड़ेगा। मुडा घोटाले में अभियोजन के लिए राज्यपाल की अनुमति को बरकरार रखने वाले उच्च न्यायालय के लंबे फैसले में घोटाले का संदर्भ स्पष्ट रूप से डाला गया था। इस संबंध में ईडी और लोकायुक्त भी जांच कर चुके हैं। फिर भी भ्रष्ट मुख्यमंत्री यदि विधायक सतीश सैल के खिलाफ आए फैसले से जाग जाएं तो भविष्य में थोड़ा ही सही, उनका सम्मान बरकरार रह सकता है, अन्यथा इसमें कोई संदेह नहीं कि अदालत उन्हें बाहर का रास्ता दिखा देगी। इससे पहले बेंगलूरु में विधायकों/सांसदों के लिए एक विशेष अदालत ने गुरुवार को बेलेकेरी लौह अयस्क निर्यात मामले में कांग्रेस के कारवार विधायक सतीश के सैल को दोषी ठहराया। न्यायाधीश संतोष गजानन भट की अध्यक्षता वाली पीठ ने आदेश पारित किया। दोषी विधायक के वकील ने दलील दी कि उनके मुवक्किल को पुलिस हिरासत में नहीं लिया जाना चाहिए। हालांकि, न्यायाधीश ने कहा कि एक बार आदेश पारित होने के बाद इसे रोकना संभव नहीं था। अदालत के आदेश के बाद विधायक सतीश सैल को किसी भी समय गिरफ्तार किया जा सकता है और उन्हें बेंगलूरु सेंट्रल जेल में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। इस संबंध में मामला 2010 में दर्ज किया गया था और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मामले में आरोप पत्र दाखिल किया था। अदालत ने सभी छह प्राथमिकी के संबंध में विधायक को दोषी ठहराया है। इस घटनाक्रम को कांग्रेस सरकार के लिए झटका माना जा रहा है। विधायक सतीश सैल को पहले मामले में दूसरे आरोपी के रूप में नामित किया गया है। पहले आरोपी बेलेकेरी पोर्ट कंजरवेटर महेश बिलिया हैं। महेश सभी छह मामलों में मुख्य आरोपी है। महेश समेत आठ आरोपियों को भी दोषी ठहराया गया।

कुमार नाइक मुडा घोटाले की जांच को भटकाने का कर रहे प्रयास: स्नेहमई कृष्णा

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुडा मामले के शिकायतकर्ता स्नेहमई कृष्णा ने मांग की है कि पूर्व जिला कलेक्टर जी. कुमार नाइक मुडा मामले में भ्रामक बयान दे रहे हैं। इसलिए केसारे गांव की जमीन का स्थल निरीक्षण फिर से किया जाना चाहिए और सबूत के रूप में माना जाना चाहिए। उन्होंने मैसूरु लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक को एक और शिकायत करते हुए कहा है कि जब पहले साइट का निरीक्षण किया गया था, तो जल निकासी व्यवस्था, सड़क और भूखंड संख्या का कोई निशान नहीं था। उन्होंने मांग की कि इन्हें हटाकर दूसरी जगह निर्माण कराया जाए और फोटो व वीडियो को साक्ष्य माना जाए। पहले मुडा ने इस जमीन का अधिग्रहण कर जमीन का रूपांतर कर दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि भूखंड 12 लोगों को बेचे गए, जिसके बाद फर्जी दस्तावेज बनाकर इसे कृषि भूमि दिखाने का प्रयास किया गया। इस प्रकार परिवर्तित भूमियों के हस्तांतरण हेतु कितनी भूमियों का पंजीकरण किया गया है? उन्होंने यह जांच करने का अनुरोध किया कि जी कुमार नाइक के कार्यकाल के दौरान ऐसे कितने मामले सामने आए, इसका पता लगाया जाना चाहिए।

सीपी योगेश्वर को कांग्रेस का टिकट मिलने से कांग्रेस कार्यकर्ता कर रहे बगावत: आर. अशोक

चन्नपट्टना से निखिल कुमारस्वामी की जीत तय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विपक्षी नेता आर. अशोक ने कहा कि चन्नपट्टना में सीपी यो-गेश्वर को कांग्रेस का टिकट मिलने से कांग्रेस कार्यकर्ता बगावत कर रहे हैं। इसलिए इस उपचुनाव में योगेश्वर बलि का बकरा बनेंगे।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा और जेडीएस ने मिलकर चन्नपट्टना उपचुनाव के लिए निखिल कुमारस्वामी को उम्मीदवार घोषित किया है। जेडीएस पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक हुई और सर्वसम्मति से उम्मीदवार का चयन किया गया। लेकिन कांग्रेस में कार्यकर्ताओं की राय पूछे बिना ही सीपी योगेश्वर को चुन लिया गया। उन्होंने कहा, परिणामस्वरूप, कांग्रेस कार्यकर्ता गठबंधन उम्मीदवार का समर्थन करेंगे। वाल्मीकि विकास निगम घोटाला, मुडा घोटाला, एससी, एसटी समुदाय के पैसे की हेराफेरी से सरकार की बदनामी हुई है। विधायक सतीश सैल को खनन घोटाले में दोषी पाया गया और सजा सुनाई गई। कांग्रेस लुटेरों की पार्टी साबित हुई है। अब उन्हीं की पार्टी के विधायक लूटपाट के बाद खदान में फंस गए हैं। उन्होंने कहा कि जनता जानती है कि कांग्रेस पार्टी ने ही खदानों को लूटा है। लोगों को निखिल कुमारस्वामी पर भरोषा है। हम सभी ने सीपी यो-गेश्वर को टिकट देने की कोशिश की। हालाँकि, उन्होंने पार्टी छोड़ दी और कांग्रेस में शामिल हो गए। जो भाजपा में वरिष्ठ नेता थे वो अब कांग्रेस में तीसरी पंक्ति में बैठे हैं। कांग्रेस नेता उन्हें भेड़ बनाने जा रहे हैं। लोगों को अच्छे नेतृत्व की जरूरत है। इसलिए यह स्पष्ट है कि निखिल कुमारस्वामी जीतेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा के सभी कार्यकर्ता और नेता कड़ी मेहनत करेंगे। राज्य सरकार ने 16 महीने में चन्नपट्टना के विकास के लिए एक रुपया भी नहीं दिया है। सरकार वेतन देने तक के पैसे के बिना दिवालिया हो गई है। बारिश से हुए नुकसान से भले ही किसान परेशान हैं, लेकिन मुआवजे के लिए पैसे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि राजधानी बेंगलूरु डूब रही है फिर भी सरकार सचेत नहीं है।

कोप्पल में 98 लोगों को मिली आजीवन कारावास की सजा

दलितों पर अत्याचार मामले में आया फैसला

कोप्पल/शुभ लाभ ब्यूरो। दलित समुदाय के लोगों पर अत्याचार और जातीय हिंसा के मामले में कर्नाटक के कोप्पल की जिला अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने दलित समुदाय के लोगों की झोपड़ियों में आग लगाने के आरोप में 101 लोगों को सजा सुनाई है। 101 दोषियों में से 98 को आजीवन कारावास और 5000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई है। वहीं अन्य तीन दोषियों को 5 साल के कठोर कारावास और 2000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई है। न्यायाधीश चन्द्रशेखर सी ने मामले में गुरुवार को 101 लोगों को दोषी ठहराया था। अभियोजन पक्ष ने इस बारे में जानकारी दी। सरकारी वकील अपर्णा बूंदी ने कहा कि मामले में 117 लोगों को आरोपी बनाया गया था, इनमें से 16 की सुनवाई के दौरान मृत्यु हो गई। फिलहाल आजीवन कारावास की सजा पाए सभी दोषी बल्लारी केंद्रीय जेल में हैं। बताया जा रहा है कि देश में जातीय हिंसा के मामले में सामूहिक रूप से इतने लोगों को पहली बार सजा सुनाई गई है। यह मामला 28 अगस्त 2014 का है। जब गांव के होटलों और नाई की दुकानों में दलितों को प्रवेश देने से मना करने पर पीड़ितों और आरोपियों के बीच झड़प हो गई थी। जिसके बाद आरोपियों ने गंगावती तालुक के मराकुंबी गांव में दलित समुदाय के लोगों के घरों में आग लगा दी थी। इस घटना के बाद राज्य के कई हिस्सों में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुआ था। इस हिंसा के कारण माराकुम्बी को तीन महीने तक पुलिस की सख्त निगरानी रही थी। इतना ही नहीं राज्य की दलित अधिकार समिति ने इस हिंसा के विरोध में मरुकुम्बी से बेंगलूरु तक एक मार्च का भी आयोजन किया था। साथ ही काफी लंबे समय तक गंगावती थाने का घेराव कई दिनों तक चला था।

उत्तरकाशी में मस्जिद गिराने की मांग पर प्रदर्शन

पुलिस लाठीचार्ज में 27 घायल, धारा 163 लागू

उत्तरकाशी, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हिमाचल प्रदेश के बाद अब उत्तराखंड के उत्तरकाशी में अवैध मस्जिद को हटाने को लेकर हिंदू संगठन सड़कों पर उतर आए हैं। स्थानीय हिंदू और धार्मिक संगठनों से जुड़े लोगों ने गुरुवार 24 अक्टूबर को जनाक्रोश रैली निकाली। इस दौरान पथराव के बाद तनाव फैल गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर दिया, जिसमें 27 लोग घायल हो गए हैं। पुलिस के लाठीचार्ज के विरोध में हिंदू संगठनों ने आज शुक्रवार 25 अक्टूबर को यमुना घाटी बंद का आह्वान किया है। यह बंद यमुना घाटी जिला उद्योग व्यापार मंडल के आह्वान पर बुलाया गया है। आज भी बाजार आदि बंद हैं।

व्यापार मंडल के जिला महामंत्री सुरेंद्र रावत ने कहा कि भटवाड़ी लाठीचार्ज के विरोध में सभी हिंदू संगठन एकजुट हैं।

दरअसल, हिंदू संगठनों का आरोप है कि उत्तरकाशी के बाड़ाहाट क्षेत्र में सरकारी जमीन पर एक मस्जिद अवैध रूप से बना दी गई है। वे इसे हटाने की लगातार मांग कर रहे हैं। इसको लेकर प्रदर्शनकारी हनुमान चौक से एक रैली निकाली गई। इसमें स्वामी दर्शन भारती भी शामिल थे। प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान

जय श्रीराम के नारे भी लगाए। उत्तरकाशी, डुंडा, भटवाड़ी और जोशियाड़ा में बाजार पूरी तरह बंद रहे।

प्रदर्शनकारी हनुमान चौक से मस्जिद की ओर बढ़ने लगे तो उन्हें रोकने के लिए जिला प्रशासन ने गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर भटवाड़ी की ओर बैरिकेड लगा दिए। प्रदर्शनकारी इस बैरिकेडिंग को हटाने लगे तो उनकी पुलिस के साथ नोक-झोंक हो गई। पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया तो प्रदर्शनकारी वहीं धरने पर बैठ गए और हनुमान चालीसा का पाठ करने लगे। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग हटाने की कोशिश की तो पुलिस के साथ उनकी झड़प हो गई। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज कर दिया। इस दौरान आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए। झड़प में 7 पुलिसकर्मी सहित 27 लोग घायल हो गए हैं। घायलों में दो महिला प्रदर्शनकारी भी शामिल हैं। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारियों का आरोप कि उन पर पथराव किया गया था। वहीं, प्रदर्शनकारियों का कहना है कि स्थिति को बिगाड़ने की साजिश के तहत पुलिस पर पत्थर फेंके गए थे। उत्तरकाशी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमित श्रीवास्तव ने कहा कि पथराव की घटना को गंभीरता से लिया गया है और इसकी जांच की जा रही है। आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

एसपी श्रीवास्तव ने बताया कि अब शहर में स्थिति सामान्य और शांतिपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शहर में सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शन के बाद मस्जिद के आसपास की सुरक्षा भी कड़ी कर दी गई है। जिला प्रशासन ने इलाके में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। हिंदुओं का कहना है कि मस्जिद सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बनाई गई है। जबकि जिला प्रशासन का कहना है कि मस्जिद पुरानी है और मुस्लिम समुदाय के लोगों की जमीन पर बनी है। इसको लेकर उत्तरकाशी के जिलाधिकारी कार्यालय ने 21 अक्टूबर को एक नोटिस भी जारी किया। इसमें भटवाड़ी के उपजिलाधिकारी मुकेश चंद रमोला की रिपोर्ट का हवाला दिया गया है।

उपजिलाधिकारी मुकेश रमोला ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि जिस भूमि पर मस्जिद बनी है, वह भूमि खाताधारकों के नाम पर दर्ज है। वहीं, उत्तर प्रदेश सरकार के मुस्लिम वक्फ विभाग द्वारा प्रकाशित सरकारी गजट में 20 मई 1987 में यह मस्जिद उल्लेखित है। इसमें सुन्नी वक्फ की ओर से मस्जिद का खसरा, रकबा, नाली और धार्मिक उद्देश्य के रूप में अंकित है।

भूमि का दाखिल-खारिज साल 2004 में हुआ। साल 2005 में पारित तहसीलदार के एक आदेश में कहा गया है कि यह मस्जिद संबंधित भूमि पर बनी हुई है। इस विवाद की शुरुआत संयुक्त सनातन धर्म रक्षक संघ की ओर से मस्जिद को लेकर आरटीआई के तहत जानकारी मांगी गई थी। इसमें जिला प्रशासन द्वारा अस्पष्ट जानकारी देते हुए कहा कि उसके पास जरूरी कागजात नहीं हैं।

स्वामी दर्शन भारती का कहना कि प्रशासन ने आरटीआई में गलत जानकारी दी है। इसके बाद 6 सितंबर 2024 को हिंदूवादी संगठनों ने मस्जिद गिराने की मांग को लेकर डीएम कार्यालय के बाहर धरना दिया। उन्होंने प्रशासन को तीन दिन का अल्टीमेटम दिया था।

उन्होंने कहा था कि अगर उनकी मांग नहीं मानी गई तो वे खुद इस मस्जिद को गिरा देंगे। इसके बाद उत्तरकाशी के जिलाधिकारी ने मामले की जांच के लिए कमेटी गठित की। इस कमिटी ने बताया कि मस्जिद वैध और यह सरकारी जमीन पर नहीं है। एसपी अमित श्रीवास्तव ने बताया, हमारे रिकॉर्ड के मुताबिक, ये मस्जिद पंजीकृत जमीन पर बनी है। ये जमीन चार लोगों के नाम पर पंजीकृत है। प्रशासन ने इसकी जानकारी इन संगठनों को दे दी है।

राज्य का दर्जा बहाल करने की प्रक्रिया जल्द शुरू करेगी केंद्र सरकार

जम्मू, 25 अक्टूबर (ब्यूरो)।

केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की प्रक्रिया जल्द शुरू कर सकती है। प्रदेश के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार शाम को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के साथ मुलाकात की। गृह मंत्री अमित शाह ने निर्वाचित सरकार को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया और राज्य का दर्जा बहाल करने पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री और गृह मंत्री के बीच बातचीत मुख्य शासन मामलों पर केंद्रित थी।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सर्दियों के लिए जम्मू-कश्मीर में बिजली आपूर्ति पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान बिजली आपूर्ति पर विस्तार से चर्चा की गई, जो विशेष रूप से कठोर सर्दियों के दौरान एक आवर्ती चुनौती रही है। जम्मू-कश्मीर मंत्रिमंडल ने 19 अक्टूबर को राज्य का दर्जा बहाल करने का प्रस्ताव पारित किया था और बाद में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इसे मंजूरी दे दी थी। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठित किए जाने के बाद राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग लंबे समय से की जा रही है।

पिछले सप्ताह अपनी पहली बैठक में, जम्मू-कश्मीर कैबिनेट ने राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा पारित प्रस्ताव में कहा गया है, राज्य का दर्जा बहाल करना उपचार प्रक्रिया की शुरुआत होगी, संवैधानिक अधिकारों को पुनः प्राप्त करना और जम्मू-कश्मीर के लोगों की पहचान की रक्षा करना। राज्य के दर्जे के अलावा, प्रस्ताव में जम्मू-कश्मीर सरकार की जम्मू-कश्मीर के लोगों की पहचान और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया गया है। प्रस्ताव के अनुसार, जम्मू-कश्मीर की विशिष्ट पहचान और लोगों के संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा नवनिर्वाचित सरकार की नीति की आधारशिला बनी हुई है।

हटाए गए अनुच्छेद 370 और 35ए के तहत, जम्मू-कश्मीर के लोगों के पास विशेष भूमि स्वामित्व और नौकरी के विशेषाधिकार थे। जम्मू-कश्मीर में छह साल से अधिक समय तक राष्ट्रपति शासन के बाद नई सरकार के गठन के बाद, स्थानीय लोगों के लिए भूमि और नौकरी के अधिकारों पर राज्य का दर्जा और संवैधानिक सुरक्षा बहाल करने की इच्छा है। प्रधानमंत्री के साथ अब्दुल्ला की बैठक को जम्मू-कश्मीर सरकार के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है क्योंकि पुलिस और कानून-व्यवस्था से संबंधित प्रमुख मामलों पर निर्णय लेने की शक्तियां एलजी के पास ही हैं।

सोमनाथ में अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई जारी रहेगी

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

गुजरात के ऐतिहासिक गिर सोमनाथ में अवैध कब्जे हटाने की कार्रवाई निर्बाध रूप से जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने गिर सोमनाथ में अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई पर रोक लगाने से साफ-साफ इन्कार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर यथास्थिति बनाए रखने की मांग की गई थी। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद यथास्थिति बनाए रखने का आदेश देने से इन्कार कर दिया। गुजरात सरकार ने

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में बताया कि गिर सोमनाथ में जिस जमीन पर अवैध धार्मिक ढांचों को ध्वस्त किया गया, वह जमीन सरकार के पास रहेगी और किसी तीसरे पक्ष को आवंटित नहीं की जाएगी।

गुजरात सरकार प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर के करीब अवैध निर्माण के खिलाफ ध्वस्तीकरण अभियान चला रही है। इस अभियान के तहत 57 एकड़ क्षेत्र में फैले अवैध निर्माणों को ढहाया जा रहा है। जिस अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, उनमें मुस्लिम समुदाय के कई धार्मिक स्थल और आवास भी हैं। गुजरात सरकार का कहना है कि अवैध संरचनाएं समुद्र से सटी हुई हैं और अवैध हैं। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने 1 अक्टूबर को अपने आदेश में देशभर में हो रहे बुलडोजर एक्शन पर रोक लगा दी थी। हालांकि कोर्ट ने अवैध निर्माण पर कार्रवाई जारी रखने की इजाजत दे दी थी।

आतंकी खतरे के कारण गंडोला बंद

जम्मू, 25 अक्टूबर (ब्यूरो)।

गुलमर्ग में कल रात को हुए आतंकी हमले में पांच मौतों के बाद आतंकी खतरे के चलते आज विश्व प्रसिद्ध गुलमर्ग गंडोला को लेकर परस्पर विरोधी खबरें मिलती रहीं। इसे कभी बंद और कभी खोला जाता रहा है। हालांकि सुरक्षाधिकारी कहते थे कि आतंकी खतरे के चलते इसका संचालन बंद किया गया था तो गंडोला की देखरेख करने वाली कंपनी के अधिकारी कहते थे कि ऐसा तकनीकी खराबी के चलते हुआ है।

अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि गुलमर्ग में गंडोला लिफ्ट और अन्य पर्यटक गतिविधियों का संचालन सामान्य रूप से चल रहा है, जिससे आगंतुकों को भरोसा मिला कि लोकप्रिय स्की रिसॉर्ट सुरक्षित और पूरी तरह से चालू है। ऐसी चिंताएँ थीं कि बूटापथरी क्षेत्र में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले से पर्यटन प्रभावित हो सकता है, हालाँकि अधिकारियों ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह घटना गुलमर्ग पर्यटन स्थल से बहुत दूर हुई थी।

गंडोला केबल कार कार्पोरेशन के अधिकारियों ने कहा कि गुलमर्ग में गोंडोला सामान्य रूप से काम कर रहा है, जिससे हाल ही में अस्थायी रूप से बंद होने की रिपोर्टों के बाद चिंताएँ कम हो गई हैं। ऐसी रिपोर्टें थीं कि पास के बूटापाथरी क्षेत्र में आतंकवादी हमले के बाद एहतियात के तौर पर केबल कार सेवा को निलंबित कर दिया गया था।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि गंडोला को तकनीकी खराबी के कारण कुछ समय के लिए रोका गया था, न कि घटना की सीधी प्रतिक्रिया के रूप में। एक अधिकारी का कहना था कि हमने तकनीकी मुद्दों को हल कर लिया है, और गंडोला अब बिना किसी समस्या के चल रहा है। वे दावा करते थे कि गुलमर्ग में पर्यटक गतिविधियाँ सामान्य हैं, होटल, रेस्तरां और अन्य सेवाएं आगंतुकों से गुलजार हैं।

पर्यटक अपनी यात्रा और गुलमर्ग की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले रहे हैं। इससे पहले अधिकारियों ने बताया था कि शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के बारामुल्ला जिले के गुलमर्ग रिसॉर्ट शहर में गंडोला रोपवे सेवा को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादी हमले में 3 सैनिकों सहित 5 लोगों की हत्या के बाद एहतियात के तौर पर यह सेवा बंद कर दी गई है।

गुरुवार को हुए हमले में तीन सैनिक और दो सेना के कुली मारे गए थे, जबकि एक अन्य कुली और एक सैनिक घायल हो गए थे। आतंकवादियों ने गुलमर्ग से छह किलोमीटर दूर बल के एक वाहन पर हमला किया। अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार को हुए आतंकवादी हमले के बाद गुलमर्ग के बोटा पथरी सेक्टर में गंडोला केबल कार परियोजना को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। पर्यटकों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह बंद किया गया है। उन्होंने बताया कि गंडोला, जो पूरे साल पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए जाना जाता है, अपने शानदार दृश्यों और अनोखे पर्वतीय अनुभवों के लिए जाना जाता है, सुरक्षा आकलन और उपाय पूरे होने के बाद फिर से चालू होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि स्थानीय अधिकारी स्थिति की निगरानी और समाधान के लिए सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। गुलमर्ग में गंडोला दुनिया की दूसरी सबसे लंबी और दूसरी सबसे ऊंची केबल कार सेवा है। दो चरणों वाली लिफ्ट लोगों को 13,976 फीट की ऊंचाई पर अफरावत चोटी के पास कंगदूरी पर्वत तक ले जाती है।

रंजीता असम से दिल्ली नहीं जाएगी

हाईकोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दिल्ली हाईकोर्ट ने 48 वर्षीय हथिनी रंजीता को असम से दिल्ली ले आने पर रोक लगाई है। चीफ जस्टिस मनमोहन की अध्यक्षता वाली बेंच ने दिल्ली के चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन को निर्देश दिया कि वे दिल्ली के उस स्थान का मुआयना करें जहां रंजीता को असम से लाया जा रहा था। मामले की अगली सुनवाई 28 नवंबर को होगी।

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पूछा कि क्या 48 वर्ष की उम्र की हथिनी की शारीरिक अवस्था इस तरह की है कि वो जोरहाट से सड़क मार्ग से दो हजार किलोमीटर की यात्रा कर दिल्ली आ सके। क्या ये हथिनी रंजीता के लिए सुरक्षित होगा। चीफ जस्टिस ने कहा कि हथिनी की औसत उम्र 60 साल की होती है। हाथी काफी बड़े इलाके में घूमते हैं और उन्हें जोरहाट जैसे बड़े इलाके से लाकर काफी छोटे इलाके में रखा जाएगा।

याचिका फेडरेशन ऑफ इंडियन एनिमल प्रोटेक्शन ऑर्गनाइजेशन (एफआईएपीओ) की ओर से इसके सीईओ भारती रामचंद्रन ने दायर किया है। याचिका में रंजीता हथिनी को जोरहाट से दिल्ली लाये जाने के आदेश को चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि रंजीता हथिनी को दिल्ली लाये जाने के आदेश में इसकी जरूरत क्या है, ये स्पष्ट नहीं है। रंजीता हथिनी को जोरहाट से दिल्ली लाने की अनुमति असम प्रशासन और दिल्ली के चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन ने दी है। याचिका में कहा गया है कि जोरहाट में हरियाली काफी ज्यादा है। जोरहाट और दिल्ली के वातावरण में काफी अंतर है, जो किसी जानवर के लिए काफी कष्टदायक होगा।

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट को बताया गया कि दक्षिणी दिल्ली के सैनिक फार्म इलाके में बगलामुखी मंदिर ट्रस्ट में बड़ी संख्या में घोड़े और ऊंट रखे गए हैं। ये इलाका करीब डेढ़ एकड़ में फैला हुआ है।

तब कोर्ट ने दिल्ली के चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन को निर्देश दिया कि वे बगलामुखी मंदिर ट्रस्ट के उस स्थान का मुआयना करें जहां जानवर रखे गए हैं। चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन अपनी रिपोर्ट में ये बताएं कि वहां रखे गए जानवरों की संख्या कितनी है और वे किस स्थिति में रह रहे हैं और वहां जानवरों के रखरखाव के लिए कितने स्टाफ हैं।

50 बांग्लादेशी हिरासत में 200 से हो रही पूछताछ

अहमदाबाद, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद भारत में बांग्लादेशियों की घुसपैठ बढ़ गई है। कई राज्यों से अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशियों की गिरफ्तारी की खबरें भी आए दिन आती रहती हैं।

इसी क्रम में गुजरात की क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद में बड़ी कार्रवाई की है। यहां क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद में अवैध रूप से रह रहे 50 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। क्राइम ब्रांच अहमदाबाद के डीसीपी अजीत राजियान ने इसकी जानकारी दी है।

क्राइम ब्रांच अहमदाबाद के डीसीपी अजीत राजियान ने बताया कि हम अवैध रूप से रहने वाले लोगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। इसके साथ ही 200 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की जा रही है। इससे पहले, हाल ही में त्रिपुरा में पुलिस ने तीन स्थानों से 18 बांग्लादेशी नागरिकों और उनकी मदद कर रहे पांच भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया था।

बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान अजित पवार की पार्टी में

पिता की हत्या पर कांग्रेस ने की ओछी राजनीति

मुंबई, 25 अक्टूबर (ब्यूरो)।

पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी ने कांग्रेस पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उनके पिता बाबा सिद्दीकी की हत्या पर पर कांग्रेस ने निम्न स्तर की राजनीति की है। उन्होंने कांग्रेस से दुखी होकर अजित पवार की पार्टी (राकांपा) का दामन थाम लिया है। विधानसभा चुनाव में उन्हें पार्टी की ओर से टिकट भी मिल गया है। वहीं पूर्व मंत्री नवाब मलिक की बेटी सना मलिक भी अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शामिल हुईं।

बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान बांद्रा पूर्व से कांगेस के वर्तमान विधायक हैं। जीशान सिद्दीकी ने कहा कि उनकी पिता की हाल ही में हत्या कर दी गई । ऐसे दुख के समय में भी कांग्रेस ने उनके साथ निम्न स्तर की राजनीति की। इसी वजह से उन्होंने राकांपा का दामन थामा है। नबाब मलिक को हाल

ही में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था। इसलिए भाजपा नवाब मलिक की मुंबई के अनुशक्तिनगर विधानसभा सीट से विरोध कर रही थी।

राकांपा एपी ने बीच का रास्ता निकालते हुए नवाब मलिक की जगह उनकी बेटी को पार्टी में शामिल किया और उन्हें अनुशक्तिनगर सीट से उम्मीदवार घोषित किया।

बुधवार को अजित पवार ने 38 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। आज राकांपा एपी ने सात उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की। इनमें वडगांव शेरी से सुनील टिंगरे, बांद्रा पूर्व से जीशान सिद्दीकी, अणुशक्तिनगर से सना मलिक, तासगांव से संजय काका पाटिल, इस्लामपुर से निशिकांत पाटिल, शिरूर से माउली कटके और लोहा-कंधार - प्रताप पाटिल चिखलीकर शामिल हैं। इन सात उम्मीदवारों को लेकर अजित पवार की पार्टी राकांपा की ओर से अब तक कुल 45 उम्मीदवारों की घोषणा की जा चुकी है।

यूपी में इस साल 17 नए मेडिकल कॉलेज, एमबीबीएस सीटें दोगुनी: योगी

महराजगंज में पीपीपी मोड के मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण

महराजगंज, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में सुदृढ़ होती मेडिकल की पढ़ाई पर कहा कि इस साल प्रदेश को 17 नये मेडिकल कॉलेज की सौगात मिल रही है। इसके साथ ही प्रदेश में एमबीबीएस की सीटें भी दोगुनी हो चुकी हैं। सीएम योगी शुक्रवार को महराजगंज में प्रदेश के पहले पीपीपी मोड के केएमसी मेडिकल कॉलेज के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से ही तराई के जनपदों को लगातार उपेक्षा का दंश झेलना पड़ा। सरकारों के एजेंडे में तराई के क्षेत्र होते ही नहीं थे। मगर अब महराजगंज उपेक्षित नहीं रहा, आज ही यहां 940 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं की सौगात दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी गोरखपुर में पूर्वी यूपी का एक मात्र बीआरडी मेडिकल कॉलेज स्वयं बीमार हाल में था। मगर आज यह गोरखपुर एम्स से स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा कर रहा है। उन्होंने कहा कि 2017 में प्रदेश की सत्ता जब संभाली तो यूपी के पास वेतन देने के लिए भी पैसे नहीं थे, मगर सबके साथ और टीम वर्क के कारण आज परिणाम हर किसी के सामने है। उन्होंने इस बात पर विशेष तौर पर संतोष जताया कि यूपी में अबतक 5.14 करोड़ गरीबों को आयुष्मान भारत योजना का गोल्डेन कार्ड प्रदान किया जा चुका है। उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि यूपी में पहले केवल 18 मेडिकल कॉलेज थे, मगर आज 64 जिलों में मेडिकल कॉलेज बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज केवल स्वास्थ्य सुविधाएं ही नहीं प्रदान करते बल्कि इनके निर्माण से नौकरियों और स्वरोजगार को भी बढ़ावा मिलता है। सीएम ने कहा कि सरकार का पूरा जोर यूपी में नए बन रहे मेडिकल कॉलेजों को अच्छी कनेक्टिविटी से जोड़ने पर है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मेडिकल कॉलेज के साथ साथ नर्सिंग और पैरा मेडिकल कॉलेजों का भी युद्धस्तर पर निर्माण हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने आगामी 30 अक्टूबर को भगवान धनवंतरी जयंती का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और आरोग्यता के देवता की जयंती से पहले ही महराजगंज को प्रदेश के पहले पीपीपी मोड के मेडिकल कॉलेज की सौगात मिल रहा है। सीएम योगी ने शांति फाउंडेशन के अध्यक्ष और केएमसी मेडिकल कॉलेज के संस्थापक विनय कुमार श्रीवास्तव और उनकी पूरी टीम को धन्यवाद दिया। सीएम ने बताया कि यहां डेढ़ सौ बच्चों का एडमिशन हो चुका है। उन्होंने कहा कि तराई के क्षेत्र आजादी के बाद से लगातार उपेक्षित रहे हैं। शासन की सुविधाओं की स्थिति अत्यंत खराब थी।

न बिजली आती थी, न सड़कें अच्छी थीं, चीनी मिलें बंद होती गईं, पेयजल और गंदगी के कारण इन्सेफलाइटिस जैसी बीमारियां यहां की जवानी को निगल जाती थीं, मलेरिया का आतंक था। मगर आज इंसेफलाइटिस की बीमारी पूर्वी यूपी से सदैव के लिए समाप्त हो गई है। अब कोई मासूम दम नहीं तोड़ता। आज महराजगंज उपेक्षित नहीं है।

सीएम योगी ने कहा कि गोरखपुर में एम्स की स्थापना के साथ ही कुशीनगर, देवरिया, बस्ती, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बहराइच, सुल्तानपुर, अम्बेडकरनगर, अयोध्या, प्रतापगढ़ में मेडिकल कॉलेज शुरू हो गए हैं। पहले पूर्वी यूपी में केवल गोरखपुर में बीआरडी मेडिकल कॉलेज था और वो भी बीमार था। आज बीआरडी मेडिकल कॉलेज अपनी बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ गोरखपुर एम्स के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कर रहा है। जिस यूपी में कभी केवल 18 मेडिकल कॉलेज थे, आज 64 जनपद में मेडिकल कॉलेज बन चुके हैं।

बाकि जो 6-7 जनपद बचे हैं उनके लिए नई पॉलिसी के साथ मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जाएगी। वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज के संकल्प को हम पूरा करेंगे। पहले कोई बीमार होता था तो उपचार के लिए पैसों की चिंता होती थी। आज मोदी जी ने हर गरीब को 5 लाख के मुफ्त उपचार की सुविधा दी है। यूपी में 5.14 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना का गोल्डेन कार्ड जारी कर दिया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक मेडिकल कॉलेज ही नहीं है। यह उत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं तो प्रदान कर ही रहा है, आरोग्यता को बल दे रहा है साथ ही रोजगार के नये नये अवसरों को भी बढ़ा रहा है। हमारा प्रयास होगा कि हम मेडिकल कॉलेजों को अच्छी कनेक्टिविटी देंगे। यहां अच्छे चिकित्सक कार्य कर रहे हैं। यहां ओपीडी और आईपीडी की अच्छी व्यवस्था है। हम आयुष्मान भारत की सुविधा के साथ इस अस्पताल को जोड़ने का कार्य करेंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने केएमसी मेडिकल कॉलेज के सहयोगियों को विशेष रूप से सम्मानित किया, जिसमें कमल ठाकुर, डॉ एस एम रफीक, डॉ मेजर यशवर्धन दुबे, डॉ शम्शुल हक, डॉ विजय शर्मा, डॉ नेहा यादव, डॉ अरुण श्रीवास्तव, जीतू मेघवाल, देवचंद्र कुशवाहा, डॉ भनुप्रिया, जीतेन्द्र कुमार, वीरेन्द्र मणि त्रिपाठी, प्रभात कुमार, धनंजय कुशवाहा, शहबाज अहमद शामिल रहे।

संकट में इंडी गठबंधन

कांग्रेस के चुनाव न लड़ने के गहरे हैं मायने

लखनऊ, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव में सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन का दावा किया जा रहा है। लेकिन, असल में दिलों के मिलने पर संशय के बादल मंडराने लगे हैं। कांग्रेस के उपचुनाव नहीं लड़ने के फैसले से साफ है कि सपा से मिली दो सीटों से पार्टी संतुष्ट नहीं थी। दरअसल, कांग्रेस यूपी विधानसभा उपचुनाव में मझवां, फूलपुर, गाजियाबाद, खैर और मीरापुर सीट मांग रही थी। सपा ने गाजियाबाद और खैर सीट छोड़ी। कांग्रेस ने असंतुष्टि जताई। इस बीच सपा की ओर से कहा गया कि फूलपुर सीट भी दे सकते हैं, लेकिन बुधवार को यहां से सपा के मुज्तबा सिद्दीकी ने पर्चा दाखिल कर दिया।

इसके बाद दिल्ली पहुंचे कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय और प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने शीर्ष नेतृत्व को पूरी स्थिति बताई। देर रात सपा ने सोशल मीडिया पर एलान किया कि पार्टी सभी नौ सीट पर चुनाव लड़ेगी। बृहस्पतिवार दोपहर बाद दिल्ली में कांग्रेस ने कहा कि भाजपा को हटाने के लिए सीट नहीं, जीत जरूरी है।

सपा का प्रदेश नेतृत्व भले ही गठबंधन कायम होने की बात कह रहा है, लेकिन हालात कुछ और ही हैं। फूलपुर सीट से कांग्रेस के सुरेश यादव का पर्चा दाखिल करना इसका प्रमाण है। सपा की ओर से सीटें नहीं मिलने से कांग्रेस के प्रदेश स्तरीय नेता ही नहीं, बल्कि कई सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी करने वाले भी खफा हैं।

लखनऊ समेत कई जगह पर संविधान बचाओ सम्मेलन करने वाले पूर्व जिला जज बीडी नकवी कहते हैं कि आपसी सामंजस्य बनाए रखने के लिए कांग्रेस को सीटें मिलनी चाहिए थीं। सामाजिक चेतना फाउंडेशन न्याय के सचिव महेंद्र मंडल कहते हैं कि कांग्रेस को सीटें नहीं देना सपा की हठधर्मिता है।

अब कांग्रेस नए सिरे से विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी करेगी ताकि गठबंधन की जरूरत पड़ने पर सपा से आमने-सामने बैठकर बात कर सके। ये सपा के लिए खतरे की घंटी हो सकता है। लोकसभा चुनाव में गठबंधन के साथ खड़े दल अब मैदान में हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी तीन उम्मीदवार उतार चुकी है। राष्ट्रीय जनवादी पार्टी, अपना दल कमेरावादी समेत कई दल अलग राह पर चल पड़े हैं। ऐसे में गठबंधन के भविष्य पर संशय है।

कांग्रेस के यूपी में विधानसभा उपचुनाव से किनारा करने के पीछे महाराष्ट्र फैक्टर भी माना जा रहा है। महाराष्ट्र चुनाव को लेकर महा विकास अघाड़ी में सीट बंटवारे पर सहमति बन गई है। कांग्रेस, राकांपा और शिवसेना (ठाकरे) के बीच 85-85 सीट पर रजामंदी बनी है। वहीं, सपा समेत अन्य सहयोगी दलों को 18 सीटें देने की बात हुई है। यहां सपा 12 सीटें मांग रही है और पांच पर उम्मीदवार उतार चुकी है।

भाजपा नेता की स्कूली बस पर अंधाधुंध फायरिंग

गजरौला, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

गजरौला में भाजपा जिला उपाध्यक्ष की स्कूल बस पर नकाबपोश बदमाशों ने फायरिंग की। इससे बस में सवार 28 बच्चे सहम गए। चालक ने बस दौड़ाकर बच्चों को सुरक्षित स्कूल पहुंचाया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

गजरौला में भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं ब्लॉक प्रमुख मीनाक्षी चौधरी के पति चौधरी वीरेंद्र सिंह के स्कूल की बस पर नकाबपोश तीन बदमाशों ने फायरिंग की। इसके बाद ईंट भी बरसाईं। घटना से बस में सवार 28 छात्र-छात्रा सहम गए। चालक ने पुलिस और स्कूल प्रबंधन को सूचना देते हुए बस दौड़ा दी। आरोप है कि बाइक सवार बदमाशों ने बस का पीछा भी किया। सीओ व इंस्पेक्टर ने बच्चों से घटना के बारे में जानकारी ली। मौके पर जाकर भी जांच पड़ताल की। नगर से सटे दरियापुर बुजुर्ग गांव के मार्ग पर एसएसआरएस इंटरनेशनल स्कूल है। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष चौधरी वीरेंद्र सिंह स्कूल के प्रबंधक निदेशक व उनके भतीजे पुनीत सिंह स्कूल के निदेशक हैं।

पुनीत सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के गांव चौकपुरी निवासी मोंटी सैनी स्कूल की मिनी बस पर चालक है। वह स्कूली गाड़ी से नगला माफी, चौकपुरी, लखमिया, हयातपुर आदि गांवों के बच्चों को स्कूल में लाने और गांवों में पहुंचाने का काम करता है। शुक्रवार सुबह वह बच्चों को लेकर आ रहा था। बस में 28 छात्र-छात्रा सवार थे। सुबह वह खादगुर्जर और नगला माफी के बीच एक पुलिया के निकट पहुंचा था। इस बीच रास्ते में खड़े युवक ने बाइक लगाकर स्कूली बस रोक ली। पास में आम के बाग में छिपे उसके दो साथी आ गए। उन्होंने बस पर फायरिंग कर दी और ईंट बरसाईं। जिस पर चालक ने बस को गजरौला की तरफ तेज रफ्तार में दौड़ा दिया। बाइक सवारों ने उसका पीछा भी किया। उसमें सवार छात्र-छात्रा सहम गए। चालक ने यूपी-112 को फोन कर घटना की सूचना दी। स्कूल प्रबंधन को भी खबर दी। कुछ ही देर में वह गाड़ी को लेकर स्कूल में आ गया। सूचना पाकर इंस्पेक्टर क्राइम जितेंद्र सिंह पुलिस के साथ स्कूल में गए। सहमे छात्र-छात्राओं से जानकारी ली। चालक से भी पुलिस ने पूछताछ की। कुछ देर बाद सीओ श्वेताभ भास्कर, इंस्पेक्टर, भाजपा जिला उपाध्यक्ष, डायरेक्टर, प्रधानाचार्य धर्मेंद्र चतुर्वेदी आदि घटना स्थल पर गए। जांच पड़ताल की।

स्कूली बस चालक मोंटी की कई दिन पूर्व खाद गुर्जर मोड़ पर एक स्कूटी सवार को टक्कर लग गई थी। जिससे वह गिर गया था। बताया जा रहा है कि उसको चोट भी लगी थी। स्कूटी सवार से बस की भिड़ंत का मामला स्कूल में भी पहुंचा था। बस चालक ने विवाद होने की बात कबूल की।

खाद की जमाखोरी, कमीशनखोरी या तस्करी?

खाद की बोरियां गायब, किसानों का जगह जगह हंगामा

कानपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कानपुर और बुंदेलखंड में किसान परेशान हैं, क्योंकि उन्हें खाद नहीं मिल रही है। आलू-चना और मसूर के खेत तैयार करने के लिए सहकारी समितियों पर डीएपी नहीं है। घंटो लाइन में लगे किसान खाली हाथ मायूस लौट रहे हैं। उनके सब्र का बांध टूट रहा है और जगह-जगह किसान हंगामा कर रहे हैं।

हरदोई, फतेहपुर,चित्रकूट और बांदा में बृहस्पतिवार को एक बार फिर समितियों पर किसानों का आक्रोश फूट पड़ा और हंगामा हुआ। अधिकारी कहते हैं कि बफर स्टॉक में पर्याप्त खाद उपलब्ध है। लेकिन यह किसानों तक क्यों नहीं पहुंच पा रही है। इसका जवाब किसी के पास नहीं है। किसान जहां जिम्मेदारों पर खाद के लिए कमीशनखोरी का आरोप लगा रहे हैं, तो वहीं अफसरों का कहना है कि किसान भविष्य के लिए जमाखोरी कर रहे हैं। जो भी हो, खाद का खेल निराला है। किसानों को खाद न मिले इसके लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं।

हालांकि पुलिस से लेकर डीएम-एसडीएम तक खाद बंटवाने में लगे हैं। महोबा में एक रैक (करीब 70 हजार बोरी) खाद सोमवार पहुंची थी। इसमें 66 फीसदी खाद हमीरपुर और बाकी की खाद महोबा को मिलनी है। लेकिन ट्रेन से खाद उतारकर समितियों तक पहुंचाने के लिए सिर्फ सात ट्रक लगाए गए हैं। नतीजा अभी तक हमीरपुर में एक भी बोरी खाद नहीं पहुंच पाई है। अब सरकार मिली हुई खाद किसानों तक क्यों नहीं पहुंचने दी जा रही है। इसका जवाब किसी के पास नहीं है। अधिकारी कह रहे हैं कि बफर स्टॉक में पर्याप्त खाद है। इसी तरह बांदा में 16 अक्टूबर को एनपीके और डीएपी दोनों की एक रैक आई थी। इसमें पांच सौ टन डीएपी थी। अब अगली रैक 27 अक्टूबर को आने की उम्मीद है।

डीएपी की जगह यूरिया दी जा रही है। जबकि अभी रवि की बोआई के लिए खेत तैयार करने को डीएपी चाहिए। बफर स्टॉक से समितियों तक खाद नहीं पहुंचाई जा रही। सरकार जो खाद दे रही है वह गोदाम या बफर स्टॉक में पड़ी। जरूरत के मुताबिक खाद एक बार में उपलब्ध नहीं कराई जा रही। दस बोरी की जरूरत होने पर सिर्फ दो बोरी दी जा रही है। इसलिए किसान बार-बार लाइन में लग रहा है और हंगामा हो रहा है।

कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कृषि निदेशक प्रो. नरेंद्र सिंह ने बताया कि किसान डीएपी की जगह सिंगल फास्फेट और यूरिया मिश्रित कर दलहन-तिलहन फसलों में उपयोग कर सकते हैं। इनमें सभी जरूरी तत्व पर्याप्त होते हैं। एनपीके का इस्तेमाल गेंहू, जौ व सरसों के लिए उचित है। जबकि डीएपी के सापेक्ष सिंगल फास्फेट और यूरिया मिलाकर दलहनी व तिलहनी फसलें बोने से किसानों को ज्यादा बेहतर उपज मिलेगी। उन्होंने बताया कि डीएपी में भी सभी तत्व होते हैं, इसीलिए किसान इसके पीछे परेशान होता है।

यूपी उपचुनाव : फूंक फूंक कर भाजपा बढ़ा रही है कदम

लखनऊ, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मनमाने टिकट बंटवारे से लोकसभा चुनाव में झटका खा चुकी भाजपा ने विधानसभा उप-चुनाव में पुराने कार्यकर्ताओं को तरजीह देकर बड़ा संदेश देने की कोशिश की है। प्रत्याशियों के जरिए भाजपा ने अखिलेश यादव के पीडीए के दांव का भी जवाब देने का प्रयास किया है। सूची से स्पष्ट है कि कार्यकर्ताओं की पूछ, पुराने वफादारों को जगह और जातीय समीकरण का पूरा ध्यान रखा गया है। सूची से यह भी साफ हो गया है कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव में मिले झटके से काफी कुछ सीखा है। यही नहीं, पार्टी ने उपचुनाव से यह भी संदेश देने का प्रयास किया है कि वही एक ऐसी पार्टी है जो हिंदुओं की सभी जातियों का सम्मान करने और सबको साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। पार्टी ने लोकसभा चुनाव में खिसके पिछड़े वोटबैंक को फिर से वापस पाने की भरसक कोशिश की है। काडर के पुराने राजनीतिक परिवारों को तरजीह देकर यह संदेश दिया है कि पार्टी में काडर कार्यकर्ताओं का सम्मान बरकरार है। दरअसल, लोकसभा चुनाव में टिकट वितरण में पार्टी पर काडर की उपेक्षा के गंभीर आरोप लगे थे।

दो सीटों पर ब्राह्मण चेहरे को उतारकर पार्टी ने इस जाति की उपेक्षा के आरोपों को भी झुठलाने का प्रयास किया है। करहल में नया प्रयोग करते हुए मुलायम सिंह के परिवार से प्रत्याशी उतारकर भाजपा ने एक तीर से कई निशाने साधे हैं। एक ओर भाजपा ने अनुजेश के बहाने यह बताने का प्रयास किया है कि यादव भी उसके लिए गैर नहीं हैं। पार्टी यादवों को सम्मानजनक राजनीतिक भागीदारी देने को भी तैयार है। जहां तक अनुजेश का सवाल है तो वह आजमगढ़ से सांसद धर्मेंद्र यादव के सगे बहनोई हैं। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो अनुजेश के जरिये भाजपा ने यह भी संदेश देने की कोशिश की है कि अखिलेश की रीति-नीति को लेकर उनके परिवार में भी सब कुछ ठीक नहीं है।

कभी यादव-जाटव जोड़ो अभियान चला चुकी भाजपा सरकार ने स्व. मुलायम सिंह यादव को पद्म विभूषण देकर भी यादवों को भाजपा से जोड़ने की कोशिश की है। मोहन यादव को मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाकर भी यह संदेश दे चुकी है।

अब अनुजेश को प्रत्याशी बनाकर भाजपा यह जताना चाहती है कि उसने पश्चिमी यूपी में यादव परिवार के गढ़ में भी अपनी पकड़ बना ली है। लोकसभा चुनाव 2019 में बदायूं, फिरोजाबाद और कन्नौज सीट जीत चुकी भाजपा मुलायम परिवार के गढ़ में मजबूती से पैर जमाने के लिए लगातार कोशिश करती रही है।

राजनीति में धारणाओं का बड़ा महत्व है। इससे अक्सर परिणाम प्रभावित भी होते हैं। हाल में ही निपटा लोकसभा चुनाव इसका ताजा उदाहरण है। अब भाजपा उप चुनाव के प्रत्याशियों के जरिये उन धारणाओं को तोड़ने की कोशिश करती दिख रही है। नतीजा क्या होगा यह तो भविष्य में पता चलेगा, लेकिन अनुजेश को उतारकर भाजपा ने यह तो संदेश दे ही दिया है कि अखिलेश की पकड़ अब अपने घर में भी मजबूत नहीं है। अगर वे अपने नजदीकी रिश्तेदार की आकांक्षाओं का सम्मान नहीं कर सकते तो उनसे आम यादवों के लिए अपनी आकांक्षाओं के पूरा होने की अपेक्षा दिवास्वप्न ही है।

ज्ञानवापी मामले में अतिरिक्त सर्वे की मांग खारिज

वाराणसी, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

वाराणसी ज्ञानवापी के जुड़े मामले में हिंदू पक्ष को झटका लगा है। 1991 के मुकदमे में वाराणसी कोर्ट में चल रहे मुकदमे में हिंदू पक्ष द्वारा सर्वे का आवेदन खारिज कर दिया गया है। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता का कहना है ये इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में जाकर अपील करेंगे।

आदि विश्वेश्वर बनाम अंजुमन इंतेजामिया कमेटी के मुकदमें में जज युगल शंभू ने फैसला देते हुए हिंदू पक्ष की अपील को खारिज कर दिया है। 1991 के मुकदमे में वाराणसी कोर्ट का फैसला आ चुका है। हिंदू पक्ष के वादमित्र विजय शंकर रस्तोगी ने कहा कि हम इस फैसले के विरोध में हाईकोर्ट में अपील करेंगे।

इन्होंने कहा कि हमारे तरफ से एडिशनल सर्वे की मांग की गई थी जिसको निरस्त कर दिया गया है। कहा हमने मांग की थी कि जो सर्वे हुआ है वो अधूरा हुआ है। पहले का सर्वे सिर्फ एएसआई की टीम ने किया है।

संपादकीय

मोदी-जिनपिंग संवाद के मायने

पांच साल के बाद प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हुई और करीब 50 मिनट तक बातचीत हुई। यह एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय प्रयास माना जा सकता है। दोनों नेताओं ने हाथ मिलाए। अपने-अपने राष्ट्रीय ध्वजों की पृष्ठभूमि में मुलाकात हुई। कुछ मुस्कराए भी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात की जो शैली होती है, वह गायब रही। दोनों नेता आलिंगनबद्ध नहीं हुए। मुलाकात में गर्मजोशी और अंतरंगता महसूस नहीं हुई। इस द्विपक्षीय संवाद को अंतिम और निर्णायक भी नहीं माना जा सकता। एक तानाशाह किस्म के देश और एक लोकतांत्रिक देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के बीच ऐसी मुलाकात और बातचीत, बेशक, एक महत्वपूर्ण कदम है। उसके जरिए आगे का रास्ता तय किया जा सकता है। यह दो समान शक्तियों के दरमियान समान स्तर का संवाद भी नहीं था, क्योंकि चीन भारत से करीब 6 गुना बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है। सामरिक स्तर पर भी चीन एक 'वैश्विक महाशक्ति' है। फिर भी 5 साल के गतिरोध के बाद चीन भारत के साथ द्विपक्षीय बातचीत को सहमत हुआ, इसे प्रत्येक लिहाज से कमतर नहीं आंकना चाहिए। चीन भारत को प्रतिस्पद्र्धी नहीं, सहयोगी मानता है, यह चीन की नई सोच है। दोनों नेताओं ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त करने और सेनाओं के पीछे हटने के समझौते का स्वागत किया है। दोनों नेता मानते हैं कि उनकी सीमाओं पर शांति और स्थिरता रहनी चाहिए। सीमा विवाद निपटाने के लिए विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किए गए हैं। भारत की तरफ से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीन से विदेश मंत्री वांग यी जल्द ही औपचारिक बैठकें शुरू करेंगे। राष्ट्रपति जिनपिंग ने कहा है कि चीन और भारत को एक-दूसरे के प्रति अच्छी धारणा रखनी चाहिए। पड़ोसी होने के नाते सद्भाव से रहने के लिए सही रास्ता खोजने पर काम करना जरूरी है। दोनों का मानना है कि भारत-चीन के संबंध उनके देशों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अहम हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने रेखांकित किया कि परस्पर विश्वास, परस्पर सम्मान और परस्पर संवेदनशीलता के आधार पर ही दोनों देशों के संबंध तय होने चाहिए। लब्बोलुआब यह रहा कि दोनों देश शांति, स्थिरता, सद्भाव, सौहार्द के पक्षधर हैं, लेकिन सवाल है कि क्या ऐसा संभव और व्यावहारिक होगा? अधिकतर राजनयिक और रक्षा विशेषज्ञ बार-बार यह कह रहे हैं कि चीन की फितरत पर भरोसा नहीं करना चाहिए और भारतीय सैनिकों को हरदम सचेत रहना चाहिए। दरअसल भारत 1947 और चीन 1949 में स्वतंत्र हुए। उस दौर में दोनों ही देश समान स्थितियों में थे। 1960, '65,'70,'80 और 1987 के कालखंडों तक भारत-चीन की अर्थव्यवस्था में कोई खास अंतर नहीं था। हालांकि भारत 23.2 लाख करोड़ रुपए की जीडीपी के साथ चीन की 22.7 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था से आगे था। 1990 के दशक में प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने देश की अर्थव्यवस्था को खोला और आर्थिक उदारीकरण, भूमंडलीकरण का दौर शुरू हुआ। वहीं से चीन ने हमें पीछे करना शुरू किया। चीन ने कृषि का निजीकरण किया। उसे वामपंथी शासन और कायदे-कानूनों से मुक्त रखा। चीन ने गांव-गांव में औद्योगिक जोन बनाए, नतीजतन ग्रामीणों का शहर की ओर पलायन नहीं हुआ। गांव में ही रोजगार का प्रबंध किया गया। भारत में जातियों पर राजनीति चल रही थी और गठबंधन सरकारें बेहद अनिश्चित और अस्थिर थीं। चीन के लोगों ने रात-दिन मेहनत की। वहां उस दौर में किसान की औसत सालाना आमदनी 15 लाख रुपए थी, जबकि भारत में यह औसत 1.5 लाख से भी कम थी। चीन ने तय किया कि 9 साल तक स्कूल में पढऩा अनिवार्य होगा। शिक्षा के साथ-साथ कौशल पर भी गहरा ध्यान दिया गया।

दोनों नेताओं ने हाथ मिलाए। अपने-अपने राष्ट्रीय ध्वजों की पृष्ठभूमि में मुलाकात हुई। कुछ मुस्कराए भी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात की जो शैली होती है, वह गायब रही। दोनों नेता आलिंगनबद्ध नहीं हुए। मुलाकात में गर्मजोशी और अंतरंगता महसूस नहीं हुई। इस द्विपक्षीय संवाद को अंतिम और निर्णायक भी नहीं माना जा सकता। एक तानाशाह किस्म के देश और एक लोकतांत्रिक देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के बीच ऐसी मुलाकात और बातचीत, बेशक, एक महत्वपूर्ण कदम है। उसके जरिए आगे का रास्ता तय किया जा सकता है। यह दो समान शक्तियों के दरमियान समान स्तर का संवाद भी नहीं था, क्योंकि चीन भारत से करीब 6 गुना बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है। सामरिक स्तर पर भी चीन एक 'वैश्विक महाशक्ति' है। फिर भी 5 साल के गतिरोध के बाद चीन भारत के साथ द्विपक्षीय बातचीत को सहमत हुआ, इसे प्रत्येक लिहाज से कमतर नहीं आंकना चाहिए। चीन भारत को प्रतिस्पद्र्धी नहीं, सहयोगी मानता है, यह चीन की नई सोच है।

जम्मू कश्मीर में इतना कुछ बदल गया जिसको समझने समझाने में समाजविज्ञानियों को पसीना आने लगा

जम्मू-कश्मीर में नई शुरुआत

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

मुफ्ती साहिब के इंतकाल के बाद उनकी बेटी सैयदा महबूबा मुफ्ती राज्य की मुख्यमंत्री बन गई थीं। मुफ्ती परिवार का यह राजयोग भाजपा के समर्थन पर टिका था। वैसे यह भी अपने आप में सातवां आश्चर्य ही था कि जनसंघ/भाजपा शुरू से ही स्वदेशी का ही समर्थन करती रही हैं, लेकिन जब कश्मीर में राजसत्ता देने की बात आई तो फैसला सैयदों के हक में दे दिया। इससे राज्य के गुज्जर, दलित और पसमांदा मुसलमान भाजपा से रुष्ट भी हुए थे। लेकिन अब यह पुरानी बात है। वैसे भी हालात कुछ ऐसे बने कि भाजपा ने अपना सहयोग वापस ले लिया। जाहिर है इससे मुफ्ती परिवार के हाथ की लकीरें भी बदल गईं।

उमर अब्दुल्ला ने एक बार फिर जम्मू कश्मीर की कमान संभाल ली है। 2014 में उन्हें पीडीपी के मुफ्ती मोहम्मद सैयद ने अपदस्थ कर दिया था। वैसे कश्मीर में सैयदों की और देसी मुसलमानों की लड़ाई बहुत पुरानी है। मुफ्ती साहिब के इंतकाल के बाद उनकी बेटी सैयदा महबूबा मुफ्ती राज्य की मुख्यमंत्री बन गई थीं। मुफ्ती परिवार का यह राजयोग भाजपा के समर्थन पर टिका था। वैसे यह भी अपने आप में सातवां आश्चर्य ही था कि जनसंघ/भाजपा शुरू से ही स्वदेशी का ही समर्थन करती रही हैं, लेकिन जब कश्मीर में राजसत्ता देने की बात आई तो फैसला सैयदों के हक में दे दिया। इससे राज्य के गुज्जर, दलित और पसमांदा मुसलमान भाजपा से रुष्ट भी हुए थे। लेकिन अब यह पुरानी बात है। वैसे भी हालात कुछ ऐसे बने कि भाजपा ने अपना सहयोग वापस ले लिया। जाहिर है इससे मुफ्ती परिवार के हाथ की लकीरें भी बदल गईं। लेकिन उसके बाद जम्मू कश्मीर में इतना कुछ बदल गया जिसको समझने समझाने में समाजविज्ञानियों को पसीना आने लगा। इतना ही नहीं, पाकिस्तान से लेकर अमेरिका तक में हडक़म्प मच गया। अमेरिका ने बहुत ही चालाकी से भारत को इस मुद्दे पर घेरा हुआ था। दुनिया भर को विश्वास दिला रखा था कि जम्मू कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद का विषय है। इन गोरे लोगों ने चाल इतनी ख़ूबसूरती से चली थी कि भारत में भी बहुत से लोग विश्वास करने लगे थे कि कश्मीर दोनों देशों में विवाद का कारण है। इस भ्रम को बनाए रखने के लिए भारतीय संविधान में अनुच्छेद 370 था ही। कश्मीर घाटी में तो इस मृगमरीचिका का शिकार होकर बहुत से कश्मीरी भी आजादी-आजादी चिल्लाते हुए, पाकिस्तान के साथ जाने के सपने देखने लगे। इसलिए सैयदों की इन अरबी चालों और गोरों की नस्ली चालों को सदा के लिए दफनाने के लिए भारत सरकार ने अनुच्छेद 370 को ही हटा दिया। हडक़म्प मचना तय ही था। लेकिन ज्यादा हो-हल्ला तीन डेरों पर ही मचा। पहला डेरा

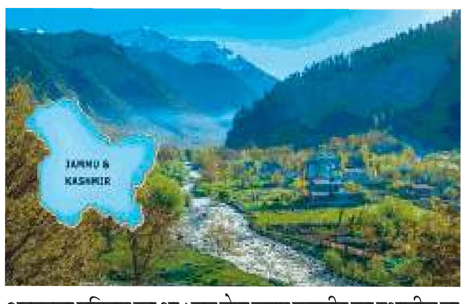

अब्दुल्ला परिवार का था। यह डेरा जम्मू कश्मीर का स्थानीय या लोकल डेरा था। यह ठीक है कि डेरे के पूर्वज कभी अति उत्साह में अरबी शेख बनने चले थे, शायद कश्मीरियों को डराने के लिए ही। लेकिन वे जल्दी समझ गए कि दूसरों के कपड़े पहन कर देवदार को खजूर समझने से मानसिक तनाव ही बढ़ता है, इसलिए वे जल्दी ही नकली शेख की वर्दी उतार कर अपने देसी लोगों में ही शामिल हो गए। दूसरा डेरा सैयदों का था। वे अभी भी देवदारों पर खजूरें लगने की तरकीबें तलाश रहे थे। तीसरा डेरा उन अलगाववादियों का आकार ले रहा था जिनका नियंत्रण तो एटीएम (अरब-तुर्क-मुगल) मूल के विदेशी मुसलमानों के हाथ में ही था, लेकिन मजहब के नाम पर उन्होंने कुछ देसी कश्मीरी भी अपने डेरे में बिठा रखे थे। जैसे ही अनुच्छेद 370 खत्म हुआ हड़बड़ाहट में ये तीनों डेरे गुपकार के नाम पर एक साथ रोने लगे। लेकिन इतनी बेसुरी आवाजें निकलीं कि उसमें कश्मीर कहीं सुनाई नहीं दे रहा था। देसी डेरे ने तो अरसा पहले ही अरबी शेख बनने का गैर कश्मीरी रास्ता छोड़ दिया था। वह समय की चाल को भी समझ गया था और समय के महत्व को भी। फिर वह जम्मू कश्मीर का देसी डेरा था, राज्य के देसी मन को कैसे न समझता! अरबी डेरे न तो कश्मीर के मन को समझ पाए और न ही समय की चाल को। यही कारण है कि राज्य के विधानसभा चुनाव में अरबी डेरे उखड़ गए और देसी डेरों ने धमाल मचा दी। जम्मू संभाग में भाजपा ने झंडे गाड दिए और कश्मीर संभाग में अब्दुल्ला परिवार की नैशनल कान्फ्रेंस ने अंगद की तरह पैर जमा दिया। उमर अब्दुल्ला को मुख्यमंत्री बनना ही था, लेकिन अनुमान इस बात को लेकर लगाया जा रहा था कि विधानसभा में बहुमत हासिल करने के बाद भी क्या वे राज्य के भीतर की देसी अभिलाषा को पढ़ते रहेंगे या फिर विदेशी भाषा की चालों में फंस जाएंगे। उमर के मंत्रिमंडल को देख कर लगता है वे भूतकाल से निकल कर भविष्य के रास्ते पर चलने का निर्णय कर चुके हैं। चुनाव से पहले नैशनल कान्फ्रेंस ने कांग्रेस से समझौता किया हुआ था। जम्मू संभाग की अधिकांश सीटें राहुल गांधी के हवाले करते हुए उसे उसी का मंत्र भी याद दिला दिया था, जिसकी जितनी संख्या भारी उतनी उसकी हिस्सेदारी। लेकिन राहुल गांधी संख्या लेकर हाजिर हुए महज छह की। उसमें भी पांच लोग तो उमर अब्दुल्ला के इलाके कश्मीर के ही थे और जीते भी नैशनल कान्फ्रेंस की मदद से ही थे। कांग्रेस के प्रधान मल्लिकार्जुन खडग़े दिल्ली में बुढ़ापा नृत्य करते रहे कि जम्मू कश्मीर में इंडी गठबंधन जीत गया है, लेकिन उमर ने अपने मंत्रिमंडल में कांग्रेस को शामिल ही नहीं किया। अलबत्ता राहुल गांधी ने यह भ्रम फैलाने की कोशिश जरूर की कि जब तक जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता, तब तक उनकी पार्टी मंत्रिमंडल में शामिल नहीं होगी। कश्मीर से सकीना इट्टू को मंत्री बनाया गया है। कश्मीर से दूसरे मंत्री जावेद अहमद डार मंत्री बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री समेत कश्मीर संभाग से तीन सदस्य हैं। उमर अब्दुल्ला ने कश्मीर संभाग और जम्मू संभाग में संतुलन बनाने का प्रयास किया है। राजौरी जिला में उनकी पार्टी के सुरेन्द्र चौधरी जीते थे। उनको राज्य का उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। यह अलग बात है कि चौधरी पीडीपी से शुरू करके, भाजपा से होते हुए नैशनल कान्फ्रेंस तक पहुंचे हैं। पुंछ जिला से नैशनल कान्फ्रेंस के ही जावेद अहमद राणा मंत्री बनाए गए हैं। इस प्रकार पीर पंजाल से दो मंत्री हो गए। लेकिन जम्मू के मैदानी इलाकों का क्या किया जाए? उमर इसे छोड़ सकते थे।

दृष्टि कोण

धर्मपुर में राज्य स्तरीय स्कूली खेल

मंडी जिले का दूरदराज उपमंडल धर्मपुर बिना खेल मैदानों के खेल में काफी पिछड़ा है। धर्मपुर के विधायक चंद्रशेखर के प्रयासों से पहले बाबा कमलाहिया के आंचल में बने राजकीय महाविद्यालय धर्मपुर के खेल मैदान को विकसित किया गया और फिर पिछले सप्ताह अंडर चौहद वर्ष आयुवर्ग बालकों के राज्य स्तरीय खेलों का सफल आयोजन भी करवाया गया, जहां शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर शुभारंभ व खेल मंत्री यादविंद्र गोमा समापन पर मुख्य अतिथि थे। खेलें आज के आधुनिक युग में मानव जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गई हैं। खेल किसी सभ्यता के लिए कितने जरूरी हैं, इस बात का अंदाजा मनुष्यों को रोज मिलने वाली सूचनाओं से भी पता चलता है। समाचारपत्रों में प्रतिदिन एक पूरा पृष्ठ खेल समाचारों के लिए होता है। ओलंपिक खेलों की पदकतालिका से किसी भी देश की तरक्की व खुशहाली का पता आसानी से चलता है। संसार के विकसित देश ओलंपिक में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करते देखे जा सकते हैं। अमेरिका सहित क्रमशः सभी विकसित देश पदकतालिका में शीर्ष पर मिलते हैं। हमारे देश में भी जो राज्य हर प्रकार से समृद्ध हैं, वे खेलों में भी अग्रणी हैं। आज जब गांव का जीवन खत्म होकर शहरीकरण होता जा रहा है, इससे शारीरिक श्रम बिल्कुल खत्म हो रहा है। इसलिए सामान्य फिटनेस के लिए अधिक से अधिक खेल सुविधाओं की जरूरत बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। हिमाचल प्रदेश के बजट में इसलिए भी खेल क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं के लिए बहुत ज्यादा धन की आवश्यकता है। हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर का आधारभूत ढांचा वर्षों से तैयार पड़ा-पड़ा खंडहरों में तबदील हो रहा है। इस पर ध्यान देने की जरूरत है। प्रशिक्षकों की नियुक्ति के मामले में भी खेल विभाग बहुत पीछे है। विभाग के पास बहुत कम प्रशिक्षक हैं, कई खेलों में तो पूरे जिला स्तर पर एक भी प्रशिक्षक नियुक्त नहीं है। इस बजट में सौ विभिन्न खेलों के प्रशिक्षकों व इतने ही मैदान कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए धन का प्रावधान होना चाहिए। बहुत अधिक खेल सुविधाओं व प्रशिक्षकों की नियुक्ति इसलिए भी जरूरी हो जाती है क्योंकि आज का युवा ही नहीं, किशोरावस्था से ही हमारी आगामी पीढ़ी नशे के अंधेरे में गुम हो रही है। अधिक खेल सुविधाएं व प्रशिक्षक होंगे, तो अधिक संख्या में युवाओं को फिटनेस मिलेगी व नशे से दूरी भी बनेगी। जब बहुत अधिक खिलाड़ी मैदान का रुख करेंगे तो उन्हीं में से कुछ प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी मिल जाएंगे। स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद अधिकतर खिलाड़ी हिमाचल प्रदेश में महाविद्यालय स्तर पर प्रशिक्षण सुविधाओं के अभाव में विद्यार्थी पंजाब व अन्य पड़ोसी राज्यों के खेल विंगों का रुख अख्तियार करते हैं। हिमाचल प्रदेश के जिन जिन महाविद्यालयों में जिस खेल की सुविधा है, उस खेल का छात्रावास या विंग चलाने के लिए बजट में धन राशि इस बजट में रखी जाए। व्यक्तिगत खेलों में जो खिलाड़ी बिना किसी सरकारी सहायता के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें खेल छात्रावासों में रह रहे खिलाडियों पर होने वाले खर्च के बराबर वजीफा देने का भी प्रावधान रखा जाए। हिमाचल प्रदेश में पिछले कई सालों से पंजाब की तर्ज पर राज्य खेल संस्थान बनाने की बात हो रही है। इस खेल संस्थान का मुख्य उद्देश्य हिमाचल प्रदेश की खेलों को ऊंचाई तक ले जाने के लिए उच्च प्रशिक्षण कार्यक्रम चला कर राज्य की टीमों को राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के लिए प्रशिक्षित करना व हिमाचल प्रदेश के स्कूलों-कालेजों में कार्यरत शारीरिक शिक्षकों को उनके द्वारा खेले व प्रशिक्षित खेल में उच्च दक्षता हासिल करने के लिए सेमिनार आदि लगाना प्रमुख कार्य होंगे। इस तरह के संस्थान के निर्माण के लिए क्या बजट में सरकार उपयुक्त धन राशि रख रही है? जिला व राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के लिए राज्य खेल परिषद अनुदान देती है, मगर राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की भागीदारी के लिए खेल संघों व खिलाडियों को स्वयं खर्च उठाना पड़ता है। क्या सरकार खेल संघों के अनुदान को बढ़ाने का प्रावधान कर रही है? स्कूली खेलों से भविष्य के स्टार खिलाड़ी निकलते हैं। स्कूल ही खिलाडियों की नर्सरी होते हैं। भविष्य के स्टार खिलाड़ी यहीं से निकलते हैं। हिमाचल प्रदेश के उच्च व वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों की खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों से लिए गए खेल शुल्क से आयोजित करवाई जाती हैं। इन खेल प्रतियोगिताओं में धन की किल्लत आम तौर पर देखी जा सकती है। इसलिए खंड स्तर से लेकर राज्य स्तर की स्कूली खेल प्रतियोगिताओं के लिए धन का प्रावधान अनिवार्य रूप से होना चाहिए। हिमाचल प्रदेश में आधे-अधूरे पड़े खेल ढांचे को पूरा करने के लिए बजट में माकूल धन राशि का प्रावधान किया जाए। राज्य का जलवायु खेल प्रशिक्षण के लिए यूरोप व अमेरिका जैसा है। यहां पर एक अच्छा प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया जा सकता है। देश व विदेश के खिलाड़ी यहां आकर गर्मियों में ट्रेनिंग शुल्क देकर कर सकते हैं। इससे खेल पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। बजट में ऐसी नई योजना को भी धन रखा जाए।

कुछ अलग

अरब-इज़राइल संघर्ष

एक अक्टूबर को ईरान की तरफ से इजरायल पर 150 से भी ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलों से हमले किए जाने के बाद से ही यह कयास लगाए जा रहे थे कि इजरायली सेना (आईडीएफ) इसका बदला शीघ्र लेगी? गौरतलब है कि ईरान के मिसाइल हमलों के तुरंत बाद ही आईडीएफ और पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा भी था कि ईरान को सही समय पर सही तरीके से जवाब दिया जाएगा और हाल के दिनों में इजरायल से जुड़ी मीडिया की कुछ खबरों से ये संकेत भी मिलने लगे थे कि इजरायल ने ईरान पर प्रतिशोधात्मक कार्रवाई करने की तैयारी पूरी कर ली है। 14-15 अक्तूबर को इससे संबद्ध आई खबरों के मुताबिक इजरायली सेना ने कथित तौर पर ईरान के उन ठिकानों की सूची भी तैयार कर ली थी, जिन पर वह तेहरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमलों के जवाब में हमले करना चाहता था। फस्र्टपोस्ट की रिपोर्ट में यह दावा 'चैनल 12' न्यूज के हवाले से किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार इजरायली सेना ने ईरान पर हमले की अपनी तैयारियों के बारे में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री योव गैलेंट को लक्ष्यों की एक सूची सौंपी थी। साथ ही उसने यह स्वीकार भी किया था कि आईडीएफ के लक्ष्य बिल्कुल साफ एवं स्पष्ट हैं और अब वह कभी भी जवाबी हमला कर सकता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया था कि इजरायल ने ईरान पर हमले की योजना के बारे में अपने सबसे महत्वपूर्ण सहयोगी अमेरिका को भी बता दिया है, लेकिन अमेरिका को हमले के विशिष्ट लक्ष्यों पर कोई अपडेट नहीं दिया है। रिपोर्ट में इसकी वजह यह बताई गई थी कि यह मुद्दा बेहद संवेदनशील होने के कारण इजरायल अंतिम समय में भी अपना लक्ष्य बदल सकता है। इस मामले में आई ताजा खबरों के अनुसार इजरायल ईरानी परमाणु तथा ऊर्जा स्थलों पर हमले करने से बचेगा। ऐसा माना जाता है कि इजरायल ने अमेरिकी विरोध के बाद अपनी योजना बदल दी, अन्यथा पहले उसकी मंशा तेहरान में परमाणु साइट तथा ऊर्जा स्थलों और बुनियादी ढांचों पर हमला करने की थी। हालांकि इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कार्यालय की ओर से यह कहा गया है कि वे अमेरिका की सलाह तो सुनेंगे, लेकिन अंतिम निर्णय स्वयं करेंगे। इन सारी बातों को लेकर अभी दुनिया भर में ऊहापोह की स्थिति कायम थी। मीडिया कर्मियों, राजनीतिक विश्लेषकों, रक्षा विशेषज्ञों एवं मध्य-पूर्व से जुड़े मुद्दों पर राय रखने वाले तमाम विशेषज्ञों द्वारा तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे थे और तभी अचानक इजरायल की ईरान पर हमले की उस योजना से जुड़ा दस्तावेज लीक हो गया, जिसके बाद दुनिया भर में इजरायल की बड़ी फजीहत हुई। गौरतलब है कि लीक हुए दस्तावेज 15 एवं 16 अक्तूबर की तारीख वाले हैं, जिन पर 'टॉप सीक्रेट' की मुहर लगी हुई है। खबरों के अनुसार 18 अक्तूबर को मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम के 'मिडिल ईस्ट स्पेक्टेटर' नामक अकाउंट पर इन्हें शेयर किया गया था। हालांकि इन दस्तावेजों के लीक होने के बाद शुरुआती दौर में ऐसा लगा था कि यह सारा मामला फर्जी है, परंतु इसी बीच एक अमेरिकी अधिकारी ने एसोसिएटेड प्रेस को दस्तावेजों की प्रामाणिकता की पुष्टि कर दी। बहरहाल, होना यह चाहिए कि अरब-इजरायल संघर्ष का अब तुरंत शांतिपूर्ण समाधान होना चाहिए।

देश दुनिया से

कृषि व किसान को समृद्ध करने का मंत्र

देश में इस समय कुल 8 .55 लाख को-ऑपरेटिव सोसायटीज़ हैं और इनमें 29 करोड़ लोग सीधे तौर से शामिल हैं, जिन्हें इससे रोजगार और वित्तीय सुरक्षा मिलती है। विश्व के सबसे बड़े 300 को-ऑपरेटिव में भारत के इफको, कृभको और अमूल इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। इन्होंने करोड़ों भारतीयों को न केवल रोजगार दिया है बल्कि उन्हें सम्मानजनक जिंदगी भी दी है। भारत का सहकारिता क्षेत्र कृषि ऋण देने में भी ऊंचा स्थान रखता है। भारत के कुल कृषि ऋण का 20 फीसदी इस क्षेत्र के जरिये बंटता है। कृषि उत्पादन में भी इसका बड़ा योगदान है और हमारी कुल कृषि उपज का 21 फीसदी इसी क्षेत्र से आता है। भारत की चीनी मिलों के बारे में तो सभी जानते हैं। को-ऑपरेटिव सेक्टर की चीनी मिलें कुल चीनी का 31 फीसदी उत्पादित करती हैं। गेहूं और चावल की खरीद में भी इस क्षेत्र का बड़ा योगदान है।

भारत को 2028 तक पांच खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का इरादा है, और इसमें जिन तत्वों और सेक्टर के योगदान की जरूरत पड़ेगी, उनमें एक है सहकारिता क्षेत्र। यह भारतीय कृषि की रीढ़ है और इससे ही कृषि और कृषक समृद्ध हो रहे हैं। दुनियाभर में जितने भी सहकारिता संगठन हैं, उनका 27 फीसदी अकेले भारत में है, और उससे देश की कुल जनसंख्या का 20 फीसदी हिस्सा जुड़ा हुआ है। देश में इस समय कुल 8.55 लाख को-ऑपरेटिव सोसायटीज़ हैं और इनमें 29 करोड़ लोग सीधे तौर से शामिल हैं, जिन्हें इससे रोजगार और वित्तीय सुरक्षा मिलती है। विश्व के सबसे बड़े 300 को-ऑपरेटिव में भारत के इफको, कृभको और अमूल इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। इन्होंने करोड़ों भारतीयों को न केवल रोजगार दिया है बल्कि उन्हें सम्मानजनक जिंदगी भी दी है। भारत का सहकारिता क्षेत्र कृषि ऋृण देने में भी ऊंचा स्थान रखता है। भारत के कुल कृषि ऋृण का 20 फीसदी इस क्षेत्र के जरिये बंटता है। कृषि उत्पादन में भी इसका बड़ा योगदान है और हमारी कुल कृषि उपज का 21 फीसदी इसी क्षेत्र से आता है। भारत की चीनी मिलों के बारे में तो सभी जानते हैं। को-ऑपरेटिव सेक्टर की चीनी मिलें कुल चीनी का 31 फीसदी उत्पादित करती हैं। गेहूं और चावल की खरीद में भी इस क्षेत्र का बड़ा योगदान है। निःसंदेह, इस क्षेत्र में वह क्षमता है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को पांच खरब डॉलर के लैंडमार्क तक ले जा सकता है। इसे ही ध्यान में रखकर वर्ष 2021 में एक नया स्वतंत्र मंत्रालय बनाया गया, जिसे सहकारिता मंत्रालय का नाम दिया गया। इसकी कमान गृह मंत्री के हाथों में सौंपी गई। मंत्रालय का जोर कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण के अलावा उसे सशक्त बनाने पर है और उसमें उसे सफलता मिल रही है। इस मंत्रालय ने एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य सामने रखा है और वह देश की दो लाख पंचायतों में अगले पांच वर्षों में बहूद्देशीय प्राथमिक क्रेडिट सोसायटियों यानी पैक्स का गठन करने के महत्वपूर्ण कार्य में जुटा हुआ है। इनमें से अब तक 12,000 से भी ज्यादा का पंजीकरण हो चुका है और शेष इसी रास्ते पर हैं। दरअसल, सहकार से समृद्धि का जो विजन रखा गया है उसके लिए देश में सहकारिता आंदोलन को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि देश में यह स्थायित्व को बढ़ावा दे, जो आगे चलकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। इन नये पैक्स, डेयरी तथा मत्स्य पालन सहकारिता सोसायटीज को हर पंचायत में गठित किया जा रहा है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। सहकारिता मंत्रालय ने नाबार्ड, एनडीडीबी और एनएफडीबी के साथ मिलकर उन पंचायतों में, जो अभी इसके अंतर्गत नहीं आई हैं, बड़ी संख्या में छोटे तथा सीमांत किसानों को जोड़ना शुरू कर दिया है। इसका ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर जबर्दस्त असर पड़ेगा। प्राथमिक कृषि क्रेडिट सोसायटीज को 300 तरह की ई-सेवाएं देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है जिनमें बैंकिंग, बीमा, आधार पंजीकरण और उनके अद्यतन की व्यवस्था है। अगले पांच वर्षों में मंत्रालय 70,000 नये बहूद्देशीय पैक्स गठित करने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। इसके अलावा, वह बड़े पैमाने पर नये बहूद्देशीय डेयरी को-ऑपरेटिव सोसायटीज और 6,000 नये मत्स्य पालन को-ऑपरेटिव भी स्थापित करना चाहता है। वर्तमान के 46,500 डेयरी को-ऑपरेटिव और लगभग 5,500 मत्स्य पालन को-ऑपरेटिव भी मजबूत किये जायेंगे। इसके लिए प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना सहित कई स्कीमों की मदद ली जायेगी। इसके साथ ही 25,000 नये पैक्स, डेयरी और मत्स्य को-ऑपरेटिव गठित करके राज्य सरकारें भी इस दिशा में योगदान करेंगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 को संयुक्त राष्ट्र ने सहकारिता का वर्ष घोषित किया है। उस साल का थीम होगा—को-ऑपरेटिव बनाते हैं एक बेहतर दुनिया। इसके लिए राजधानी दिल्ली में नवंबर महीने में इसका बाकायदा उद्घाटन होगा। भारत को-ऑपरेटिव सेक्टर में सबसे बड़ी विकेन्द्रित अनाज भंडारण योजना पर काम कर रहा है। इसमें 27 राज्य और केन्द्रशासित राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर के सभी बड़े को-ऑपरेटिव फेडरेशन आयेंगे। इसने व्हाइट रिवोल्यूशन 2.0 को भी सभी के सामने रखा है। यह नई श्वेत क्रांति महिलाओं का सशक्तीकरण करेगी, रोजगार बढ़ायेगी और सहकारिता का दायरा फैलायेगी। ऐसी योजना है कि पांचवें वर्ष तक डेयरी को-ऑपरेटिव ही अकेले 1,000 लाख किलोग्राम दूध हर दिन इकट्ठा करें। इससे गोपालकों की आय बढ़ेगी और रोजगार भी बढ़ेगा। सहकारिता मंत्रालय की कोशिश है कि भारत दुग्ध प्रसंस्करण उपकरणों का सबसे बड़ा निर्माता भी बने। सहकारिता मंत्रालय अन्नदाताओं को ऊर्जादाता बनने के लिए प्रेरित कर रहा है। अगर किसानों को इस दिशा में प्रेरित किया जा सकेगा तो वे 10 लाख करोड़ रुपये तक के इम्पोर्ट बिल को कम कर सकते हैं। इसके लिए किसान कृषि अवशेषों से ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत तैयार करें।

आप का नजरिया

समरसता की सोच

देश की सर्वोच्च अदालत ने अपने दो अहम फैसलों में स्पष्ट संकेत दिया है कि धर्मनिरपेक्षता को पश्चिमी देशों से आयातित शब्द के नजरिये से देखने के बजाय भारतीय संविधान की आत्मा के रूप में देखना चाहिए। साथ ही यह भी कि भारतीय संदर्भ में यह सोच सदा से रची-बसी रही है। धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की मूल विशेषता बताते हुए कोर्ट ने कहा कि संविधान में वर्णित समानता व बंधुत्व शब्द इसी भावना के आलोक में वर्णित हैं। साथ ही धर्मनिरपेक्षता को भारतीय लोकतंत्र की अपरिहार्य विशेषता बताते हुए कहा कि यह समाज में व्यापक दृष्टि वाली उदार सोच को विकसित करने में सहायक है। जिसके बिना स्वस्थ लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती है। जो राष्ट्रीय एकता का भी आवश्यक अंग है। दरअसल, शीर्ष अदालत ने अपने दो हालिया फैसलों के संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता की विस्तृत व्याख्या की है। पहले बीते सोमवार को संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं के बाबत कोर्ट ने धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की आधारभूत संरचना का हिस्सा बताया। वहीं अदालत ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता को लेकर अपनी सुविधा अनुसार व्याख्या नहीं की जा सकती। कोर्ट का निष्कर्ष यह भी था कि संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्षता शब्द जोड़े जाने से पहले भी यह भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण सोच रही है। अदालत का कहना था कि समानता व बंधुत्व शब्द इसकी मूल भावना को ही अभिव्यक्त करते हैं। वैसे भारतीय समाज ने इस शब्द के मूल भाव का सहजता से अंगीकार किया भी है। यही वजह है कि कोर्ट ने धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान का मूल स्वर बताते हुए इसकी संकुचित व्याख्या करने से बचने के लिये कहा। भारतीय समाज का बहुधर्मी व विभिन्न संस्कृतियों का गुलदस्ता होना भी इसकी अपरिहार्यता को दर्शाता है। निश्चित रूप से अदालत ने इस मुद्दे पर अपनी राजनीतिक सुविधा के लिये तल्खी दिखाने वाले नेताओं को भी आईना दिखाया है। निस्संदेह, यह वक्त की जरूरत भी है। वहीं दूसरी ओर बीते मंगलवार को शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा उत्तर प्रदेश बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को रद्द करने के फैसले को भी अनुचित ठहराया। इसके बजाय कोर्ट ने ऐसे कदम उठाने की जरूरत बतायी जो मदरसों को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ सकें। कोर्ट को मानना था कि ऐसे मामलों की की गई संकुचित व्याख्या से उत्पन्न होने वाली विसंगतियों को दूर किया जाना चाहिए। कोर्ट ने इससे पहले संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं से तल्ख सवाल भी किए थे। कोर्ट न जानना चाहा कि क्यों उन्हें देश के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप से परहेज है। इस बाबत याचिकाकर्ताओं की दलील थी कि उन्हें देश के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप से परेशानी नहीं है। उन्हें राजनीतिक दलों द्वारा राजनीतिक लक्ष्यों के लिये कालांतर संविधान संशोधन के जरिये इस शब्द को शामिल करने पर आपत्ति है। दरअसल, अदालत का कहना था कि भारतीय जीवन दर्शन में इस सोच का गहरे तक अंगीकार किया गया है।

रूस जंग में उतारेगा नॉर्थ कोरियाई सैनिक, इसी हफ्ते होगी तैनाती : जेलेंस्की

पश्चिमी देश बोले- इससे जंग भड़केगी

कीव, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को दावा किया कि रूस अब जंग में नॉर्थ कोरिया के सैनिकों को उतारने की तैयारी में हैं। इन सैनिकों को इसी हफ्ते तैनात किया जाएगा।

दूसरी तरफ पश्चिमी देशों ने इस कदम से जंग के भड़कने और इसका असर दूसरे क्षेत्रों खासतौर पर इंडो-पैसिफिक में होने की बात कही है। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन की खुफिया एजेंसियों ने जो जानकारी जुटाई है उसके मुताबिक नॉर्थ कोरियाई सैनिकों को रविवार से सोमवार के बीच जंग में भेजा जाएगा। यूक्रेन की खुफिया एजेंसी ने दावा किया कि नॉर्थ कोरिया ने रूस को 12 हजार सैनिक भेजे हैं। इनमें 500 अधिकारी और 3 जनरल शामिल हैं। इससे पहले बुधवार को अमेरिका ने दावा किया था कि रूस में पहले से ही 3 हजार नॉर्थ कोरियाई सैनिक तैनात हैं। दावे के मुताबिक इन सैनिकों ने रूस के पूर्वी हिस्से में मौजूद सैन्य ठिकानों पर ट्रेनिंग दी गई है।

पिछले हफ्ते 18 अक्टूबर को साउथ कोरिया ने भी दावा किया था कि नॉर्थ कोरिया ने यूक्रेन जंग में रूस की मदद के लिए सैनिक भेजे हैं। साउथ कोरिया की खुफिया एजेंसी नेशनल इंटेलिजेंस सर्विसर (एनआईएस) ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। एजेंसी ने अपने बयान में कहा कि 8 से 13 अक्टूबर के बीच नॉर्थ कोरिया के 1500 सैनिक, रूसी नौसेना के जहाजों से रूस के व्लादिवोस्तोक बंदरगाह पर पहुंचे है।

ये सभी सैनिक नॉर्थ कोरिया की स्पेशल मिशन फोर्सेस का हिस्सा हैं। एजेंसी ने दावा किया कि नॉर्थ कोरिया जल्द ही कुछ और सैनिकों को रूस भेजेगा। एनआईएस ने कहा कि इन नॉर्थ कोरियाई सैनिकों को रूसी सेना की वर्दी, हथियार और नकली पहचान पत्र दिए गए हैं। इन्हें तैनात करने से पहले रूसी माहौल में ढलने की ट्रेनिंग दी जा रही है। ये सभी सैनिक रूस के व्लादिवोस्तोक उस्सुरिस्क, खाबरोवस्क और ब्लागोवेशचेंस्क मिलिट्री बेस पर रह रहे हैं।

यूक्रेन ने 6 अगस्त को रूस के कुर्स्क इलाके पर हमला शुरू किया था। उसने 13 अगस्त तक 1000 वर्ग किमी इलाके पर कब्जा कर लिया था। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक सेकेंड वर्ल्ड वार के बार पहली बार है किसी देश ने रूस की सीमा में घुसपैठ की। हालांकि, रूस को अभी इस इलाके से यूक्रेनी सेना को हटाने में कठिनाई हो रही है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति से की दल विभाजन अध्यादेश रोकने की मांग

काठमांडू। नेपाल के विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल से मुलाकात कर सरकार द्वारा लाए जा रहे दल विभाजन अध्यादेश को स्वीकृत नहीं करने की मांग की। विपक्षी दलों का आरोप है कि उनकीनपटी के विभाजन लाने के उद्देश्य से सत्ता पक्ष द्वारा दल विभाजन संबंधी अध्यादेश लाया जा रहा है। मुख्य विपक्षी दल सीपीएन (एमसी) के नेता पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' के नेतृत्व में विपक्षी नेताओं ने शुक्रवार को राष्ट्रपति से मुलाकात की। सीपीएन (एमसी) के नेता शक्ति बस्नेत ने बताया कि राष्ट्रपति से इस सरकार के द्वारा उठाए जाने वाले असंवैधानिक कदम में साथ नहीं देने की अपील की गयी है। प्रचंड ने राष्ट्रपति को स्मरण दिलाया कि वो देश के संविधान के संरक्षक की भूमिका में हैं इसलिए संविधान की रक्षा करना उनका पहला दायित्व बनता है। राष्ट्रपति से मुलाकात करने गए एकीकृत समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष माधव कुमार नेपाल ने सरकार पर देश में दो दलीय शासन व्यवस्था लाने का षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया। उन्होंने राष्ट्रपति से कहा कि सभी दलों में विभाजन लाकर प्रधानमंत्री सभी दलों से सांसद को अपनी पार्टी में विलय कराना चाह रहे हैं। इसलिए राष्ट्रपति को ऐसे असंवैधानिक अध्यादेश को स्वीकृत नहीं करना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल में शामिल राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सांसद शिशिर खनाल ने कहा कि सरकार जान बूझकर विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही है और उन्हें विभिन्न झूठे केसों में फंसा कर जेल में डालने की योजना बना रही है। अपनी पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने की गिरफ्तारी को राजनीतिक प्रतिशोध बताते हुए खनाल ने कहा कि उनको इस मामले में भी हस्तक्षेप करना चाहिए।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ लंदन रवाना, वहां से अमेरिका के लिए भरेंगे उड़ान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष नवाज शरीफ शुक्रवार सुबह नौ बजे लाहौर हवाई अड्डे से लंदन के लिए रवाना हुए। वह कड़ी सुरक्षा के बीच अपने आवास जाति उमरा से हवाई अड्डे पहुंचे। एआरवाई न्यूज चैनल की पार्टी सूत्रों के हवाले से प्रस्तावित खबर में कहा गया कि नवाज शरीफ दुबई में एक दिन रुकेंगे। अगले दिन लंदन पहुंचेंगे। 29 अक्टूबर को नवाज शरीफ के लंदन से संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए प्रस्थान करने की उम्मीद है। वह वहां चार दिन रुकेंगे। पार्टी सूत्रों ने संकेत दिया है कि पूर्व प्रधानमंत्री लंदन में कुछ महत्वपूर्ण बैठकें करेंगे। साथ ही वहां उनका मेडिकल चेकअप भी कराए जाने की उम्मीद है। इस बीच पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज नवंबर के पहले सप्ताह लंदन की यात्रा कर सकती हैं।

एटीसी से इमरान खान की दोनों बहनों को मिली जमानत

इस्लामाबाद। आतंकवाद विरोधी अदालत (एटीसी) इस्लामाबाद ने आज पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान की दोनों बहनों अलीमा खान और उज्मा खान को जमानत प्रदान कर दी। दोनों को इस माह की शुरुआत में राजधानी इस्लामाबाद की डी चौक में धारा 144 के उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। डॉन अखबार की खबर के अनुसार, डी चौक में पीटीआई के प्रदर्शन के मद्देनजर धारा 144 लगाई गई थी। पीटीआई के डी चौक पर प्रदर्शन करने के फैसले पर अडिग रहने के मद्देनजर राजधानी में कई सड़कों को बंद कर दिया गया था। पुलिस की कड़ी नाकाबंदी के बावजूद दोनों बहनें डी चौक पर पहुंच गई थीं। इस्लामाबाद-पेशावर के एक हिस्से पर खाई खोदी गई थीं।पुलिस ने कथित तौर पर अशांति फैलाने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में इमरान की दो बहनों सहित 100 से अधिक पीटीआई सदस्यों को हिरासत में लिया था। उज्मा और अलीमा की ओर से नियाजुल्लाह नियाजी, अंसार महमूद कियानी और अन्य वकील अदालत में पेश हुए। अभियोजक राजा नवीद ने जमानत याचिका का विरोध किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने दोनों बहनों को 20-20 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दे दी।

उलू-जुलूल बोलकर भी ट्रंप ने पलट दी बाजी, कमला हैरिस को पीछे छोड़ा

वाशिंगटन, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में 5 नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव होने जा रहे हैं, जिसमें डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। हालिया सर्वेक्षणों के अनुसार, ट्रंप वर्तमान में हैरिस से मामूली बढ़त बनाए हुए हैं। नेशनल सर्वे में ट्रंप को 47 प्रतिशत और हैरिस को 45 प्रतिशत वोट मिलने की संभावना जताई गई है। वहीं, सीएनबीसी ऑल-अमेरिका इकोनॉमिक सर्वे में ट्रंप को 48 प्रतिशत और हैरिस को 46 प्रतिशत के साथ ट्रंप के पक्ष में 3.1 प्रतिशत का मार्जिन ऑफ एरर दर्ज किया गया है।

इसके अलावा, ट्रंप ने जब कश्मीर मुद्दे पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र किया था, तब भारत ने तुरंत इसका खंडन किया था, यह स्पष्ट करते हुए कि यह एक द्विपक्षीय मुद्दा है और किसी तीसरे पक्ष के लिए इसमें कोई जगह नहीं है। अमेरिकी चुनाव में ट्रंप और हैरिस के बीच प्रतिस्पर्धा न केवल नीतियों पर आधारित है, बल्कि दोनों के व्यक्तिगत बयानों और छवि पर भी निर्भर करेगी। चुनाव के नतीजे को प्रभावित करने वाले कई कारक होंगे, और समय ही बताएगा कि कौन अगले चार वर्षों के लिए देश का नेतृत्व करेगा। इस चुनाव में ट्रंप की शैली और उनके बयानों पर भी ध्यान दिया जा रहा है। वह अक्सर विवादास्पद टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं, जिनमें से कई बार उन्हें सार्वजनिक आलोचना का सामना करना पड़ा है। उदाहरण के लिए, ट्रंप ने एक बार कहा था कि अमेरिका में विदेशी लोगों पर कुत्तों को मारकर खाने का आरोप लगाया, जिससे उन्हें काफी किरकिरी का सामना करना पड़ा था।हालांकि, यह भी सच है कि उनके ऐसे बयानों ने वाइट पॉपुलेशन के बीच उन्हें समर्थन भी दिलाया है। दूसरी ओर, कमला हैरिस ने इस मुद्दे का उपयोग कर प्रवासियों के प्रति सहानुभूति दिखाने का प्रयास किया है, जिससे वह इस समूह को अपने पक्ष में लाने में सफल रही हैं।

विरोध बढ़ा तो भावुक हो गए ट्रूडो, देने लगे बच्चों की दुहाई

टोरंटो। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो का भारी विरोध हो रहा है। कई सांसद उनके खिलाफ है और चुनाव में नहीं उतरने की उन्हे सलाह दे रहे हैं। दरअसल, लिबरल पार्टी के सांसदों के साथ तीन घंटे लंबी बैठक के दौरान ट्रूडो को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। पार्टी के कई सांसदों ने उन्हें इस्तीफा देने का अल्टीमेटम दिया, जिससे ट्रूडो भावुक हो गए और अपने बच्चों की दुहाई देने लगे। इस दौरान लिबरल सांसदों ने उन्हें 28 अक्टूबर तक का समय दिया कि वे अपने फैसले पर पुनर्विचार करें। बैठक खत्म होते ही ट्रूडो ने स्पष्ट किया कि वे न इस्तीफा देंगे और न ही चुनाव से पीछे हटेंगे। ट्रूडो ने कहा कि उनकी पार्टी में आने वाले चुनावों के बारे में विचार-विमर्श जारी है, लेकिन यह सब उनके नेतृत्व में ही होगा। देश में घटती लोकप्रियता और पार्टी के भीतर बढ़ते असंतोष के बावजूद ट्रूडो ने साफ कर दिया है कि वे लिबरल पार्टी का नेतृत्व करना जारी रखेंगे। गुरुवार को ट्रूडो ने अपनी पार्टी के कुछ सदस्यों की उन मांगों को खारिज कर दिया, जिसमें उनसे अगले चुनाव में न उतरने की अपील की गई थी। ट्रूडो का यह निर्णय ऐसे समय में आया है, जब उनकी लोकप्रियता में लगातार गिरावट देखी जा रही है। भारत के साथ विवादित संबंधों के कारण भी उन पर कड़ी आलोचना हो रही है। उनकी पार्टी के ही 20 से अधिक सांसदों ने उन्हें पद छोड़ने के लिए पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इन सांसदों में से एक, सीन केसी ने कहा कि वह निराश हैं कि ट्रूडो ने इस पर विचार करने के लिए समय नहीं निकाला। वर्तमान में लिबरल पार्टी अल्पमत सरकार के रूप में है और उसे समर्थन के लिए एक अन्य बड़े दल पर निर्भर रहना होगा। कनाडा का संघीय चुनाव इस साल के अंत या अगले साल अक्टूबर में हो सकता है, और ट्रूडो के सामने गंभीर चुनौतियां हैं।

ब्लिंकन दोहा में मिले कतर के प्रधानमंत्री से, गाजा और लेबनान के हालात पर चर्चा

दोहा (कतर), 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के विदेशमंत्री एंटनी जे. ब्लिंकन ने यहां कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल-थानी से मुलाकात की। दोनों के बीच गाजा और लेबनान के हालत पर चर्चा हुई। खबर के अनुसार, बातचीत में हमास को युद्धविराम की मेज पर लाने के उपायों पर चर्चा हुई। ब्लिंकन इजराइल से यहां पहुंचे।

इस बीच इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि इजराइल और हमास के बीच संघर्ष विराम वार्ता को पुनर्जीवित करने के प्रयास चल रहे हैं। इजराइल और अमेरिकी वार्ताकार सप्ताहांत में कतर लौटने वाले हैं। इजराइल की यह घोषणा गुरुवार को गाजा पट्टी और लेबनान दोनों में आईडीएफ की बमबारी के बीच आई। इससे वार्ताकार कुछ मायूस हुए।

अमेरिकी विदेशमंत्री एंटनी जे. ब्लिंकन ने दोहा में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अभी तक वास्तव में यह साफ नहीं है कि हमास वार्ता में शामिल होने के लिए तैयार है या नहीं। यह भी साफ नहीं है कि वह इसके लिए कितना गंभीर है।

ब्लिंकन ने मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी के साथ एक घंटे तक चर्चा की। इसके बाद दोनों ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। दोनों ने माना कि उनके पास इस बात के कोई संकेत नहीं है कि हमास बातचीत के लिए अधिक इच्छुक है। हां, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने जरूर कहा कि मोसाद विदेशी खुफिया सेवा के प्रमुख डेविड बार्निया रविवार को अल थानी और सीआईए के निदेशक विलियम जे. बर्न्स के साथ दोहा में एक बैठक के लिए प्रस्थान करेंगे।

कतर से लंदन रवाना होने से पहले ब्लिंकन ने दोहा में घोषणा की कि संयुक्त राज्य अमेरिका गाजा में वेस्ट बैंक के साथ-साथ फिलिस्तीनियों के लिए अतिरिक्त 135 मिलियन डॉलर की मानवीय सहायता प्रदान करेगा।

तुर्की में आतंकी हमले ने एर्दोगन को जगाया पाकिस्तान की मित्रता पर उठा दिए सवाल

अंकारा, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

तुर्की, जो हमेशा पाकिस्तान के प्रति अपनी निष्ठा का प्रदर्शन करता आया है, अब खुद आतंकवाद के दर्द का अनुभव कर रहा है। कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान के साथ खड़े रहने वाले तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगन को बुधवार को तुर्की की राजधानी अंकारा में हुए घातक आतंकी हमले ने झकझोर दिया। इस हमले में पांच लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं। आतंकवादियों ने सरकारी एयरोस्पेस और रक्षा कंपनी पर सरेआम गोलीबारी की, जिससे पूरे अंकारा में हड़कंप मच गया। तुर्की सरकार ने इस हमले के लिए कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) को जिम्मेदार ठहराया और तुरंत सीरिया और इराक में स्थित कुर्दिश आतंकियों के ठिकानों पर बमबारी की।

अब जब तुर्की खुद आतंकवाद का सामना कर रहा है, तो एर्दोगन को यह समझ में आ गया होगा कि आतंकवाद की कोई सीमा नहीं होती। इससे पहले, तुर्की अक्सर आतंकवादियों और उनके आकाओं को बचाने की कोशिश करता रहा है, लेकिन अब उन्हें यह एहसास हुआ है कि आतंकवाद का जख्म सभी को प्रभावित करता है। इस घटना ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर तुर्की की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। जैसे-जैसे तुर्की ब्रिक्स में शामिल होने की कोशिश कर रहा है, उम्मीद की जा सकती है कि एर्दोगन आतंकवाद के खिलाफ एक सच्चे सहयोगी के रूप में उभरें।यह हमला तुर्की के लिए एक संकेत है कि उन्हें आतंकवाद के खिलाफ ठोस कदम उठाने की जरूरत है, न कि सिर्फ पाकिस्तान का समर्थन करने की। यदि तुर्की वास्तव में आतंकवाद का विरोध करता है, तो उसे अपने पुराने मित्र पाकिस्तान के साथ अपने रिश्तों पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता हो सकती है।

यह हमला एर्दोगन के लिए एक करारा झटका था, क्योंकि वह ब्रिक्स समिट के लिए रूस के कजान में मौजूद थे। उन्हें इस आतंकी घटना की खबर मिलते ही तुरंत तुर्की वापस लौटना पड़ा। अंकारा में हुआ यह हमला न केवल एर्दोगन, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक चेतावनी है। इससे साफ है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में किसी का भी अपना और पराया नहीं होता। तुर्की का यह परिवर्तन तब सामने आया है जब वह हमेशा पाकिस्तान का समर्थन करता रहा है। भारत जब भी आतंकवाद के खिलाफ बात करता, तुर्की त्वरित रूप से पाकिस्तान का साथ देने में आगे रहता। एर्दोगन ने कई बार कश्मीर मुद्दे पर भारत के खिलाफ अपनी स्थिति व्यक्त की है। लेकिन अब जब तुर्की खुद आतंकवाद का सामना कर रहा है, तो एर्दोगन को यह समझ में आ गया होगा कि आतंकवाद की कोई सीमा नहीं होती।

मालदीव के आर्थिक हालात खराब, राष्ट्रपति मुइज्जू को मिलेगी आधी सैलरी

सरकारी कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पैसे नहीं

मोहम्मद मुइज्जू की सैलरी में 50 प्रतिशत की कटौती, मालदीव की आर्थिक स्थिति गंभीर

माले, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत के साथ तनाव के चलते मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। उनके शासन में देश की वित्तीय स्थिति इतनी खराब है कि उन्हें अपनी सैलरी में 50फीसदी की कटौती करनी पड़ी है।

मुइज्जू के पास सरकारी कर्मचारियों को सैलरी देने के लिए पैसे नहीं हैं। मुइज्जू ने चीन के साथ संबंधों को प्राथमिकता दी है और भारत से दूरी बनाई है, तब से मालदीव की आर्थिक स्थिति डांवाडोल हो गई है। टूरिज्म जो कि मालदीव के लिए मुख्य आय का साधन है लेकिन भारत के साथ विवाद का नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। मालदीव सरकार ने हाल ही में आर्थिक संकट को दूर करने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसमें सरकारी नौकरियों में सैलरी में कटौती शामिल है।

राष्ट्रपति मुइज्जू के कार्यालय ने घोषणा की है कि उनकी सालाना सैलरी 1.2 मिलियन रुफिया करीब 65.68 लाख रुपए से घटाकर 600,000 रुफिया करीब 32.86 लाख रुपए कर दी जाएगी। यह राशि अब भी मालदीव की औसत घरेलू आय 316,740 रुफिया करीब 17.33 लाख रुपए से दोगुनी है। रिपोर्टों के मुताबिक मुइज्जू के ऑफिस ने जजों और सांसदों को सैलरी में कटौती से छूट देने का निर्णय लिया है, लेकिन राष्ट्रपति उम्मीद कर रहे हैं कि वे स्वेच्छा से 10फीसदी की कटौती के लिए राजी होंगे। मुइज्जू ने इस आर्थिक संकट के बीच अपने मंत्रियों समेत 225 से ज्यादा राजनीतिक नियुक्तियों को रद्द करने का भी फैसला लिया है। इसमें सात राज्य मंत्री, 43 उप मंत्री और 178 राजनीतिक निदेशक शामिल हैं।

राष्ट्रपति मुइज्जू के मुताबिक इस कदम से देश को हर महीने करीब 370,000 डॉलर की बचत होने की संभावना है। हालांकि, मुइज्जू की सरकार ने सितंबर में कहा था कि उनकी वित्तीय समस्याएं अस्थायी हैं और वे अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से मदद नहीं लेना चाहते। ऐसे में मुइज्जू सरकार के लिए आने वाले समय में आर्थिक स्थिति को सुधारना एक बड़ी चुनौती माना जा रहा है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के विधि सलाहकार नजरूल ने कहा-

भारत शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए बाध्य

ढाका, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के कानूनी सलाहकार प्रोफेसर आफिस नजरूल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का प्रत्यर्पण करना भारत के लिए बाध्यकारी है। अगर भारत ने इनकार किया तो ढाका विरोध दर्ज कराएगा। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली 2013 में हस्ताक्षरित आपराधिक प्रत्यर्पण संधि के तहत ऐसा करने के लिए बाध्य है। बांग्लादेश में अशांति के महीनों बाद शेख हसीना को कार्यालय छोड़ने और भारत भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने शेख हसीना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। अभियोजकों का दावा है कि 77 वर्षीय हसीना इस गर्मी में सैकड़ों छात्रों और प्रदर्शनकारियों की मौत के लिए जिम्मेदार हैं। उन्हें 18 नवंबर को अदालत में पेश होने का आदेश दिया गया है।

मानवता के खिलाफ कथित अपराधों का हवाला देते हुए न्यायाधिकरण ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को इस तारीख से पहले हसीना और उनके साथ आरोपित 45 अन्य लोगों को पेश करने का निर्देश दिया। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, हसीना और उनकी अवामी लीग पार्टी के अन्य नेताओं के खिलाफ कथित तौर पर गायब होने, हत्या और सामूहिक हत्याओं के लिए 60 से अधिक शिकायतें दर्ज की गई हैं। बढ़ती हिंसा के बीच पांच अगस्त को हसीना एक सैन्य हेलीकॉप्टर से भारत भाग गईं। इस हिंसा में 1,000 से अधिक लोग मारे गए। इसके बाद उनका राजनयिक पासपोर्ट रद्द कर दिया गया। बावजूद इसके भारतीय अधिकारियों ने हसीना को नई दिल्ली के बाहरी इलाके में एक सुरक्षित घर में कड़ी सुरक्षा के बीच आश्रय दिया है। बांग्लादेश के इस अखबार की खबर के अनुसार, यहां तक कि उनकी बेटी साइमा वाजेद भी उन्हें नहीं देख पाई हैं। भारत ने हसीना को पूर्व में अपने पड़ोसी देश को प्रत्यर्पित करने में कोई रुचि नहीं दिखाई है। साइमा दिल्ली में विश्व स्वास्थ्य संगठन के दक्षिण पूर्व एशिया के क्षेत्रीय निदेशक के रूप में काम करती हैं। अंतरिम सरकार के कानून सलाहकार प्रोफेसर डॉ. आसिफ नजरूल ने पिछले सप्ताह भी मीडिया से कहा था, अगर भारत ईमानदारी से इसकी व्याख्या करता है तो वह निश्चित रूप से हसीना को वापस करने के लिए बाध्य है।

त्राहिमाम बोल रहा हमास- अब इजराइल से समझौते की लगा रहा गुहार

गाजा। गाजा पट्टी में पिछले एक साल से चल रहे इजरायल के ऑपरेशन के बाद हमास की कमर टूट चुकी है। हमास के प्रमुख नेता याह्वा सिनवार इजरायली हमले में मारे गए हैं, और संगठन के अन्य बड़े नेता भी इसी तरह से समाप्त हो चुके हैं। इस स्थिति में, हमास के लड़ाके अब इजरायल के साथ समझौता करने की इच्छा व्यक्त कर रहे हैं। हाल ही में, हमास ने इजरायल के सामने एक प्रस्ताव रखा है, जिसमें संगठन के कब्जे में मौजूद सभी इजरायली नागरिकों को मुक्त करने का आश्वासन दिया गया है। बदले में, हमास युद्धविराम की मांग कर रहा है और चाहता है कि इजरायल के कब्जे में मौजूद उनके सदस्यों को भी रिहा किया जाए। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि काहिरा में हुई बैठकों के बाद, प्रधानमंत्री ने मोसाद के निदेशक को दोहा जाने का निर्देश दिया है, ताकि गाजा बंधक रिहाई समझौते की दिशा में बातचीत को आगे बढ़ाया जा सके। यह बातचीत गाजा में बढ़ती मानवीय संकट और संघर्ष को समाप्त करने के प्रयासों का हिस्सा है, और अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इस स्थिति पर ध्यान देना शुरू कर दिया है।एक वरिष्ठ हमास अधिकारी ने बताया कि उन्होंने मिस्र के अधिकारियों से कहा है कि यदि इजरायल युद्धविराम के लिए राजी होता है, तो हमास गाजा में लड़ाई रोकने के लिए तैयार है। बताया गया है कि हमास के प्रतिनिधिमंडल ने काहिरा में मिस्र के अधिकारियों के साथ युद्धविराम के मसौदे पर चर्चा की।

इंडियन सुपर लीग 2024–25 : सदर्न डर्बी में भिड़ेंगे केरला ब्लास्टर्स और बेंगलुरु एफसी

कोच्चि, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दक्षिण भारत के दो चिर-प्रतिद्वंद्वी बेंगलुरू एफसी और केरला ब्लास्टर्स एफसी शुक्रवार रात जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024–25 सीजन की सदर्न डर्बी में भिड़ेंगे। बेंगलुरू एफसी इस समय तालिका के शीर्ष स्थान पर है जबकि केरला ब्लास्टर्स एफसी ब्लूज को इस सीजन की पहली हार देने के लिए बेकरार होंगे।

ब्लास्टर्स शुरुआती मैच पंजाब एफसी से 1–2 से हारे थे, उसके बाद उन्होंने अभी तक हार का मुंह नहीं देखा है। पिछले चार मुकाबलों में उन्होंने दो जीते हैं और दो ड्रा खेले हैं।

सीजन 2019–20 की शुरुआत से लेकर अब तक, बबल सीजनों को छोड़कर, खेले मैचों में घरेलू टीम हर बार जीती है। बेंगलुरू एफसी एकमात्र ऐसी टीम है जिसने इस सत्र में अभी तक कोई गोल नहीं खाया है। उन्होंने अपने पिछले पांच मैचों में क्लीन–शीट रखी है।

बेंगलुरू एफसी ने मौजूदा सीजन में प्रति मैच सबसे कम (11) प्रयास किए हैं। लेकिन, मैचवीक 5 के आंकड़ों के अनुसार, उनका शॉट कन्वर्जन रेट सबसे अच्छा (14.6 प्रतिशत) रहा।

स्वीडिश हेड कोच मिकेल स्टाहरे के ब्लास्टर्स तय–शुदा रूटीन का पालन कर रहे हैं जिसे वे प्रत्येक मैच में दोहराना चाहते हैं। लेकिन साथ ही, वे विपक्ष की ताकत के हिसाब से अपनी योजनाओं में बदलाव करते हैं।

उन्होंने कहा, हम अधिक आत्मविश्वास के साथ तेज गति खेलना चाहते हैं। हम बहुत प्रतिस्पर्धी होना चाहते हैं। हर मैच के लिए हमारे पास अलग योजना होती हैं। हमारी रणनीति का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा वो फिलोस्फी है जिसका हम पालन करते हैं और 20 प्रतिशत बदलाव हालात के मुताबिक हम हर मैच में करते हैं।

बेंगलुरू एफसी के स्पेनिश हेड कोच जेरार्ड जारागोजा ने 25 वर्षीय नौरेम रोशन सिंह पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने चार इंटरसेप्शन और नौ टैकल के अलावा एक गोल किया है, जो उनकी रक्षात्मक और आक्रामक उपयोगिता को दर्शाता है।

कोच ने कहा, रोशन रक्षात्मक रूप से सुधर रहे हैं और उन पर हमला करना बहुत मुश्किल है। हम उनके साथ ज्यादा आगे खेलने को लेकर काम कर रहे हैं क्योंकि वह विंगर के तौर पर हमारी मदद कर रहा है।

बता दें कि आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 15 मैच खेले गए हैं। केरला ब्लास्टर्स एफसी ने चार मैच जीते हैं, जबकि बेंगलुरू एफसी नौ बार पर विजयी रही है। दो मैच ड्रा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

कैलेंडर वर्ष में 1000 टेस्ट रन तक पहुंचने वाले सबसे युवा भारतीय बने जायसवाल

पुणे। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल शुक्रवार को महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन एक कैलेंडर वर्ष में 1000 टेस्ट रन बनाने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बन गए। 22 वर्षीय बल्लेबाज ने दिलीप वेंगसरकर के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 1979 में 23 साल की उम्र में 1000 रन का आंकड़ा छुआ था। वर्तमान में, जायसवाल 2024 में सबसे अधिक टेस्ट रन बनाने वालों की सूची में इंग्लैंड के जो रूट के बाद दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 14 मैचों में 1305 रन बनाए हैं। इस साल जायसवाल ने सिर्फ 10 मैचों में 59.23 की औसत से 1007 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और छह अर्धशतक शामिल हैं। 2024 में तीन और टेस्ट मैच बचे हैं, ऐसे में उनके पास भारतीय दिग्गजों द्वारा बनाए गए कुछ सबसे बड़े रिकॉर्ड को तोड़ने का मौका है। सबसे खास बात यह है कि सचिन तेंदुलकर के नाम एक कैलेंडर वर्ष में किसी भारतीय द्वारा सबसे ज़्यादा टेस्ट रन बनाने का रिकॉर्ड है, जिन्होंने 2010 में 14 मैचों में 1562 रन बनाए थे। वीरेंद्र सहवाग के 2008 में बनाए गए 1462 रन एक साल में किसी भारतीय ओपनर द्वारा बनाए गए सबसे ज़्यादा रन हैं।

पुणे टेस्ट : भारत की पहली पारी 156 रन पर सिमटी, न्यूजीलैंड को 103 रनों की मिली बढ़त

पुणे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जा रहा है। मैच के दूसरे दिन भारतीय टीम की पहली पारी 45.3 ओवर में 156 रनों पर सिमट गई है। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 259 रन बनाए थे। इस लिहाज से न्यूजीलैंड ने भारतीय टीम पर 103 रनों की बढ़त ले ली है। फिलहाल न्यूजीलैंड की दूसरी पारी शुरू हो चुकी है। कप्तान टॉम लाथम और डेवोन कॉनवे क्रीज पर हैं। पहली पारी में भारतीय टीम की बल्लेबाजी पूरी तरह फेल साबित हुई। पहले दिन कप्तान रोहित शर्मा खाता खोले बिना आउट हो गए। आज दूसरे दिन यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल ने अच्छी शुरुआत की। दोनों ने संभलकर बल्लेबाजी करते हुए पारी को आगे बढ़ाया और स्कोर को 50 तक ले गए लेकिन इसके बाद गिल आउट हो गए। गिल ने 72 गेंदों में दो चौके और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाए। भारतीय टीम को 56 के स्कोर पर तीसरा झटका लगा। अनुभवी बल्लेबाजी विराट कोहली ने फुल टॉस गेंद को मिस कर किया और क्लीन बोल्ड हो गए। कोहली एक रन बना सके। भारतीय टीम का 70 के स्कोर पर चौथा विकेट गिरा। एक छोर पर टिके यशस्वी 60 गेंदों में 30 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। ऋषभ पंत भी 18 रन बनाकर आउट हो गए। इसी तरह 95 के स्कोर पर पिछले मैच के शतकवीर सरफराज खान भी ज्यादा कुछ नहीं कर पाए और 11 रन बनाकर आउट हुए। भारतीय टीम का 103 के स्कोर पर सातवां विकेट गिरा। रविचंद्रन अश्विन चार रन बनाकर आउट हो गए। रवीन्द्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर ने कुछ बढ़े शॉट लगाकर टीम के स्कोर को 150 के पार पहुंचाया।

प्रदेश स्तरीय सबजूनियर हैंडबाल प्रतियोगिता छह नवम्बर से, मंडल स्तर पर टीमों का हो रहा चयन

लखनऊ। प्रदेश स्तरीय खेल प्रतियोगिता का दौर शुरू हो गया है। कहीं हैंडबाल तो कहीं कबड्डी प्रतियोगिताओं के दिन तय हो गये हैं। प्रदेश स्तरीय समन्वय सब–जूनियर हैंडबाल बालक प्रतियोगिता डा.भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम, अमेठी में छह से नौ नवम्बर के बीच होनी है। इसके लिए जिला और मंडल स्तर पर टीमों की चयन प्रक्रिया शुरु हो चुकी है। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी अजय कुमार सेठी ने बताया कि प्रदेश स्तरीय हैंडबाल के लिए लखनऊ मंडल के चयनित खिलाड़ी भी अमेठी में हिस्सा लेंगे। इसके लिए चार नवम्बर को चौक स्टेडियम में अपराह्न ढाई बजे से जिला एवं मंडल स्तरीय चयन प्रक्रिया होगी। उन्होंने कहा कि सब जूनियर बालक वर्ग के लिए प्रतिभागी की जन्मतिथि 01–01–2010 होनी चाहिए। पात्रता प्रमाण पत्र एवं जन्मतिथि प्रमाण पत्र सक्षम स्तर से निर्गत एवं प्रमाणित होना चाहिए। मंडल स्तर पर चयनित खिलाड़ी अमेठी में आयोजित हैंडबाल प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

बहरीन की मेजबानी में शुरु हुआ आईएसएफ जिमनासियाड 2024

पहले दिन चीन ने जीता स्वर्ण पदक

मनामा,25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बहरीन की मेजबानी में गुरुवार को इंटरनेशनल स्कूल स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएफ) जिमनासियाड 2024 शुरु हुआ, जिसमें लगभग 70 देशों और क्षेत्रों के 5,300 से अधिक एथलीट और कोच हिस्सा ले रहे हैं।

रिफ्फा के नेशनल स्टेडियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में आतिशबाजी का प्रदर्शन किया गया, जिसमें विभिन्न देशों और क्षेत्रों की टीमों ने अपने झंडे के साथ मार्च किया।

चीन के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ध्वजवाहक टेबल टेनिस खिलाड़ी ली तियानयांग और ताइक्कांडो एथलीट ली यूकी ने किया। 55 महिला और 48 पुरुष एथलीटों वाली चीनी टीम कई खेलों में प्रतिस्पर्धा करेगी, जैसे ट्रैक एंड फील्ड, तैराकी, 3×3 बास्केटबॉल, बीच वॉलीबॉल और टेबल टेनिस।

गुरुवार को उद्घाटन समारोह में विविध कलात्मक और खेल प्रदर्शन हुए, जो बहरीन की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं, जिसमें सहिष्णुता और भाईचारे के मूल्यों को दर्शाया गया है, साथ ही भाग लेने वाले देशों के प्रदर्शन भी हुए।

31 अक्टूबर तक चलने वाले जिमनासियाड में एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, 3×3 बास्केटबॉल, बीच वॉलीबॉल, मुक्केबाजी, शतरंज, कलात्मक और लयबद्ध जिमनास्टिक और जूडो सहित 26 खेलों की प्रतियोगिताएँ शामिल हैं। दिव्यांग एथलीटों के लिए एथलेटिक्स, बैडमिंटन और जूडो में भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रतियोगिता के पहले दिन, बीजिंग के चांगपिंग जिले के कियानफेंग स्कूल की छात्रा ली युक्सुआन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट में चीन के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने कराटे महिला व्यक्तिगत फॉर्म (17–18 आयु वर्ग) की ब्लू और ग्रीन बेल्ट श्रेणी में पहला स्थान हासिल किया। 1972 में स्थापित, आईएसएफ एक गैर–लाभकारी अंतरराष्ट्रीय खेल संगठन है जो राष्ट्रीय स्कूल खेल निकायों को नियंत्रित करता है और छह से 18 वर्ष की आयु के युवाओं के लिए शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित करता है। 1995 से अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा मान्यता प्राप्त, आईएसएफ के 132 सदस्य हैं और यह 30 से अधिक खेलों में सालाना दस से अधिक कार्यक्रम आयोजित करता है।

डब्ल्यूबीबीएल: सिडनी थंडर की कप्तान नियुक्त हुईं फोबे लिचफील्ड

सिडनी। महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के आगामी सीज़न के लिए सिडनी थंडर ने फोबे लिचफील्ड को अपना कप्तान नियुक्त किया है। 21 वर्षीय लिचफील्ड डब्ल्यूबीबीएल इतिहास में सबसे कम उम्र की पूर्णकालिक कप्तान होंगी। उन्हें इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट से आगे नियुक्त किया गया है, जिन्होंने पिछले सीज़न में टीम का नेतृत्व किया था। लिचफील्ड ने क्लब की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, सिडनी थंडर का कप्तान बनना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मैं इस क्लब के लिए खेलते हुए बड़ी हुई हूं और कुछ बेहतरीन लीडर्स से सीखा है, इसलिए अब खिलाड़ियों के इतने प्रतिभाशाली समूह का नेतृत्व करने का अवसर मिलना वाकई रोमांचक है। हमारे पास अनुभव और युवा प्रतिभा का बेहतरीन मिश्रण है, और मैं इस सीजन में टीम की कप्तानी करने की चुनौती का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। लिचफील्ड ने 16 साल की उम्र में थंडर के लिए पदार्पण किया था और 67 मैचों में 24.24 की औसत से 1212 रन बनाए हैं। उन्होंने पिछले सीजन में 130.37 की औसत से 309 रन बनाए थे। थंडर के महाप्रबंधक ट्रेंट कोपलैंड ने कहा, फोबे का थंडर का कप्तान बनना सही लगता है। वह युवा है, लेकिन खेल में उसका अनुभव इसे एक स्वाभाविक प्रगति बनाता है। फोबे हमेशा अपनी उम्र से कहीं ज़्यादा परिपक्व रही है, और थंडर में शामिल होने के समय से ही उसके नेतृत्व के गुण स्पष्ट हो गए हैं। हमने देखा है कि फोबे दबाव में भी कामयाब होती है, चाहे वह विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के लिए हो या थंडर के लिए महत्वपूर्ण क्षणों में। वह चरित्र और उदाहरण दोनों ही दृष्टि से एक बेहतरीन लीडर हैं और हम उन्हें इस भूमिका में देखने के लिए उत्साहित हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने वॉर्नर पर लगा कप्तानी प्रतिबंध हटाया

मेलबर्न,25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने शुक्रवार को डेविड वॉर्नर पर लगे आजीवन कप्तानी प्रतिबंध को सीए के आचरण आयोग की समीक्षा के बाद हटा दिया है। इसका मतलब है कि अब वह आगामी बिग बैश लीग (बीबीएल) में सिडनी थंडर की कप्तानी करने के पात्र हैं, 2018 में केपटाउन में सैंडपेपर घटना के बाद उन पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, जिसके बाद से उन्हें ऑस्ट्रेलिया में किसी भी टीम की कप्तानी करने की अनुमति नहीं थी।

सीए ने शुक्रवार को आचरण आयोग की समीक्षा के निष्कर्ष जारी किए, जिसमें तीन सदस्यीय पैनल ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि वॉर्नर ने 2022 में आचार संहिता में बदलाव के बाद प्रतिबंध हटाने के लिए आवश्यक मानदंडों को पूरा किया है।

सीए के बयान में कहा गया, अपने निर्णय में पैनल ने उल्लेख किया कि उनके [वॉर्नर] जवाबों के सम्मानजनक और पश्चाताप भरे लहजे के साथ–साथ विषय–वस्तु ने समीक्षा पैनल को प्रभावित किया और सर्वसम्मति से यह निष्कर्ष निकाला कि आचरण के लिए जिम्मेदारी स्वीकार करने में वह ईमानदार और सच्चे थे और उनके बयान में कहा गया था कि उन्हें अपने आचरण के लिए अत्यधिक पश्चाताप है।

बयान में कहा गया, पैनल ने उन संदर्भों पर भी विचार किया जिनमें वॉर्नर ने ऑस्ट्रेलिया में युवा क्रिकेटरों के विकास में जो योगदान दिया है और भविष्य में भी दे सकते हैं, यदि उन्हें वॉर्नर के नेतृत्व में खेलने का अवसर दिया जाए, तथा विशेष रूप से ऑस्ट्रेलिया में दक्षिण एशियाई समुदाय के बीच क्रिकेट में रुचि बढ़ाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका जारी रहेगी का उल्लेख किया गया। वॉर्नर ने बॉल टैंपरिंग कांड में शामिल होने के कारण एक साल के लिए खेलने पर प्रतिबंध स्वीकार करने के बाद 2018 में नेतृत्व प्रतिबंध को संशोधित करने के लिए एक आवेदन दायर किया था। इससे पहले उन्होंने 2022 में अपने प्रतिबंध को खत्म करने के आवेदन को गुस्से में वापस ले लिया था। वॉर्नर के लिए यह लंबे समय से निराशा का स्रोत रहा है कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया में किसी भी टीम का नेतृत्व करने से प्रतिबंधित कर दिया गया था, जबकि स्टीवन स्मिथ, जिन्हें घोटाले में शामिल होने के कारण एक साल के लिए खेलने से प्रतिबंधित किया गया था, तब से ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट और वनडे टीम दोनों की कप्तानी कर रहे हैं और वर्तमान टेस्ट उप–कप्तान बने हुए हैं।

अपने खेल प्रतिबंध के बाद से वॉर्नर को दुनिया भर की टीमों की कप्तानी करने की अनुमति दी गई थी, उन्होंने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व किया था।

छह साल की लंबी प्रक्रिया ने वॉर्नर को भी निराश किया था, जिन्होंने जून में टी20 विश्व कप के बाद सभी प्रारूपों से संन्यास लेने से पहले अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के अंत में ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम की कप्तानी करने का मौका मिलने की उम्मीद की थी। सीए के सीईओ निक हॉकले ने कहा कि उन्हें खुशी है कि वॉर्नर पर लगा प्रतिबंध हटा दिया गया है।

सीरी एः बाढ़ के कारण बोलोग्ना और मिलान के बीच मैच स्थगित

बोलोग्ना,25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बोलोग्ना के मेयर मैटेओ लेपोर ने कहा कि 19 अक्टूबर को बोलोग्ना में आई बाढ़ और आने वाले सप्ताहांत के लिए प्रतिकूल मौसम पूर्वानुमान के मद्देनजर, शनिवार को रेनाटो डेल'आरा स्टेडियम में बोलोग्ना और एसी मिलान के बीच होने वाला सीरी ए मैच स्थगित कर दिया गया है। एहतियात के तौर पर, नगरपालिका ने 25 अक्टूबर को बोलोग्ना के सभी नर्सरी स्कूलों और सभी स्तरों के स्कूलों में शैक्षणिक और शिक्षण गतिविधियों को निलंबित करने का फैसला किया है। बोलोग्ना नगरपालिका के बयान में कहा गया है, मेयर ने आज दोपहर एक अध्यादेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें शनिवार, 26 अक्टूबर को शाम 6 बजे रेनाटो डेल'आरा स्टेडियम में होने वाले फुटबॉल मैच को स्थगित करने का आदेश दिया गया है। इसमें यह भी कहा गया है कि बोलोग्ना–मिलान मैच के कारण शहर के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र एंड्रिया कोस्टा के माध्यम से लगभग 35,000 लोग डेल'आरा स्टेडियम में आएंगे, जिससे प्रशंसकों की उपस्थिति और दोपहर से लेकर रात तक पूरे आसपास के क्षेत्र में यातायात बंद होने के कारण समस्याएँ पैदा होंगी। बोलोग्ना आठ मैचों में नौ अंकों के साथ लीग में 12वें स्थान पर है, जबकि मिलान आठ मैचों में 14 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है, जिसमें चार जीत, दो ड्रॉ और इतने ही हार शामिल हैं।

महिला टी20 विश्व कप की पुरस्कार राशि खिलाड़ियों के बीच बराबर बांटी जाएगी : न्यूजीलैंड क्रिकेट

वेलिंगटन,25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने पुष्टि की है कि संयुक्त अरब अमीरात में 2024 महिला टी20 विश्व कप जीतने पर 2.3 मिलियन अमरीकी डॉलर की पुरस्कार राशि 15 टीम सदस्यों के बीच समान रूप से विभाजित की जाएगी।

पुरस्कार राशि का बंटवारा, जो चार मिलियन न्यूजीलैंड डॉलर और 19 करोड़ से अधिक भारतीय रुपये के बराबर है, का मतलब है कि प्रत्येक टीम के सदस्य को 256,000 न्यूजीलैंड डॉलर (लगभग 1 करोड़ और 29 लाख) मिलेंगे, जो उनके राष्ट्रीय अनुबंध राशि से कहीं अधिक है।

यह ध्यान देने योग्य है कि 2022 में, एनजेडसी ने अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों स्तरों पर पुरुष और महिला क्रिकेटरों के लिए मैच भुगतान में समानता की घोषणा की थी।

एनजेडसी की महिला सहभागिता प्रमुख जेस डेविडसन ने कहा, प्रेरणा के मामले में यह जीत निश्चित रूप से बहुत बड़ी है। एनजेडसी पिछले कुछ समय से समुदाय और मार्ग स्तर पर महिलाओं के खेल में काफी निवेश कर रहा है, और इस तरह का एक महत्वपूर्ण क्षण बिल्कुल वही है जिसकी हमें अपने शानदार खेल को और अधिक कीवी खिलाड़ियों तक पहुँचाने में मदद करने की आवश्यकता है। इस सप्ताह ही हमने देखा है कि इस ग्रीष्मकाल में क्रिकेट के लिए पंजीकरण कराने तथा महिलाओं और लड़कियों के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई हमारी प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का आनंद लेने के लिए उत्सुक लड़कियों की संख्या में वृद्धि हुई है।

सोफी डिवाइन की अगुआई वाली टीम फिलहाल अहमदाबाद में तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारत में है और 1 नवंबर को स्वदेश पहुंचेगी। एनजेडसी ने कहा कि न्यूजीलैंड भर में कार्यक्रमों की योजना बनाई जा रही है, जहां खिलाड़ियों को स्थानीय प्रशंसकों से जुड़ने और उनके अटूट समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद देने का मौका मिलेगा।

जेस ने कहा, यह केवल खिलाड़ी ही नहीं हैं, हमने कीवी अंपायर किम कॉटन को टूर्नामेंट में अंपायरिंग करते हुए और पूर्व व्हाइट फर्न कैटी मार्टिन को कमेंट्री करते हुए भी देखा – यह साबित करता है कि खेल में महिलाओं के लिए कई रास्ते हैं।

एनजेडसी की महिला उच्च प्रदर्शन प्रमुख लिज़ ग्रीन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि विजयी टी20 विश्व कप अभियान न्यूजीलैंड में महिला क्रिकेट के विकास के लिए एक स्प्रिंगबोर्ड होगा।

उन्होंने कहा, इस समूह ने जो हासिल किया है और जिस तरह से उन्होंने खुद को आगे बढ़ाया है, उस पर हमें गर्व है। हम इस विश्व कप के दौरान टीम को मिले समर्थन के लिए आभारी हैं और न्यूजीलैंड में महिला खेल को बढ़ावा देने के लिए पर्दे के पीछे चल रहे काम को देखते हैं। मुझे उम्मीद है कि यह न्यूजीलैंड में महिलाओं के खेल में अधिक भागीदारी और भागीदारी के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा, खेलने से लेकर कोचिंग तक, स्वयंसेवकों और मैच अधिकारियों तक – हम जानते हैं कि क्रिकेट सभी के लिए एक खेल है।

खो-खो विश्व कप 2025 में होगी वैश्विक भागीदारी, 24 देश लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली,25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) ने शुक्रवार को उन 24 देशों की घोषणा की जो 13–19 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली के आईजीआई स्टेडियम में होने वाले पहले खो खो विश्व कप में भाग लेंगे। यह ऐतिहासिक टूर्नामेंट इस स्वदेशी भारतीय खेल के वैश्विक विकास का प्रतीक है, जिसमें छह महाद्वीपों के चौबीस देश विश्व चैंपियन के खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

विश्व कप में हिस्सा लेने वाले इन 24 देशों में अफ्रीकी महाद्वीप से घाना, केन्या, दक्षिण अफ्रीका और युगांडा, एशिया से मेजबान भारत के साथ–साथ बांग्लादेश, भूटान, इंडोनेशिया, ईरान, मलेशिया, नेपाल, पाकिस्तान, दक्षिण कोरिया और श्रीलंका, यूरोप से इंग्लैंड, जर्मनी, नीदरलैंड और पोलैंड, उत्तरी अमेरिका से कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका, दक्षिण अमेरिका से ब्राजील और पेरू,जबकि ओशिनिया से ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल हैं।

टूर्नामेंट की संरचना में पुरुष और महिला दोनों वर्ग शामिल होंगे, जिसमें प्रत्येक श्रेणी में 16 टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। यह प्रारूप एक तीव्र प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करता है जो खो खो की गति, रणनीति और खेल उत्कृष्टता को प्रदर्शित करेगा।

पुरुष वर्ग में, घाना, केन्या और दक्षिण अफ्रीका के साथ एक मजबूत अफ्रीकी उपस्थिति होगी। एशियाई दल में मेजबान भारत, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, मलेशिया, नेपाल, पाकिस्तान और दक्षिण कोरिया शामिल हैं। इंग्लैंड और नीदरलैंड यूरोप का प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि उत्तरी अमेरिका में कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। दक्षिण अमेरिका का प्रतिनिधित्व ब्राजील करेगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया 16 टीमों की लाइनअप को पूरा करेगा।

महिला वर्ग में देशों का एक अलग लेकिन समान रूप से प्रतिस्पर्धी समूह प्रदर्शित होता है। अफ्रीका से, केन्या, दक्षिण अफ्रीका और युगांडा भाग लेंगे। एशियाई प्रतिनिधित्व में मेजबान भारत, भूटान, ईरान, मलेशिया, नेपाल, पाकिस्तान, दक्षिण कोरिया और श्रीलंका शामिल हैं। यूरोपीय टीमों में इंग्लैंड, जर्मनी और पोलैंड शामिल हैं। दक्षिण अमेरिका का प्रतिनिधित्व पेरू करेगा, ओशिनिया से न्यूजीलैंड की टीम होगी।

इस बीच, पाकिस्तान ने इस पहले विश्व कप के पुरुष और महिला दोनों वर्गों में स्थान सुरक्षित कर लिया है, जिससे टूर्नामेंट की प्रतिस्पर्धात्मक गहराई और बढ़ गई है।

केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने आगामी विश्व कप के बारे में घोषणा करते हुए कहा, यह ऐतिहासिक चैंपियनशिप खो–खो के लिए एक बड़ी छलांग है, जो इसे एक प्रिय स्थानीय खेल से वैश्विक घटना में बदल रही है। भारत इस खेल क्रांति का नेतृत्व कर रहा है, 2025 का विश्व कप एक बड़ा कदम होगा जो खो–खो को वैश्विक खेल पारिस्थितिकी तंत्र में अगले चरण तक ले जाएगा। केकेएफआई के महासचिव एमएस त्यागी ने कहा, 24 देशों की भागीदारी खो–खो की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय अपील का प्रमाण है। हमारा लक्ष्य इस पारंपरिक भारतीय खेल को वास्तव में वैश्विक खेल बनाना है, और यह विश्व कप उस लक्ष्य को प्राप्त करने में एक मील का पत्थर साबित होगा।

विश्व कप की आधिकारिक टैगलाइन #TheWorldGoesKho का हाल ही में त्यागराज स्टेडियम में एक मेगा इवेंट में अनावरण किया गया, जहाँ टीम महाराष्ट्र और शेष भारत के बीच एक प्रदर्शनी मैच ने आने वाली प्रतियोगिता का एक रोमांचक पूर्वावलोकन प्रदान किया, जिसमें महाराष्ट्र ने 26–24 से जीत हासिल की थी।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा– दुनिया का सबसे बड़ा मुद्दा रोजगार सृजन

वाशिंगटन/नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रोजगार सृजन को दुनिया का सबसे बड़ा मुद्दा बताया। उन्होंने विश्व बैंक से नौकरियां पैदा करने वाले उच्च प्राथमिकता के कौशल क्षेत्रों की पहचान करने की दिशा में देशों के साथ सहयोग करने का आह्वान किया।

वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री ने गुरुवार को विश्व बैंक की एक बैठक में कहा कि रोजगार सृजन दुनियाभर में सबसे अहम मुद्दा है, खासकर लगातार आर्थिक चुनौतियों और तेजी से हो रही तकनीकी प्रगति को देखते हुए जो श्रम बाजार को नया आकार दे रही है। सीतारमण ने 'विश्व बैंक को अपनी भविष्य की रणनीतिक दिशा कैसे तय करनी चाहिए तथा ग्राहकों को उभरते मेगाट्रेंड के साथ तालमेल रखने के लिए ज्यादा नौकरियों के सृजन में कैसे मदद करनी चाहिए' विषय पर एक चर्चा में यह बात कही।

सीतारमण ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि निरंतर आर्थिक चुनौतियों और तेजी से हो रहे प्रौद्योगिकी बदलावों को देखते हुए नौकरियां सबसे बड़ी वैश्विक समस्या बनी हैं, जो युवाओं के लिए नौकरी बाजार में प्रवेश करने के वास्ते आवश्यक कौशल को पुनर्परिभाषित कर रही हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि विश्व बैंक ने इससे पहले क्षेत्रीय रुझानों तथा रोजगार पर उनके संभावित प्रभाव पर कई अध्ययन किए हैं। इनमें 'हरित नौकरियां', कृत्रिम मेधा के चलन में आने के बाद नौकरियां और बदलती जनसांख्यिकी के कारण बदलाव जैसे क्षेत्र आदि विषयों पर अध्ययन किए गए हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समय की मांग है कि अधिक व्यापक, बहु-क्षेत्रीय विश्लेषण किया जाए।

वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में विश्व बैंक से आग्रह किया कि वह डेटा, विश्लेषण तथा ज्ञान कार्य के आधार पर उच्च प्राथमिकता वाले कौशल क्षेत्रों की पहचान करने में देशों के साथ सहयोग करे, जिसमें रोजगार सृजन, कौशल मिलान और श्रम बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इसमें इस बात पर गौर किया जाए कि उभरते रुझान किस प्रकार परस्पर क्रिया करते हैं और कैसे नौकरी छूटने तथा नौकरी सृजन दोनों को प्रभावित करते हैं।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की सालाना बैठकों में हिस्सा लेने के लिए अमेरिकी राजधानी में मौजूद हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत अब मिलेगा 20 लाख रुपए तक का लोन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत लोन की मौजूदा सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया है। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में मुद्रा लोन की सीमा को दोगुना करने का ऐलान किया था। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक अधिसूचना में कहा कि पीएमएमवाई के तहत ऋण की मौजूदा सीमा को 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये की गई है। जैसा कि वित्त मंत्री ने 23 जुलाई 2024 को केंद्रीय बजट में घोषणा की थी, उसी के अनुरूप यह बढ़ोतरी की गयी है। पीएमएमवाई में यह वृद्धि मुद्रा योजना के समग्र उद्देश्य को आगे बढ़ाने की आकांक्षा रखती है। यह वृद्धि विशेष रूप से उभरते उद्यमियों के लिए फायदेमंद है, जिससे उनके विकास और विस्तार में मदद मिलेगी। मंत्रालय ने बताया कि ये कदम एक मजबूत उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने में सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। अधिसूचना के अनुसार तरुण प्लस की नई श्रेणी 10 लाख रुपये से अधिक और 20 लाख रुपये तक के ऋणों के लिए है। यह उन उद्यमियों के लिए उपलब्ध होगी, जिन्होंने तरुण श्रेणी के तहत पिछले ऋणों का लाभ उठाया है और उन्हें सफलतापूर्वक चुकाया है। माइक्रो यूनिट्स के लिए क्रेडिट गारंटी फंड के तहत 20 लाख रुपये तक के पीएमएमवाई ऋणों की गारंटी कवरेज प्रदान की जाएगी। पीएमएमवाई की शुरुआत 8 अप्रैल, 2015 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई। इसका उद्देश्य गैर-कॉर्पोरेट, गैर-कृषि लघु और सूक्ष्म उद्यमियों को आय-उत्पादक गतिविधियों के लिए 10 लाख रुपये तक का आसान संपार्श्विक-मुक्त माइक्रोक्रेडिट उपलब्ध कराना है।

उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- भारत-जर्मनी हरित प्रौद्योगिकी तालमेल से वैश्विक विकास को बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि जर्मनी की सटीक इंजीनियरिंग कला और भारत की भौतिक, डिजिटल या सामाजिक बुनियादी ढांचे में विस्तार करने की क्षमता दुनिया के लिए कुछ असाधारण बनाने में मदद करेगी। गोयल ने शुक्रवार को नई दिल्ली में जर्मन बिजनेस (एपीके) के 18वें एशिया प्रशांत सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा कि एआई अपनाने से लेकर सेमीकंडक्टर तक देश के जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने से लेकर हरित प्रौद्योगिकी पर सहयोग करने तक, भारत और जर्मनी के बीच तालमेल अभूतपूर्व विकास को गति दे सकता है। उन्होंने कहा कि भारत की क्षमता जर्मनी की सटीक इंजीनियरिंग के साथ मिलकर दुनिया को लाभ पहुँचाने में सहायक होगी। गोयल ने कहा कि एशिया का जनसांख्यिकीय बदलाव व्यवसायों के लिए उपजाऊ जमीन है, जो विस्तार करना चाहते हैं और उभरते क्षेत्रों का लाभ भी उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा भारत जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है, राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि आज का भारत मजबूत वृहद आर्थिक बुनियादी ढांचे पर बना है। उन्होंने कहा कि भविष्य के लिए सुधार, लचीलापन और तत्परता दुनिया भर के व्यवसायों के लिए उपलब्ध है।

पेट्रोल-डीजल हुआ महंगा, देश के कई राज्यों में बढ़े दाम

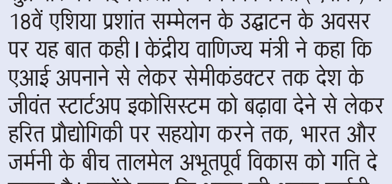

नई दिल्ली। भारतीय ऑयल मार्केटिंग कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के आधार पर कीमतों की समीक्षा के बाद रोज पेट्रोल और डीजल के दाम तय करती हैं। वहीं यूपी हो या दिल्ली, सब जगह पेट्रोल डीजल के भाव अलग होते हैं। ऐसे ही तेल कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। जिसके मुताबिक देश के कुछ शहरों में पेट्रोल और डीजल सस्ता हो गया है, जबकि कई शहरों में इनकी कीमतें बढ़ गई हैं। तो वही कुछ ऐसे राज्य भी जहां पेट्रोल-डीजल के कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वहीं अगर राज्य स्तर पर पेट्रोल-डीजल के भाव की बात करें तो शुक्रवार को बिहार में पेट्रोल 14 पैसे बढ़कर 107.31 रुपये प्रति लीटर और डीजल 13 पैसे बढ़कर 94.02 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। यूपी में पेट्रोल 30 पैसे बढ़कर 94.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 34 पैसे बढ़कर 87.87 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। जबकि, महाराष्ट्र में पेट्रोल के दाम 25 पैसे घटकर 107.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 54 पैसे घटकर 90.96 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

लगातार 5वें दिन कमजोरी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

निवेशकों को 1 दिन में 6.36 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

घरेलू शेयर बाजार लगातार पांचवें दिन जबरदस्त बिकवाली का शिकार हो गया। कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से इसकी चाल में थोड़ी और तेजी आई, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बढ़ जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने थोड़ी देर में ही लाल निशान में गोता लगा दिया। हालांकि खरीदारों ने बीच-बीच में लिवाली करके बाजार का सपोर्ट करने की कोशिश की लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि शेयर बाजार की चाल में सुधार नहीं हो सका। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.83 प्रतिशत और निफ्टी 0.90 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, एनर्जी और मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, फार्मास्यूटिकल और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी जबरदस्त दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 6 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी आ गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद घट कर 437.43 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 443.79 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 6.36 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,021 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 853 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,088 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं, 80 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,514 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 376 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,138 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर बढ़त के साथ और 21 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 11 शेयर हरे निशान में और 39 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 122.18 अंक की तेजी के साथ 80,187.34 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने से ये सूचकांक 188.03 अंक की बढ़त के साथ 80,253.19 अंक तक पहुंच गया। इसके थोड़ी देर बाद ही बाजार पर मंदड़िये हावी हो गए, जिससे ये सूचकांक गिरता चला गया। बाजार में लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 2:30 बजे तक ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 1,115.21 अंक गिर कर 927.18 अंक की कमजोरी के साथ 79,137.98 अंक तक पहुंच गया। हालांकि कारोबार के आखिरी घंटे में हुई खरीदारी के कारण ये सूचकांक निचले स्तर से 264.31 अंक की रिकवरी करके 662.87 अंक की गिरावट के साथ 79,402.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने 18.65 अंक की मजबूती के साथ 24,418.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 40.85 अंक की बढ़त के साथ 24,440.25 अंक तक पहुंचने में सफल रहा, लेकिन इसके बाद बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से ये सूचकांक दिन के दूसरे कारोबारी सत्र में ऊपरी स्तर से 366.35 अंक टूट कर 325.50 अंक की गिरावट के साथ 24,073.90 अंक तक लुढ़क गया। हालांकि इसके बाद कारोबार के आखिरी घंटे में हुई खरीदारी के कारण ये सूचकांक निचले स्तर से 100 अंक से अधिक की रिकवरी करके 218.60 अंक की कमजोरी के साथ 24,180.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से आईटीसी 2.25 प्रतिशत, एक्सिस बैंक 1.88 प्रतिशत, ब्रिटानिया 1.02 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.92 प्रतिशत और सन फार्मास्युटिकल्स 0.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, इंडसइंड बैंक 18.63 प्रतिशत, अडाणी एंटरप्राइजेज 4.83 प्रतिशत, बीपीसीएल 4.71 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 4.70 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सर्राफा बाजार में रिकॉर्ड ऊंचाई से फिसला सोना, चांदी में भी गिरावट

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में गुरुवार को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद आज सर्राफा बाजार में करेक्शन होता हुआ नजर आ रहा है। आज सोने 570 रुपये से 620 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी की कीमत भी आज 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक कम हो गई है।

सोने की कीमत में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 80 हजार रुपये के स्तर से नीचे लुढ़क कर 79,610 रुपये से लेकर 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 73 हजार के स्तर से नीचे गिर कर 72,990 रुपये से लेकर 72,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 1,01,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 79,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में 24 कैरेट सोना 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 79,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,510 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 72,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

उपराष्ट्रपति हामिद...

में भारत विरोधी आतंकवादियों के साथ गुप्त बैठकें भी करते रहे। हामिद अंसारी भारत के राजदूत होने के बावजूद अपने ही देश के खिलाफ सक्रिय रूप से काम कर रहे थे और पाकिस्तानी आईएसआई के साथ खुफिया राज भी साझा कर रहे थे।1990-1992 के दौरान ईरान में भारतीय राजदूत के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान हामिद अंसारी ने गंभीर आपराधिक कृत्य किए। रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी एनके सूद के अनुसार, तेहरान में रॉ के कई फील्ड एजेंटों को बेनकाब करने में हामिद अंसारी का अहम हाथ था। इससे इन एजेंटों की जान गंभीर खतरे में पड़ गई थी। एनके सूद ने कहा, मैं तेहरान में था। हामिद अंसारी तेहरान में राजदूत थे। अंसारी ने तेहरान में रॉ सेट-अप को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिससे रॉ यूनिट के सदस्यों की जान खतरे में पड़ गई थी। लेकिन ऐसे ही व्यक्ति को लगातार दो कार्यकालों के लिए उपराष्ट्रपति बनाया गया।एनके सूद ने तेहरान में अपने कार्यकाल के दौरान अंसारी की गतिविधियों और रॉ को हुए नुकसान की विस्तृत जांच की भी मांग की। बाद में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में एनके सूद ने कहा, हामिद अंसारी तेहरान में तैनात रहते हुए न केवल भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में विफल रहे, बल्कि ईरानी सरकार और उसकी खुफिया एजेंसी साज़मान ए इत्तेलात वा अमनियत ए केशवार (सावाक) यानी द ब्यूरो फॉर इंटेलिजेंस एंड सिक्योरिटी ऑफ द स्टेट के साथ मिलकर भारतीय खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड अनालिसिस विंग (रॉ) और उसके संचालन को गंभीर नुकसान पहुंचाया। सूद के अनुसार, चार बड़ी घटनाएं हुईं जब भारतीय दूतावास के अधिकारियों, राजनयिकों को ईरानी खुफिया एजेंसी सावाक द्वारा अगवा किया गया और अंसारी जानबूझकर भारत के हितों की रक्षा करने के अपने कर्तव्यों में बुरी तरह नाकाम रहे।

संडे गार्जियन को दिए साक्षात्कार में एनके सूद ने कहा, मई 1991 में एक भारतीय अधिकारी संदीप कपूर को तेहरान हवाई अड्डे से ईरानी खुफिया एजेंसी सावाक द्वारा अपहरण कर लिया गया था। जब यह मामला अंसारी के सामने लाया गया, तो उन्होंने इस मामले को नजरअंदाज करने की शातिराना कोशिश की। इससे संदीप कपूर की जान खतरे में आ गई। संदीप कपूर को जहर दिया गया और उसे मरा समझ कर लावारिस हालत में फेंक दिया गया था। विडंबना यह है कि भारतीय खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड अनालिसिस विंग (रॉ) के तेहरान स्टेशन प्रमुख अपनी दुबई की महत्वपूर्ण यात्रा छोड़ कर आपातकालीन स्थिति में वापस तेहरान आ गए और हामिद अंसारी को इस घटना की संवेदनशीलता और गंभीरता बताई। लेकिन हामिद अंसारी ने इसमें कोई रुचि नहीं ली। अंसारी ने कपूर का पता लगाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। घृणित तथ्य यह है कि हामिद अंसारी ने विदेश मंत्रालय को भेजी गोपनीय रिपोर्ट में संदीप कपूर को संदिग्ध हरकतों में लिप्त रहने के कारण लापता बता दिया। हामिद अंसारी ने रॉ के अफसर संदीप कपूर के बारे में यह भी लिख डाला कि उसके ईरानी महिला के साथ गलत सम्बन्ध हैं। हामिद अंसारी ने बड़ी मक्कारी से अपनी रिपोर्ट में रिसर्च एंड अनालिसिस विंग (रॉ) की रिपोर्ट का हवाला नहीं दिया जिसमें रॉ ने पहले ही लिख दिया था कि संदीप कपूर के अपहरण में ईरानी खुफिया एजेंसी सावाक लिप्त है।तीन दिन बाद ही संदीप कपूर सड़क किनारे मरी हुई जैसी हालत में बरामद किए गए। उन्हें जहर गया था। संदीप कपूर की जान तो बच गई, लेकिन खतरनाक जहर ने उनका पूरा करियर समाप्त कर दिया। वर्षों तक वे अपनी सही हालत में लौट नहीं पाए। यह अपराध हामिद अंसारी ने किया। अगर हामिद अंसारी सीधे हस्तक्षेप करते तो संदीप कपूर सही सलामत वापस मिलते। इस घटना के बाद रॉ ने हामिद अंसारी को सलाह दी कि ईरान के विदेश कार्यालय में इस घटना का आधिकारिक तौर पर विरोध दर्ज कराया जाए, लेकिन अंसारी ने इसे टाल दिया।अगस्त 1991 में भारतीय खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड अनालिसिस विंग (रॉ) उन कश्मीरी युवकों पर नजर रख रही थी जो ईरान के धार्मिक केंद्र कोम में नियमित रूप से आते थे और हथियार चलाने की ट्रेनिंग ले रहे थे। रॉ के एक पुराने स्टाफ द्वारा मना करने के बावजूद रॉ के नए स्टेशन चीफ ने हामिद अंसारी को इस ऑपरेशन के बारे में बताया। हामिद अंसारी ने इस ऑपरेशन को संभालने वाले अधिकारी डीबी माथुर का नाम ईरानी विदेश कार्यालय को बता दिया। ईरानी खुफिया एजेंसी सावाक डीबी माथुर को उठा लिया। शाम तक यह स्पष्ट हो गया कि माथुर को ईरानी खुफिया एजेंसी सावाक ने उठाया है। लेकिन हामिद अंसारी ने डीबी माथुर की बरामदगी के लिए कोई ठोस कदम उठाने से इन्कार कर दिया। फिर विवश होकर रॉ अधिकारियों ने इस मामले की जानकारी अटल बिहारी वाजपेयी तक पहुंचाई। अटल ने तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव को यह बताया और तब जाकर डीबी माथुर को उनके अपहरण के चौथे दिन तेहरान के एविन जेल से रिहा किया गया। ईरान ने उन्हें देश छोड़ने के लिए 72 घंटे का समय दिया था। बाद में डीबी माथुर ने यह खुलासा किया कि उनके साथ क्या क्या हुआ और कैसे ईरानी खुफिया एजेंसी सावाक को पहले से ही रॉ के अधिकारी एनके सूद और स्टेशन प्रमुख की पूरी पहचान मालूम थी।एनके सूद ने कहा, हामिद अंसारी ने 1993 के मुंबई बम धमाकों से पहले खाड़ी देशों में स्थित रॉ की इकाइयों को नष्ट करने के लिए आईबी के अतिरिक्त सचिव रतन सहगल के साथ मिलकर षडयंत्र किया था। रतन सहगल आईबी में एडिशनल सेक्रेटरी थे और बाद में उन्हें सीआईए के लिए काम करते हुए पाया गया और दिल्ली में सीआईए की एक महिला एजेंट को दस्तावेज सौंपते हुए पकड़ा गया। उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए था, जेल भेजा जाना चाहिए था और बर्खास्त किया जाना चाहिए था। लेकिन उन्हें इस्तीफा देने के लिए कहा गया और जाने दिया गया। अब वे अमेरिका में बस गए हैं। उस गद्दार के साथ दूसरे गद्दार हामिद अंसारी की पूरी मिलीभगत थी।पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई को हामिद अंसारी की हिंदू विरोधी मानसिकता के बारे में पता था, इसीलिए उसने अफगानिस्तान और ईरान में हामिद अंसारी के प्रवास के दौरान इसका पूरा फायदा उठाया और भारत की सैन्य रणनीतियों के साथ-साथ विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी उपायों से संबंधित कई महत्वपूर्ण सूचनाएं हासिल कीं। भारत के उपराष्ट्रपति बनने के बाद भी हामिद अंसारी ईरानी और पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों के साथ संबंध बनाए हुए थे, जिससे भारत के राष्ट्रीय हितों को अकल्पनीय क्षति पहुंची।

भारत और चीन...

पहले देपसांग और डेमचोक में दोनों पक्षों के 50,000 से 60,000 सैनिक तैनात हैं। भारतीय सैनिक चारडिंग नाला के पश्चिमी हिस्से की ओर वापस चले गए हैं, जबकि चीनी सैनिक नाला के पूर्वी हिस्से की ओर पीछे हट रहे हैं। दोनों पक्षों के लगभग 10-12 अस्थायी ढांचों और लगभग 12 टेंट हैं, जिन्हें हटाया जा रहा है।गुरुवार को चीनी सेना ने क्षेत्र में अपने वाहनों की संख्या भी कम कर दी, और भारतीय सेना ने भी कुछ सैनिकों को वापस बुला लिया। सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, अगले 4-5 दिनों के भीतर देपसांग और डेमचोक में सैनिकों की गश्त फिर से शुरू होने की उम्मीद है। समझौते के तहत अब चीन के सैनिक देपसांग में स्थित बॉटलनेक इलाके में भारतीय सैनिकों को नहीं रोक सकेंगे। यह 18 किलोमीटर का इलाका है, जिस पर भारत का दावा है।गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी के रूस में ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने और वहां चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से द्विपक्षीय मुलाकात से पहले भारत और चीन के बीच एलएसी पर पेट्रोलिंग को लेकर समझौता हुआ था। इस समझौते के तहत दोनों सेनाएं साल 2020 से पहले की स्थिति में लौटेंगी। चीन ने भी इस समझौते की पुष्टि की, बीजिंग ने कहा कि प्रासंगिक मामलों का समाधान हो गया है और वह समझौते के प्रस्तावों को लागू करने के लिए नई दिल्ली के साथ मिलकर काम करेगा।डेमचोक और देपसांग में गश्त और पशु चराने की व्यवस्था मई 2020 से पहले की तरह फिर से शुरू होंगी। समझौते के तहत गलवान घाटी, पैंगोंग त्सो के उत्तरी और दक्षिणी तट, गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र जैसे टकराव के बिंदुओं पर पूर्व के समझौतों के तहत ही व्यवस्था रहेगी। भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि समझौते के बाद एलएसी पर दोनों देशों के सेनाओं के बीच की झड़प रुक सकेगी। उल्लेखनीय है कि साल 2020 में गलवान में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें भारतीय सेना के कर्नल रैंक के एक अधिकारी समेत 20 भारतीय जवान बलिदान हुए थे।

एलएसी समझौते ...

सीमा से जुड़े किसी भी मुद्दे पर कोई बयान नहीं दिया गया। इस प्रकार के रवैये ने ही चीन की नीयत पर सवाल उठाया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने तो ब्रिक्स में ही साफ कर दिया था कि जिन एग्रीमेंट्स पर सहमति बन चुकी है, दोनों तरफ से उसका सम्मान होना जरूरी है। जोर देकर यहां तक बोला गया कि सभी विवादों को बातचीत और कूटनीति से सुलझाना होगा।वैसे बयानों में चीन की चालाकी जरूर दिख रही है, लेकिन माना जा रहा है कि सीमा पर हलचल तेज है। ऐसी खबर है कि दोनों भारत और चीन की सेनाएं पीछे हटना शुरू हो गई हैं। डेमचोक और देपसांग मैदानों से भारत और चीन के सैनिक पीछे हटने की खबर है। विवाद के दौरान सबसे ज्यादा तनाव भी इन्हीं इलाकों को लेकर था, ऐसे में यहां सेनाओं का पीछे हटना एक बड़ी डेवलपमेंट माना जा रहा है।

नक्शे से गायब ...

एकजुट करे और सभी खतरों के खिलाफ भारत की संप्रभुता की रक्षा करने के हमारे सामूहिक संकल्प की पुष्टि करे! भाजपा, तमिलनाडु और पूरे भारत की जनता की ओर से इस अपमानजनक और शर्मनाक कृत्य के लिए डीएमके प्रमुख स्टालिन से बिना शर्त माफ़ी मांगने की मांग करता है!डीएमके प्रवक्ता भाजपा के आरोपों पर पलटवार करते हुए बड़ी बेशर्मी से कहा कि विवादित नक्शा हमने नहीं, भारत सरकार ने बनाया था। टीकेएस एलंगोवन ने विवादित नक्शे के लिए भारत सरकार को ही जिम्मेदार ठहरा दिया। उन्होंने कहा कि यह तस्वीर भारत के राज्यों की जीडीपी के योगदान को दिखाता है। जिन राज्यों में भाजपा की सरकार है वहां हालात बहुत खराब हैं, लेकिन तमिलनाडु का योगदान उन सबसे कहीं बेहतर है।

गृह मंत्री अमित...

आतंकी ने बच्चों के परिजनों से सीआरपीएफ स्कूलों में एडमिशन नहीं लेने की अपील की है।

इतना ही नहीं खालिस्तानी आतंकी पन्नू का कहना है कि 1984 के सिख दंगों के लिए सीआरपीएफ ही पूरी तरह से जिम्मेदार है। साथ ही उसने पंजाब के पूर्व केपीएल गिल और रॉ के पूर्व अधिकारी विकास यादव पर भी दंगों में शामिल होने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही उसने लोगों को भड़काकर उनसे एयर इंडिया में भी यात्रा नहीं करने की अपील की है। गौरतलब है कि इससे पहले पिछले वर्ष सितंबर के माह में जी-20 की बैठक में शामिल होने के लिए भारत आए कनाडा के पीएम जस्टिन त्रूदो ने वापस जाने के बाद भारत पर खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप लगाया था।

लॉरेंस बिश्नोई...

10 लाख का इनाम घोषित किया है। अनमोल बिश्नोई बार-बार अपने ठिकानों को बदलता रहता है। पिछले साल उसे केन्या और इस साल उसे कनाडा में देखा गया है। अनमोल बिश्नोई पर अब तक 18 केस दर्ज हैं। वह जोधपुर जेल में भी सजा काट चुका है और 7 अक्टूबर को ही उसे जमानत पर रिहा किया गया था।एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की तीन लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने कहा कि अनमोल बिश्नोई आरोपी के सीधे संपर्क में था और कनाडा और अमेरिका से काम करते हुए आरोपी के संपर्क में रहने के लिए सोशल मीडिया एप्लीकेशन स्नैपचैट का इस्तेमाल करता था। उन्होंने आवेदन के माध्यम से बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी की आरोपियों के साथ एक तस्वीर भी शेयर की।अनमोल बिश्नोई इस समय अपने भाई लॉरेंस की गैरमौजूदगी में गिरोह चला रहा है। लॉरेंस बिश्नोई अभी जेल में है। कई अपराधों में शामिल अनमोल अपनी जबरन वसूली गतिविधियों के लिए जाना जाता है। वह अक्सर मशहूर हस्तियों को धमकाकर उन्हें निशाना बनाता है। माना जाता है कि उसने बॉलीवुड स्टार सलमान खान के खिलाफ साजिश रची थी। बिश्नोई समुदाय काले हिरणों का बहुत सम्मान करता है और लॉरेंस बिश्नोई ने पहले भी इस मामले को लेकर सलमान खान को धमकी दी थी।बिश्नोई गैंग का सिंडिकेट कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सामने आया है। इसमें पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, गुजरात, चंडीगढ़, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और झारखंड शामिल हैं। इन राज्यों में गिरोह के सदस्यों को भुगतान, हथियारों की आपूर्ति दी जाती है। इस पूरे सिंडिकेट का मैनेजमेंट विदेश से किया जाता है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) समेत खालिस्तान समर्थक समूहों के साथ भी जुड़ा हुआ है।

कांग्रेस विधायक...

में भेजा है।2010 में लोकायुक्त की जांच में पता चला कि लगभग 8 लाख टन लौह अयस्क बेल्लारी से बिना किसी अनुमति के बेलकेरी बंदरगाह भेजा गया था। इस अवैध खनन और बिक्री में बंदरगाह उपसंरक्षक महेश बिलिये और कई निजी कंपनियों की संलिप्तता पाई गई, जिनमें कांग्रेस विधायक की कंपनी भी शामिल थी। सीबीआई के अनुसार, इस मामले में लगभग 50 लाख टन लौह अयस्क का अवैध खनन, परिवहन और बिक्री की गई, जिससे 2500 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ।

दुनिया की स्थिरता...

तैनात किया गया था। सुरक्षा बलों ने नियंत्रण रेखा के नजदीक होने के कारण संभावित घुसपैठ के प्रयास की आशंका के चलते बीहड़ इलाके की तलाशी ली। घायल कर्मियों को तुरंत इलाज के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया।

इस बीच अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ और पुलिस ने शुक्रवार को जम्मू कश्मीर के सांबा जिले के सीमावर्ती इलाकों में भी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया। यह तलाशी अभियान कश्मीर घाटी में आतंकी हमलों की पृष्ठभूमि में चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पुलिस द्वारा रामगढ़ सेक्टर के सीमावर्ती इलाकों में संयुक्त तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें सुरक्षा बल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कुछ वन क्षेत्रों सहित कई संवेदनशील स्थानों की तलाशी ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य सीमावर्ती इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना और सुरक्षा को मजबूत करना है।

धनतेरस क्यों मनाते हैं, जानें इसका इतिहास और धार्मिक महत्व

हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धनतेरस मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार ऐसा बताया गया है कि समुद्र मंथन के समय भगवान धन्वंतरि इस दिन अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। धन्वंतरि भगवान को आयुर्वेद का जनक भी कहा जाता है, यही कारण है कि इस दिन राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस भी सेलिब्रेट किया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि धन्वंतरि भगवान श्रीहरि के अंश ही हैं, जिन्होंने इस दुनिया में सबसे पहले चिकित्सा और विज्ञान का प्रचार और प्रसार किया। देवी लक्ष्मी के आशीर्वाद से इस दिन आप जो भी अपने घर में लाते हैं उसमें 13 गुना की वृद्धि होती है। अब इस पौराणिक मान्यता के पीछे का कारण क्या है ये भी जान लें।

क्या आप जानते हैं कि धनतेरस दो शब्दों से मिलकर बना है, पहला शब्द है धन और दूसरा शब्द है तेरस। अब इन दोनों को जब एक साथ जोड़कर पढ़ा जाता है तो इसका अर्थ होता है धन का तेरह गुना। बस यही कारण है कि धनतेरस के दिन आप जब कुछ खरीदारी करते हैं, सोना, चांदी खरीदते हैं तो वो 13 गुना बढ़ता है। भगवान धंवंतरि को समर्पित इस दिन धन के देवता कुबेर, मृत्यु के देवता यमराज और देवी लक्ष्मी की भी पूजा की जाती है और रात के समय यम दीपम भी होता है।

कहावत पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में माया, तो दीवाली से 2 दिन पहले हम धन्वंतरि भगवान की पूजा करके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं और फिर 2 दिन बाद दीवाली पर देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करके हैं जिससे घर में कभी धन धान्य की कमी नहीं होती। यही कारण है कि दिवाली से पहले धनतेरस मनाया जाता है।

वैसे आपको बता दें कि इस साल 29 अक्टूबर को धनतेरस मनाया जाएगा। 31 अक्टूबर और 01 नवंबर को इस साल दिवाली मनायी जा रही है। सबसे शुभ मुहूर्त की बात करें तो दिवाली का स्थिर लग्न 31 अक्टूबर 2024 को ही है।

दीवाली से पहले इन राशियों को शुक्र देव कर देंगे मालामाल

नक्षत्र परिवर्तन का जानें आपकी राशि पर प्रभाव

सभी ग्रह समय-समय पर अपनी स्थिति बदलते हैं। शुक्र ग्रह को धन-लक्ष्मी का ग्रह माना जाता है, कहते हैं जीवन में सारा सुख ऐश्वर्य, अपार धन संपदा तभी मिलती है जब कुंडली में शुक्र की स्थिति मजबूत हो। ऐसे में जब शुक्र का नक्षत्र परिवर्तन हो रहा है तो ये आपके जीवन में कुछ ऐसे प्रभाव डालने वाला है जो आपकी किस्मत बदल सकते हैं। ज्योतिष को विज्ञान कहा जाता है। आपकी कुंडली की विश्लेषण करने वाले विद्वान पंडित शुक्र की स्थिति देखकर ही बताते हैं कि आपके जीवन में धनवर्षा के योग

कब बनेंगे। कई बार ये योग ग्रहों की बदलती स्थिति के अनुसार भी जातक को प्रभावित करते हैं। आप कह सकते हैं कि अगर किसी को अचानक धनलाभ होता है तो ये ऐसे ग्रहों के परिवर्तन का ही प्रभाव होता है। तो आइए जानते हैं कि शुक्र देव अपना नक्षत्र परिवर्तन कब कर रहे हैं। इस बार वो किस नक्षत्र में प्रवेश करेंगे और इससे सबसे ज्यादा लाभ किस राशि को मिलने वाला है।

शुक्र ग्रह का नक्षत्र परिवर्तन

शुक्र ग्रह का राशि के साथ नक्षत्र परिवर्तन 26 दिनों में होता है। धनतेरस से पहले इस बार शुक्र जिस नक्षत्र में प्रवेश कर रहे हैं उससे कन्या और मकर राशि को जातकों को लाभ मिल सकता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, 27 अक्टूबर को शुक्र ग्रह का ज्येष्ठ नक्षत्र में प्रवेशो होगा, इस बदलाव से इन राशि के जातकों को 7 नवंबर तक जबरदस्त मुनाफा मिलने की संभावना है।

कन्या राशि :- शुक्र को धन, विलासिया, प्रेम और सौंदर्य का ग्रह माना जाता है, ज्येष्ठ नक्षत्र राशिचक्र में 18वां नक्षत्र होता है। ऐसे में जब शुक्र इस नक्षत्र में प्रवेश कर रहे हैं तो इससे कन्या राशि के जातकों कि किस्मत के ताले खुलने वाले वाले हैं। धन लाभ होगा। प्रोपर्टी खरीदने या बेचने के लिए ये समय उत्तम रहेगा। व्यापारी हैं तो नए मौके मिलेंगे। नौकरी नहीं है तो इस दौरान आपकी बात बन सकती है। प्रमोशन या नई नौकरी ढूंढ रहे लोगों के लिए भी ये समय अच्छा रहेगा।

मकर राशि :- मकर राशि ये जातकों के लिए ये समय ऐसा रहेगा कि इनके सपने सच हो रहे हैं। ये जैसी नौकरी चाहते हैं, लव लाइफ चाहते हैं या विदेश जाने की योजना बना रहे हैं। इस दौरान अगर ये कोशिश करेंगे तो इनकी बात बनने के प्रबल योग होंगे। आप इस समय का भरपूर फायदा उठाएं और जीवन में आगे बढ़ने के सपने देखें। सपने देखेंगे तभी तो सच करेंगे।

इस धनतेरस पर करें ये उपाय, साल भर बरसेगा धन

इस साल 29 अक्टूबर, मंगलवार को धनतेरस मनाई जाएगी। इसके साथ ही पांच दिनी दीपोत्सव की शुरुआत भी हो जाएगी। धनतेरस का सनातन धर्म में बहुत महत्व है।

इस दिन मृत्यु के देवता यमराज, धन के देवता कुबेर और भगवान धन्वंतरि की पूजा की जाती है। ज्योतिष विज्ञान में धनतेरस के दिन किए जाने वाले कई उपाय भी बताते हैं। ज्योतिषाचार्य कहते हैं कि उन आसान उपायों को अपनाने से साल भर धन की कमी नहीं होती है। जानिए ऐसे ही उपायों के बारे में।

धनतेरस पर करें ये उपाय, प्रसन्न हो जाएंगे कुबेर देवता

धनिया खरीदें: धनतेरस के दिन जिन वस्तुओं का खरीदना शुभ माना गया है, उनमें धनिया (खड़ा धनिया) शुभ है। माना जाता है कि इस दिन खड़ा धनिया माता लक्ष्मी और कुबेर देवता के चरणों में अर्पित करने से घर-परिवार और व्यापार में कभी धन की की नहीं होती है।

झाड़ू खरीदें: धनतेरस के दिन झाड़ू खरीदना शुभ माना गया है। इस दिन खरीदी गई झाड़ू से घर में झाड़ू लगाने से दरिद्रता दूर होती है। अपने घर नई झाड़ू लाएं, साथ ही दूसरों को दान भी करें। झाड़ू लाकर उस पर सफेद धागा बांधें। इससे लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और कृपा करती हैं।

बर्तन खरीदें: जो लोग दीवाली के दौरान महंगी चीजें नहीं खरीद पाते हैं, उन्हें धनतेरस के दिन कोई न कोई बर्तन अवश्य खरीदना चाहिए। मान्यता है कि इस दिन खरीदे गए बर्तन से रसोई घर में कभी किसी चीज की कमी नहीं होती है। स्टील को कोई भी बर्तन खरीदा जा सकता है।

पीली कौड़ियां घर लाएं: जीवन में अचानक धन वृद्धि के लिए धनतेरस पर पीली कौड़ियों का उपाय बताया गया है। कौड़ियां खरीदकर घर लाएं, इनकी पूजा करें और तिजोरी में रख लें। कौड़ियां पीली नहीं हैं, तो उन्हें हल्दी में रंगकर इस्तेमाल करें।

हल्दी की गांठ घर लाएं: पीली वस्तु होने के कारण हल्दी की गांठ को इस दिन घर लाना शुभ है। हल्दी को घर लाकर स्वच्छ सफेद कपड़े में लपेटे और पूजा करें।

इसके बाद पोटली को तिजोरी के पास रख दें। साल भर किसी चीज की कमी नहीं होगी। लक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी।

लक्ष्मी की जी पूजा करें: वैसे तो धनतेरस का दिन धन के देवता कुबेर और भगवान धन्वंतरि को समर्पित है, लेकिन इस दिन लक्ष्मी जी की पूजा करने का भी विधान है। लक्ष्मी जी की पूजा करें और खीर का भोग लगाएं। साथ ही मां को लाल वस्त्र समर्पित करें।

धनतेरस के 3 अचूक उपाय

- केले का पौधा लगाएं। जैसे-जैसे यह पौधा बढ़ेगा, जीवन में तरक्की-खुशहाली आएगी।
- नमक खरीदना शुभ माना गया है। खड़ा नमक घर लाएं और घर के पूर्व-उत्तर में रखें।
- चावल के 21 दाने लेकर कपड़े में बांधकर तिजोरी में रखें, धन की आवक बनी रहती है।

क्या है छठ पूजा का इतिहास, जानें सबसे पहले किसने की थी ये पूजा

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को छठ पूजा की जाती है । दीवाली के बाद उत्तर भारत और बिहार में इस पर्व की खास तैयारियां शुरू हो जाती है। छठ पर्व, छइठ या षष्ठी पूजा के नाम से भी लोग इसे जानते हैं। चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व की शुरुआत नहाए-खाए से शुरू होती है। 36 घंटों तक निर्जला व्रत रखकर छठ पूजा करने वाले जातक सूर्योदय और सूर्यास्त के समय सूर्य को अर्घ्य देकर इस व्रत का पारण करते हैं। सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में रहने वाले देसी भी इस पर्व को धूमधाम से मनाते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि सबसे पहले छठ पूजा किसने की थी, इस व्रत की शुरुआत कैसे हुई।

माता सीता ने किया था छठ व्रत : मान्यता है कि सबसे पहले छठ पूजा माता सीता ने की थी। पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब भगवान राम माता सीता और लक्ष्मण 14 वर्षों के वनवास के बाद अयोध्या लौटे तब रावण वध के पाप से मुक्ति के लिए उन्होंने ऋषि-मुनियों के आदेश पर राजयज्ञ करने का निर्णय लिया। इस यज्ञ के लिए मुग्दल ऋषियों को आमंत्रित किया गया। मुग्दल ऋषि ने माता सीता को गंगाजल से पवित्र किया और कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को सूर्यदेव की उपासना करने का आदेश दिया। माता सीता ने मुग्दल ऋषि के आश्रम में रहकर छह दिनों तक सूर्यदेव की पूजा की। सप्तमी तिथि को सूर्योदय के समय उन्होंने फिर से अनुष्ठान कर सूर्यदेव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इसके अलावा, छठ महाव्रत की शुरुआत महाभारत काल में हुई ऐसा भी कई जगह पढ़ने को मिलता है। कहा जाता है कि सबसे पहले सूर्यपुत्र कर्ण ने छठ पूजा की थी। यह भी कहा जाता है कि जब पांडव अपना पूरा राजपाट जुए में हार गए थे, तब द्रौपदी ने छठ का महाव्रत किया। इस व्रत को करने से उनकी सभी इच्छाएं पूरी हुईं और पांडवों को उनका राजपाट वापस मिल गया। छठ पूजा से जुड़ी ये पौराणिक कथाएं इसे एक अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व के रूप में स्थापित करती हैं, जो श्रद्धालुओं के जीवन में अपार सुख और समृद्धि लाती हैं।

तुलसी के साथ गलती से भी न रखें ये 3 पौधे

देखते ही देखते कंगाल हो जाएंगे आप

तुलसी के पौधे की हिंदू धर्म में पूजा की जाती है। मान्यता है कि जो भी जातक नियमपूर्वक तुलसी की पूजा करता है उसे कभी किसी प्रकार का कष्ट नहीं होता, उसकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहती है और कर्जा भी नहीं चढ़ता। लेकिन तुलसी के इसी पौधे के साथ अगर आपने गलती से भी ये तीन पौधे या फिर इनमें से एक भी पौधा लगा दिया तो आप देखते ही देखते कब कंगाल हो जाएंगे आपको पता भी नहीं चलेगा। आप समझ ही नहीं पाएंगे कि आपको धन हानि क्यों हो रही है, घर में रहने वाले बीमार क्यों हैं या फिर घर के क्लेश खत्म क्यों नहीं हो रहे। अगर आप इस समस्या से बचना चाहते हैं तो ये जानकारी आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। आप गलती से भी तुलसी के साथ ये तीन पौधे कभी न लगाएं। अब ये तीन पौधे कौन से हैं आइए ये भी जान लेते हैं।

कांटेदार पौधा – वास्तु के नियमों की मानें तो घर की पूर्व दिशा में तुलसी का पौधा लगाना शुभ होता है। अगर आप गलती से भी इस पौछे के साथ कैक्टस या इसी प्रकार का कोई भी कांटेदार पौधा लगा देते हैं तो देखते ही देखते आपकी आर्थिक स्थिति ऐसे गड़बड़ाने लगती है कि आपको समझ भी नहीं आता कि आप कब और कैसे कर्जदार बन गए। इस आर्थिक संकट से बचने के लिए आप भूल से भी ये गलती न करें, इससे धन के देवी लक्ष्मी नाराज होती हैं।

दूध वाला पौधा – अगर आप देवी लक्ष्मी की कृपा पाना चाहते हैं तो कभी भी घर में ऐसा पौधा न लगाएं जिससे दूध निकलता हो। अगर ऐसा पौधा है भी तो आप इसे तुलसी के पौधे के पास रखने से बचें। इससे नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। घर में रहने वाले लोगों के कामों में विघ्न आने लगते हैं। नौकरी है तो तरक्की रुक जाती है, धंधा मंदा होने लगता है और आर्थिक स्थिति खराब होनी शुरू हो जाती है।

शमी का पौधा – जिस तरह से हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को पवित्र माना जाता है उसी तरह से शमी के पौधे की भी पूजा की जाती है। लेकिन इन दोनों पौधों को कभी भी एक साथ नहीं रखना चाहिए। अगर आप तुलसी के पौधे के साथ शमी का पौधा लगाते हैं तो इसे वास्तु दोष माना जाता है, जिसका प्रभाव आपकी आर्थिक स्थिति पर पड़ता है।

मंगल दोष से बीमारी तक अनेक समस्याओं से मुक्ति दिलाएगा ये उपाय

बस शिवलिंग पर चढ़ाएं 108 दाने अनाज

देवों के देव महादेव यानी कि भगवान शंकर, जिन्हें भोलेनाथ और शिव आदि नामों से भी जाना जाता है। प्रथम पूज्य भगवान गणेश के पिता कैलाशपति की पूजा के लिए शिवलिंग सबसे अच्छा माध्यम है। मंदिरों में लोग शिवलिंग की पूजा करते हैं और दूध आदि से अभिषेक कर अपनी मनोकामना कहते हैं। शिवलिंग पर 5 अलग-अलग अनाज के 108 दाने चढ़ाते हैं तो इससे आपको 5 अलग-अलग परेशानियों से मुक्ति मिल सकती है। कौन से हैं वे अनाज और किस प्रकार करना होंगे इनके उपाय? आइए जानते हैं।

शिवलिंग पर चढ़ाएं ये पांच अनाज

मान-सम्मान के लिए

यदि आप शिवलिंग पर 108 दाने गेहूं के चढ़ाते हैं तो ऐसा करने से आपको मान-सम्मान की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही यदि आप नि:संतान हैं और संतान सुख की इच्छा रखते हैं तो ये उपाय करने पर आपको संतान की प्राप्ति होगी।

आर्थिक तंगी से मुक्ति के लिए

यदि आप धन की कमी से गुजर रहे हैं और कई उपायों को आजमाने के बावजूद आपको कोई लाभ नहीं मिल रहा है तो शिवलिंग पर 108 कच्चे चावल चढ़ाएं। ऐसा करने से आपको धन-संपदा की प्राप्ति होगी।

दूर होगी बीमारी

यदि आप लंबे समय से किसी बीमारी से ग्रसित हैं और इसके लिए कई सारे प्रयत्न और इलाज कराने के बावजूद लाभ नहीं मिल रहा है तो आप शिवलिंग पर 108 दाने जौ के चढ़ाएं। इससे आप बीमारी से मुक्ति पा सकेंगे।

मंगल से जुड़े दोष

यदि आपकी कुंडली मंगल ग्रह से संबंधित दोष हैं और आप इसे दूर करना चाह रहे हैं तो इसके लिए आपको 108 दाने मसूर दाल के लेना है और इन्हें शिवलिंग पर चढ़ाना है। ऐसा करने से आपकी समस्या दूर हो सकती है।

पाप होंगे नष्ट

यदि आप जीवन में काफी परेशान हैं और आपको लगता है कि किसी पाप कर्म के कारण आपके साथ ऐसा हो रहा है तो 108 दाने सफेद तिल के शिवलिंग पर चढ़ाएं। इससे आपके सभी प्रकार के पाप नष्ट हो सकते हैं।

इस मंदिर में माता सती के घुटनों की होती है पूजा

जयपुर से 50 किलोमीटर दूर जोबनेर कस्बे में ज्वाला माता का एक अनोखा मंदिर स्थित है। इस मंदिर का संबंध भगवान शिव और देवी सती से है। यहां पर माता सती के घुटने की पूजा होती है। ज्वाला माता मंदिर के पुजारी ने बताया कि ज्वाला माता के विग्रह को किसी ने स्थापित नहीं किया है। बल्कि, पौराणिक काल में पहाड़ी पर गुफा में देवी की प्रतिमा का घुटना वाला भाग प्रकट हुआ था। इसके बाद यहां पर माता के इस अंग की पूजा होती है। खंगारोत राजपूत माता को अपनी कुलदेवी के रूप में पूजते हैं।

ज्वाला माता मंदिर के पुजारी ने बताया कि माता के घुटने को सवा मीटर की चुनरी और 5 मीटर कपड़े से बने लहंगे की पोशाक धारण करवाई जाती है, और 16 शृंगार भी किए जाते हैं। इसके अलावा, मंदिर के गर्भगृह में अखंड ज्योत जलती है, जो मंदिर स्थापना से लेकर अब तक जल रही है। खास बात ये है कि ज्वाला माता की आरती के समय सभी पात्र चांदी के होते हैं। माता को गहनों में केवटा, हार, छत्र व मुकुट पहनाया जाता है।

आपको बता दें कि हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में कालीधार पहाड़ी के बीच ज्वाला देवी का मंदिर बना हुआ है। पूरे भारत में

हिमाचल के कांगड़ा और राजस्थान के जोबनेर में ही ज्वाला माता मंदिर की पूजा होती है। इन दोनों मंदिरों में माता के घुटने और एक हाथ की पूजा होती है। मान्यता है कि अगर कोई भक्त माता के दर्शन करने के लिए हिमाचल नहीं जा पाता है, तो वह जोबनेर माता के दरबार में आकर शीश नवाता है।

इसके अलावा, पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान शिव ने जब माता सती के शव को कंधे पर उठाकर तांडव नृत्य किया था, तब माता के पार्थिव शव के टुकड़े छिन्नभिन्न होकर पृथ्वी पर गिरे। स्थानीय लोगों के अनुसार, इन्हीं में से माता सती का घुटना जोबनेर और हिमाचल के कांगड़ा में आकर गिरा। माता के इसी भाग की पूजा इन दिनों मंदिर में की जाती है।

मंदिर के पुजारी श्याम सिंह खंगारोत ने बताया कि ज्वाला माता चैत्र के 1 महीने जोबनेर में रहती हैं, उसके बाद वह हिमाचल में स्थित कांगड़ा मंदिर में चली जाती हैं। इसी एक महीने में खंगारोत राजपूत माता की पूजा आराधना करते हैं। इस मंदिर में क्षेत्र के महीने में कई बड़े विशेष आयोजन भी होते हैं

पुष्पा 2: द रूल की रिलीज डेट में हुआ बदलाव

समय से पहले बड़े पर्दे पर धूम मचाएंगे अल्लू अर्जुन!

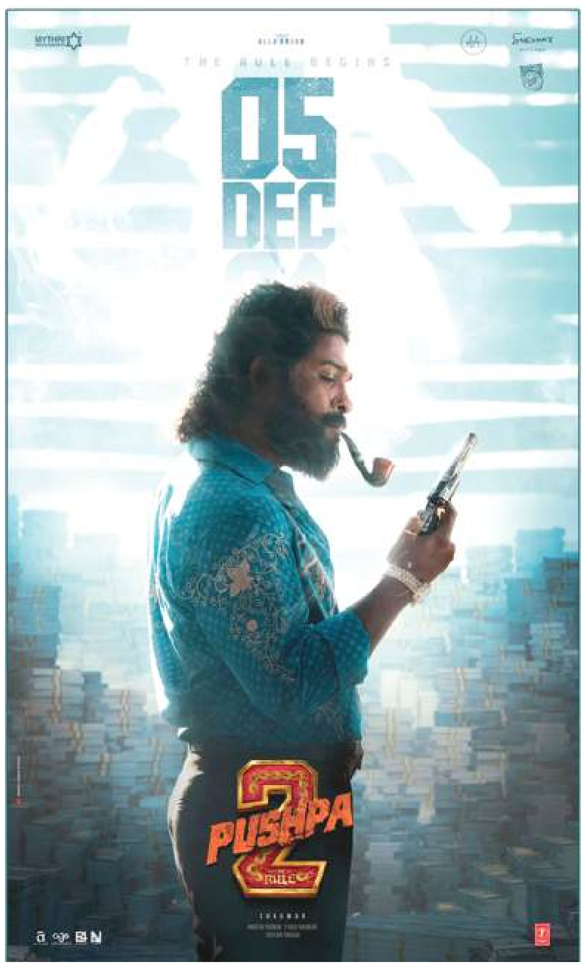

पुष्पा 2 इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म से जुड़ी छोटी सी छोटी जानकारी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। अल्लू अर्जुन और फिल्म निर्माता सुकुमार फिल्म की शूटिंग तय समय पर खत्म करने के लिए काफी तेजी से काम कर रहे हैं। पुष्पा 2 का प्रचार शुरू करने की भी तैयारियां जोर-शोर से हो रही हैं। वहीं, इस बीच अब फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है। पहले ही फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव किया गया था। अब एक बार फिर ऐसे संभावनाएं लग रही हैं।सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की बहुप्रतीक्षित फिल्म पुष्पा 2: द रूल 6 दिसंबर, 2024 को कई भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। हालांकि, ऐसी खबरें हैं कि फिल्म की रिलीज की तारीख में फिर से बदलाव होने की संभावना है, लेकिन इस बार निर्माता सिनेमाघरों जल्दी पहुंचने की योजना बना रहे हैं। अगर रिपोर्ट्स को सच माना जाए तो पुष्पा 2: द रूल 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में आएगी। आज यानी 24 अक्तूबर को आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है।पिछले एक साल में पुष्पा 2: द रूल की रिलीज डेट में कई बदलाव हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्माताओं ने गुरुवार 24 अक्तूबर को हैदराबाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है। कहा जा रहा है कि प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फिल्म की नई रिलीज डेट की घो-षणा की जाएगी। पुष्पा 2: द रूल 2024 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म पहले अप्रैल में रिलीज होने वाली थी और फिर इसे 15 अगस्त तक बढ़ा दिया गया। शूटिंग में देरी के कारण, निर्माताओं को फिल्म की रिलीज की तारीख फिर से बदलनी पड़ी।अगर, पुष्पा 2 की रिलीज टल जाती है तो यह अल्लू अर्जुन के फैंस के लिए खुशखबरी है, क्योंकि उन्हें एक दिन पहले फिल्म देखने को मिलेगी। सुकुमार द्वारा निर्देशित पुष्पा 2: द रूल 2021 की फिल्म पुष्पा: द राइज का सीक्वल है।

अल्लू अर्जुन के प्रशंसकों को उन्हें फिर से बड़े पर्दे पर देखने के लिए तीन साल का इंतजार करना पड़ा। रिपोर्ट्स के अनुसार, पुष्पा 2 500 करोड़ रुपये के बजट पर बनी सबसे महंगी फिल्मों में से एक है।इस एक्शन ड्रामा में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल मुख्य भूमिकाओं में हैं। जगदीश प्रताप बंडारी, जगपति बाबू, प्रकाश राज, अनसूया भारद्वाज, राव रमेश और कई अन्य सहायक कलाकारों का हिस्सा हैं। मैत्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स द्वारा निर्मित, फिल्म की तकनीकी टीम में सिनेमैटोग्राफर मिरोस्लाव कुबा ब्रोजेक, संपादक नवीन नूली और संगीतकार देवी श्री प्रसाद शामिल हैं।

एक्टिंग में ही नहीं बेहतरीन आवाज में भी माहिर है टीवी की देसी गर्ल समृद्धि शुक्ला

टीवी जगत में कई एक्ट्रेस ऐसी भी है जो सिर्फ अपनी दमदार एक्टिंग ही नहीं बल्कि अपने स्पेशल टैलेंटेड के लिए भी लोगों के बीच मशहूर हैं। उन्हीं में से एक हैं टीवी की देसी गर्ल के नाम से फेमस समृद्धि शुक्ला, जिन्हें अपनी बेहतरीन आवाज के चलते जबरदस्त नेम फेम मिला है।

समृद्धि शुक्ला भारतीय टेलीविजन अभिनेत्री ही नहीं बल्कि वॉयस ओवर आर्टिस्ट भी हैं। उन्होंने ब्रह्मास्त्र फिल्म के ओटीटी वर्जन के लिए आलिया भट्ट के लिए अपनी आवाज दी थी। इतना ही नहीं वह रणबीर कपूर की सुपरहिट फिल्म एनिमल के लिए भी काम कर चुकी हैं। टीवी एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला इन दिनों ये रिश्ता क्या कहलाता है की अभिरा बन दर्शकों के बीच छाई हुई हैं।टीवी एक्ट्रेस बनाने के पहले समृद्धि शुक्ला एक पॉपुलर वॉयस ओवर आर्टिस्ट बन इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना चुकी हैं। वहीं इन दिनों अपनी वह अपनी शानदार एक्टिंग के लिए लाइमलाइट में बनी हुई हैं। रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल के इंग्लिश वर्जन में तृप्ति डिमरी को जिसने अपनी आवाज दी है वह कोई और नहीं बल्कि समृद्धि शुक्ला ही हैं।

दरअसल, ओटीटी पर मौजूद एनिमल के इंग्लिश वर्जन में तृप्ति डिमरी को समृद्धि शुक्ला ने अपनी आवाज दी है। इस बात का खुलासा एक्ट्रेस ने खुद किया था। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर करते हुए बताया था, नेटफ्लिक्स पर एनिमल के इंग्लिश वर्जन में मेरी आवाज सुनाने के लिए हो जाए तैयार, भाभी 2 तृप्ति डिमरी के किरदार में पेश है समृद्धि की आवाज।।।एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला को उनके फैंस उन्हें टीवी की देसी गर्ल भी कहते हैं क्योंकि वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी देसी फोटोज और वीडियोज भी शेयर करती हैं। वह सोनल कौशल के बाद डोरेमोन में अपनी डोरेमोन और लिटिल भीम को आवाज देने के लिए भी जानी जाती हैं।

वह सावी की सवारी में सावी गोयल डालमिया और ये रिश्ता क्या कहलाता है में एडवोकेट अभिरा शर्मा पोद्दार की भूमिका निभाने के लिए भी मशहूर हैं। एक्ट्रेस अपनी एक्टिंग से पहले आवाज का भी जादू दिखा चुकी हैं। वहीं सोशल मीडिया पर अनीता राज भी समृद्धि शुक्ला कई आए दिन तारीफ करती रहती हैं जो खुद फिल्मों के बाद अब टीवी एक्ट्रेस बन छाई हुई हैं।

कंगना शर्मा ने शेयर की अपनी हॉट फोटोशूट की तस्वीरें

बॉलीवुड फिल्म ग्रेट ग्रैंड मस्ती और टीवी सीरियल से घर-घर में फेमस हो चुकीं कंगना शर्मा एक बार फिर चर्चा में हैं। कंगना शर्मा अपनी फिटनेस और हॉट लुक को लेकर सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं । हाल ही में उन्होंने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें उनका बोल्ड लुक देखने को मिल रहा है।कंगना शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी हॉट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं, जिससे उनके फैंस दीवाने हो गए हैं। इन तस्वीरों में कंगना ने एक वाइट रिलेक्स फिट शर्ट पहना है और लाइट मेकअप के साथ ओपन हेयर में पोज दे रही हैं। उनकी बोल्डनेस और अदाकारी ने फैंस का दिल जीत लिया है। कंगना शर्मा उल्लू ऐप की वेब सीरीज मोनिका में नजर आ चुकी हैं, जिसमें उन्होंने एक बोल्ड किरदार निभाया था। उनकी अदाकारी और बोल्डनेस ने सीरीज को काफी लोकप्रिय बना दिया।कंगना के फैंस उनके इस फोटोशूट को काफी पसंद कर रहे हैं और उनके कमेंट्स से यह साफ है कि वे उनकी बोल्डनेस और खूबसूरती के दीवाने हैं। बॉलीवुड डिवा कंगना शर्मा का अपने फिटनेस के पीछे छिपे राज को लेकर कहती हैं कि वह अच्छी और हेल्थी डाइट फॉलो करती हैं।कंगना सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। उनके फैंस उनके पोस्ट का बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं।बता दें कि कंगना शर्मा ने अपने करियर की शुरुआत साल 2012 में एक मॉडल के रूप में की थी। कंगना शर्मा हार्डी संधू का यार नी मइला, पूजा सिंह के परदें मैं फिर से, नछत्तर गिल का जान लेन तक, जॉनी सेठ का ब्यूटी ओवरलोड और इक्का के निंद्रा जैसे म्यूजिक वीडियोज में भी नजर आ चुकी हैं।

टीवी शो फौजी 2 का पहला पोस्टर जारी, शूटिंग शुरू

साल 1988 में प्रसारित हुआ अभिनेता शाहरुख खान का टीवी शो फौजी को दर्शकों का खूब प्यार मिला था।इस शो के जरिए उन्होंने टीवी की दुनिया में कदम रखा था। लगभग 35 साल बाद फौजी का सीक्वल आ रहा है।अब शो के निर्माता संदीप सिंह ने फौजी 2 का पहला पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें तमाम सितारों की झलक दिख रही है। फौजी 2 की शूटिंग पुणे में शुरू हो चुकी है।फौजी 2 से अंकिता लोखंडे के पति-बिजनेसमैन विक्की जैन अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। इसमें उनके साथ गौहर खान नजर आएंगी।इसके अलावा इस शो में 12 नए कलाकार शामिल होंगे, जिनमें आशीष भारद्वाज, उत्कर्ष कोहली, रुद्र सोनी, अमरदीप फोगट, अयान मनचंदा, नील सतपुड़ा, सुवंश धर, प्रियांशु राजगुरु, अमन सिंह दीप, उदित कपूर, मानसी और सुष्मिता भंडारी का नाम शामिल है।फौजी 2 को आप हिंदी, तमिल, तेलुगु, गुजराती, पंजाबी और बंगाली भाषा में देख सकेंगे।फौजी 2 की रिलीज से पहले दूरदर्शन 24 अक्टूबर से एक बार फिर फौजी का प्रसारण कर रहा है। निर्माताओं ने फौजी के 13 एपिसोड प्रसारित करने का फैसला लिया है। इसमें राकेश शर्मा, अमीना शेरवानी, मंजुला अवतार और विक्रम चोपड़ा भी हैं।

गोधरा के निर्माताओं ने किया नई फिल्म कैलकुलेटर का ऐलान

एमके शिवाक्ष के निर्देशन में बनी फिल्म एक्सीडेंट या कॉन्सपिरेसी: गोधरा को 19 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी। इस फिल्म का निर्माण बीजे पुरोहित और रामकुमार पाल ने किया था।अब गोधरा की पूरी टीम एक बार फिर साथ आ गई है। दरअसल, गोधरा के निर्माताओं ने नई फिल्म का ऐलान कर दिया है।इस मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म का नाम कैलकुलेटर रखा गया है।निर्माताओं ने कैलकुलेटर का टीजर भी जारी कर दिया है, जो सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर है।फिल्म मानसिक स्वास्थ्य और बलात्कार जैसे गंभीर मुद्दों पर आधारित है। फिल्म की पहला पोस्टर भी सामने आ गया है।यह एक पैन इंडिया फिल्म है, जिसे आप हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में देख सकेंगे।फिल्म की रिलीज तारीख अभी तक सामने नहीं आई है। कैलकुलेटर की शूटिंग जल्द शुरू हो जाएगी।

वीएफएक्स की मदद से तैयार इस टीजर में हमारे समाज के दो सबसे संवेदनशील मुद्दों मानसिक स्वास्थ्य और बलात्कार पर बात होती दिखाई देती है । जब दुनिया पागलपन देखती है, तो लोग उसके पीछे की चुनौतियों और दर्द को भूल जाते हैं। मानसिक बीमारियों को लेकर जागरूकता फैलाने का प्रयास करती इस फ़िल्म में उस रोग से जुड़ी चुनौती और समाज द्वारा नजरअंदाज किए गए पहलू को उजागर किया जाएगा। वहीं बलात्कार के दर्द को भी इस पिक्चर के माध्यम से दर्शाया जाएगा। टीजर में यही बताया गया है कि बलात्कार सिर्फ एक घटना नहीं है बल्कि यह ज़िंदगी भर झेलने वाला दुख है। जिस तरह टीजर में दर्शाया गया है आभास होता है कि फ़िल्म जबरदस्त होने वाली है। फ़िल्म के कलाकारों का भी जल्द एलान किया जाएगा।

विक्रांत मैसी की द साबरमती रिपोर्ट का मोशन पोस्टर रिलीज

विक्रांत मैसी अपनी अपकमिंग फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की कुछ झलकियां पहले ही जारी हो चुकी हैं, जिसके बाद से दर्शकों को उत्साह के साथ फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। वहीं, अब दर्शकों के बीच चर्चा पैदा करने के लिए फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म से जुड़ी दिलचस्प जानकरी साझा की है, जो फिल्म के टीजर के बारे में है।द साबरमती रिपोर्ट का नया मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है और इसमें तीव्रता और ताकत दोनों को दर्शाया गया है। जलती हुई अखबार की कतरन और पृष्ठभूमि में क्रोधित आंखों के साथ मोशन पोस्टर रोमांचकारी लग रहा है। इसके साथ ही निर्माताओं ने फिल्म के टीजर की रिलीज डेट का भी खुलासा किया है।निर्माताओं ने मोशन पोस्टर जारी करते हुए बताया कि फिल्म का टीजर आज 25 अक्तूबर, 2024 को रिलीज किया जाएगा। फिल्म की 2002 की गोधरा ट्रेन जलने की घटना पर आधारित है। फिल्म का निर्माण एकता कपूर की बालाजी मोशन पिक्चर्स ने किया है। वहीं, अमूल वी मोहन और अंशुल मोहन की विकिर फिल्म्स इसके सह निर्माता हैं। सच्ची घटना पर आधारित इस फिल्म में विक्रांत मैसी के अलावा राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाली हैं।27 फरवरी, 2002 की सुबह एक ऐसी घटना घटी, जिसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया और भारतीय इतिहास को बदल दिया। साबरमती एक्सप्रेस में अचानक आग लग गई, जिसमें अयोध्या से लौट रहे 59 तीर्थयात्री और कार-सेवक मारे गए। यह भारतीय इतिहास और राजनीति में एक निर्णायक क्षण था, जिसके बड़े

और खतरनाक परिणाम सामने आए।हालांकि इस घटना के बारे में बहुत कुछ नहीं कहा या सुना गया है, लेकिन आने वाली फिल्म द साबरमती रिपोर्ट इस घटना से पर्दा उठाएगी और वह सब दिखाएगी जो देश ने पहले कभी नहीं देखा। निर्माताओं ने फिल्म के पोस्टरों से दर्शकों को बांधे रखा है। यह फिल्म 15 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप सूर्य नमस्कार करते रहें दिन शानदार गुजरेगा। पुराने साथियों से मुलाकात होगी। आज पार्टी में शामिल हो सकते हैं। आज सकारात्मकता ज्यादा रहेगी।छात्रों को लाभ होगा। समय पर कार्य पूरे कर पाएंगे। दफ्तर सहयोगियों के साथ मधुरता रहेगी। नया काम शुरू कर सकते हैं। लाइफ पार्टनर का पूरा सहयोग मिलेगा। नए विचार आएंगे। धन लाभ होगा। सेहत ठीक रहेगी। दिनचर्या में बदलाव होगा। रिश्तेदारों के यहां धार्मिक पूजा पाठ का कार्यक्रम रहेगा आप व्यस्त रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज छात्रों को कड़ी मेहनत करने पर प्रतियोगिता में कामयाबी मिलेगी। कारोबार की स्थिति ठीक रहेगी। यात्रा पर जाने का प्लान बनाएंगे। चुनौतियों का बखूबी मुकाबला कर पाएंगे। आपके शासकीय कार्य पूरे होंगे। पारिवारिक जिम्मेदारी पूरी कर पाएंगे। विद्यार्थियों को ज्यादा मेहनत करनी होगी। धन संबंधी दिक्कतें दूर होंगी। सेहत का ख्याल रखें। प्रभु की आराधना करें। मानसिक शांति मिलेगी। निवेश को फिलहाल टाल दें। पदोन्नति और तबादला हो सकता है,व्यर्थ का खर्चा करने की आदत को सुधारें उन्नति निश्चित होगी।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज विरोधी आप को नुकसान पहुंचा सकते हैं। विरोधियों से सावधान रहना होगा। अनजान लोगों के सामने निजी चर्चा करने से बचें। कोई आपके सरल स्वभाव का फायदा उठा सकता है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। ज्यादा खर्च हो सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश कर सकते हैं। बुजुर्गों की सेहत बिगड़ सकती है। सगे संबंधियों से मुलाकात हो सकती है। जीवनसाथी की सेहत को लेकर चिंतित रहेंगे। अपने काम के प्रति जिम्मेदार रहें। डिश मे कुछ हल्का भोजन ही करें स्वास्थ्य बहतर रहेगा सुबह योग और व्यायाम भी करते रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज लक्ष्मी जी को कमेर के पुष्प से सहस्रार्चन करें धन कोष में वृद्धि होगी रुकी हुई रकम वापस मिलेगी। आपको मित्रों से लाभ होगा। घूमने के लिए जाएंगे। पारिवारिक आयोजन होंगे। कार्यों में सफलता मिलेगी। पुरानी रुकी हुई रकम मिलेगी। आपकी आर्थिक समस्या का हल होगा। युवाओं के लिए रिश्ते की बात चल सकती है। सामाजिक आयोजन में हिस्सा ले सकते हैं। जीवनसाथी का ख्याल रखें। सेहत ठीक रहेगी। निवेश के मौके मिल सकते हैं। छात्रों को पढ़ाई अव्वल आना हो तो अपनी दिनचर्या में बदलाव लाना होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज धन से जुड़ी हुई दिक्कतें दूर होंगी आपके रुके हुए कार्य पूरे होंगे। व्यापारिक गतिविधियों में तेजी रहेगी। आर्थिक स्थिति में उतार–चढ़ाव हो सकती है। आज जीवनसाथी भरपूर सहयोग मिलेगा। नया काम शुरू कर सकते हैं। छात्रों को सफलता मिलेगी। यात्रा कर सकते हैं। परिवार की स्थिति बेहतर होगी। नए लोगों से मुलाकात हो सकती है। जोखिम वाले कार्य सावधानी से करें। हर किसी पर भरोसा न करें। सरकारी कार्य में रुकावटें आ रही हैं तो नंदी को घी का दलीया खिलाएं कार्य में तेजी आएगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज अपरिचित लोगों से धन का लेनदेन करते समय सावधानी बरतें क्योंकि आप के विरोधी सक्रिय रहेंगे। आपको सतर्क रहना होगा। कीमती सामानों की सुरक्षा करें। आज आपको आवश्यक काम में परिवार के लोगों का सहयोग मिलेगा। कारोबार में लाभ होगा। दंपति धार्मिक कार्यों में शामिल हो सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन बेहतर है। सेहत अच्छी रहेगी। जोखिम न लें। अगर आप आलस्य को दूर करते हैं आप के सभी काम पूरे होंगे आप शाम का वक्त सुकून में गुजारेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन उर्जा से भरपूर रहेगा तरक्की के रास्ते खुलेंगे आपको खुशखबरी मिलेगी। आपका कार्य आसानी से पूरा है। सामाजिक जिम्मेदारियों को आज पूरा कर पाएंगे। आज मानसिक रूप से आप मजबूत रहेंगे। निवेश कर सकते हैं। व्यवसायियों के लिए आज का दिन अच्छा है। धार्मिक काम में हिस्सा ले सकते हैं। जीवनसाथी के साथ सामंजस्य रहेगा। नए लोगों से मुलाकात होगी। यात्रा कर सकते हैं। संतान आप को खुशखबरी वाली खबर सुनाएंगे परिवार मे खुशी का माहौल रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज परेशानियों में बीत सकता है। जोखिम वाले कार्य करते समय लापरवाही न करें। चोट लगने की आशंका है। नौकरीपेशा लोगों को काम का तनाव रहेगा। धन लाभ होगा। परिवार के लोगों के साथ दिन बिता सकते हैं। जीवनसाथी के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं। यात्रा करने के दौरान अनजान लोगों के संपर्क में न रहें। शत्रु शांत रहेंगे। सेहत का ख्याल रखें। युवाओं को कामयाबी मिलेगी। खानपान को लेकर लापरवाही न करें पेट सम्बंधित तकलीफ आप को परेशान करेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज पारिवारिक जीवन मे उत्सव का माहौल रहेगा। रिश्तेदारों का आनाजाना लगा रहेगा। आज आपका खर्च ज्यादा होगा। फ़ुरसत से हानि हो सकती है। किसी के बहकावे में आकर अपने परिवार के लोगों पर संदेह न करें। जुआ, सट्टा, लाटरी जैसे व्यसनों से दूर रहें। नुकसान की आशंका है। लाइफ पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। अविवाहितों के लिए रिश्ते की सूचना मिलेगी। कैरियर मे दिक्कतें आ रही हैं तो रोज हनुमानजी को तेल सिन्दूर का श्रृंगार करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन जोरदार रहेगा परन्तु अतिउत्साही नहीं होना हैं परिवार का सहयोग मिलेगा। लेकिन अपनी निजी बात किसी से शेयर न करें। नए लोगों से मुलाकात होगी। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिल सकती है। कारोबार ठीक चलेगा। सेहत ठीक रहेगी। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति से मुलाकात होगी। आपकी योजना फलीभूत होने की संभावना है। आपका आध्यात्मिकता की ओर रुझान रहेगा। व्यवसाय में लाभ की स्थिति रहेगी दिनचर्या की सेवा करनी चाहिए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप को धन की सेवींग ज्यादा करना चाहिए आने वाले समय मे परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ने से आप चिंतित रहेंगे। मांगलिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। इष्ट की आराधना करें। कठिन परिस्थिति निर्मित हो सकती है। किसी मित्र की मदद से आपका राहत मिल सकती है। विरोधी सक्रिय रह सकते हैं। यात्रा करते समय सतर्क रहें। किसी की बातों में न आएं। व्यवसाय की स्थिति ठीक रहेगी। अनजान लोगों पर भरोसा करना आप को जोखिम में डाल सकता है व्यापार में सतर्कता जरूरी है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप को अपने क्रोध पर नियंत्रण करना बहुत जरूरी है किसी के साथ तनाव हो सकता है। अपरिचित लोग आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ बेहतर तालमेल रहेगा। आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। अपनी जिम्मेदारियों को पूरा कर पाएंगे। छात्रों के लिए आज का दिन बेहतर है। कारोबारियों को आर्थिक लाभ होगा। सेहत का ध्यान रखें। जोखिम न लें। खर्च सावधानी से करें। दफ्तर का माहौल सामान्य रहेगा।बेरोजगारों दूर होने का समय है नौकरी की तलाश जारी रखें।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 26 अक्टूबर 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक,कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी उत्तर रात्रि 05:26 तक
नक्षत्र : आश्लेषा प्रातः 09:46 तक
योग : शुक्ल उत्तर रात्रि 05:56 तक
करण : वणिज सायं 04:22 तक
चन्द्रराशि : कर्क प्रातः 09:42 तक
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 05:47 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 05:55 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 05:47 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 05:39 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा सायं 04:20 से रात्रि 02:26 तक, श्रीराम शर्मा जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शांति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फकड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान सरकार ने किसानों के दर्द को समझा : भजनलाल

खींवसर (नागौर), 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कांग्रेस पर किसान विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उसके नेताओं ने जनता से यमुना जल समझौते को निरस्त करने का वादा किया लेकिन हमारी सरकार किसानों के दुःख–दर्द को समझते हुए उनसे जुड़े प्रत्येक मुद्दे पर काम कर रही है।

श्री शर्मा शुक्रवार को नागौर जिले के खींवसर में विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी रेवंतराम डांगा के समर्थन में आयोजित नामांकन सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने किसान सम्मान निधि से लेकर गेंहू के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढोतरी की है। प्रदेश में अब सरकार मूंग की एमएसपी पर खरीद कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए पेयजल एवं सिंचाई में पानी की महत्ता को समझते हुए हमने सरकार में आते ही ईआरसीपी और यमुना जल समझौते जैसे ऐतिहासिक निर्णय लिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों की विरोधी है, क्योंकि इनके नेताओं ने तो हरियाणा विधानसभा चुनाव के घोषणा पत्र में यमुना जल समझौते को निरस्त करने का वादा किया था।

उन्होंने कांग्रेस को लूट और झूठ की पार्टी बताते हुए कहा कि उसने अपने घोषणा पत्र में किए गए किसी भी वादे को पूरा नहीं किया जबकि हमने मात्र 10 महीने में ही संकल्प पत्र में किए गए 50 प्रतिशत वादे पूरे कर दिए हैं तथा आगे भी एक–एक वादे को पूरा किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गत सरकार के समय हुए पेपरलीक मामलों से युवाओं के सपनों पर कुठाराघात हुआ

था। हम युवाओं की आंखों में आंसू लाने वाले अपराधियों को नहीं बख्शेंगे और इन मामलों में अब तक 200 से भी अधिक आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं को समय पर आयोजित कराने के लिए दो साल का भर्ती कलेण्डर परीक्षा परिणामों की तारीख सहित निकाला गया है। साथ ही हमारी सरकार युवाओं को पांच वर्ष में चार लाख सरकारी नौकरी भी देगी। जिसमें से पहले साल में ही हम एक लाख नौकरी दे रहे हैं। लगभग 33 हजार युवाओं को नियुक्तियां भी दी जा चुकी हैं और हाल की कैबिनेट बैठक में लगभग 90 हजार नौकरियों का मार्ग प्रशस्त भी किया गया है।

श्री शर्मा ने कहा कि हमने बजट में प्रदेश की 200 विधानसभाओं के विकास के लिए समान रूप से बजट आवंटित किया है जबकि पूर्ववर्ती सरकार ऐसा नहीं करती थी। उन्होंने नागौर को राजस्थान की हृदयस्थली बताते हुए कहा यहां के जवान–किसान मजबूती से काम करते हुए प्रदेश को आगे बढ़ा रहे हैं। हम किसानों को सुचारू रूप से पर्याप्त बिजली देने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। इसी क्रम में हमने राज्य को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए 2 लाख 24 हजार करोड़ के एमओयू किए हैं। हमारी सरकार वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने के संकल्प पर भी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने आमजन से भाजपा प्रत्याशी रेवंतराम डांगा को भारी मतों से जिताकर विधानसभा भेजने की अपील की। इस अवसर पर केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड, राज्य के नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, उद्योग राज्यमंत्री के के बिश्नोई, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री मंजू बाघमार, किसान आयोग के अध्यक्ष सी आर चौधरी तथा बड़ी संख्या में आमजन मौजूद थे।

हरविंदर कल्याण बने विधानसभा अध्यक्ष, कृष्ण मिड्ढा डिप्टी स्पीकर

चंडीगढ़, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा विधानसभा का 15वां सत्र शुक्रवार से शुरू हो गया है। विधानसभा सत्र के दौरान नए स्पीकर और डिप्टी स्पीकर को भी चुना गया है। करनाल के घरौंडा से विधायक हरविंदर कल्याण हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष चुन लिए गए हैं। हरविंदर कल्याण ने कुर्सी ग्रहण करते हुए अपना पदभार संभाल लिया है। वहीं जींद से विधायक कृष्ण मिड्ढा डिप्टी स्पीकर बनाया गया है।

हरविंदर कल्याण तीसरी बार लगातार घरौंडा से विधायक बने हैं। रोड बिरादरी के होने के कारण हरविंदर कल्याण का इसलिए भी स्पीकर बनना तय माना जा रहा था क्योंकि जाति और भौगोलिक समीकरणों के दृष्टिगत भाजपा द्वारा गठित मंत्रिमंडल में रोड बिरादरी को अभी तक कोई स्थान नहीं मिला है। सदन में हल्के फुल्के मूड में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि स्पीकर महोदय मेरा सुझाव और अनुभव है कि इस सदन में दो आदमी महिपाल ढांडा और अनिल विज चुप रहेंगे तो सदन बिल्कुल सही चलेगा। उनकी इस बात पर सदन में मौजूद सभी लोग जोर–जोर से हंसने लगे।

वहीं, डिप्टी स्पीकर के लिए यह भी कयास लगाया जा रहे थे कि भाजपा इस पद के लिए किसी पंजाबी विधायक को नियुक्त कर सकती है। पंजाबी समुदाय के 11 उम्मीदवार उतारे थे, इनमें से आठ उम्मीदवार जीत कर आए हैं। आठ पंजाबी विधायकों में से भाजपा ने सिर्फ अनिल विज को मंत्री को बनाया है। बाकी सात मंत्री पद पाने से रह गए हैं। ऐसे में कयास लगाए जा रहे थे कि भाजपा एक और पंजाबी को डिप्टी स्पीकर पद पर नियुक्त कर सकती है। इसके लिए दो नामों पर चर्चा चल रही थी, इनमें जींद के विधायक डा. कृष्ण लाल मिड्ढा और दूसरे यमुनानगर के विधायक घनश्याम दास अरोड़ा थे। अब डिप्टी स्पीकर का पद मिड्ढा को दिया गया है। मिड्ढा मनोहर लाल के करीबी हैं।

17 प्रतिशत तक नमी वाले धान की खरीद करें अधिकारी : सीएम सैनी

चंडीगढ़, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शुक्रवार को अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसान भाइयों को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं आनी चाहिए और मंडियों में खरीद एजेंसियां 17 प्रतिशत तक नमी वाले धान के एक–एक दाने की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद करें।

श्री सैनी ने यहां खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के अधिकारियों के साथ अहम बैठक की। उन्होंने बैठक के दौरान ही प्रदेशभर के कुछ किसानों के साथ फोन पर बात की और उनसे वस्तुस्थिति की जानकारी ली। किसानों ने मुख्यमंत्री को धान खरीद के दौरान कट लगाने की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिये कि राज्य सरकार के लिये किसान हित सर्वोपरि है और अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि किसानों को कट लगने की समस्या का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने आढ़तियों को आ रही समस्या का समाधान करते हुए अधिकारियों को पिछले वर्ष की गेहूं कटौती की राशि तुरंत प्रभाव से जारी करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मंडियों में किसानों की उपज खरीद के लिये सभी प्रकार की सुविधायें प्रदान कर रही है, ताकि खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से चल सके। श्री सैनी ने कहा कि किसान हमारा अन्नदाता है, इसलिये कृषि और किसान का कल्याण हमारी नीतियों के केन्द्रबिंदु हैं। राज्य सरकार किसान को फसल की बिजाई से लेकर उसे बाजार में बेचने तक हर कदम पर मदद दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि फसल खरीद का पैसा भी किसानों को सीधे उनके खातों में भुगतान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है, किसानों को किसी भी प्रकार की परे–शानी नहीं आने दी जायेगी।

पंजाब के तीन हथियार तस्कर गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राजस्थान में चित्तौड़गढ़ के गंगरार थाना क्षेत्र में पुलिस ने पंजाब के तीन हथियार तस्करों को गिरफ्तार करके उनसे चार पिस्तौल और आठ मैगजीन बरामद की हैं। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने शुक्रवार को बताया कि जिले में अवैध हथियारों की तस्करी करने वालों के खिलाफ धरपकड़ कार्रवाई के लिये पुलिस दल क्षेत्र में गश्त कर रहे थे।

इसी दौरान सूचना मिली कि चित्तौड़गढ़ से बीकानेर जाने वाली स्लीपर बस में कुछ व्यक्ति हथियार लेकर जा रहे हैं। सूचना पर टोल नाका के पास स्लीपर बस को रोका गया। जिसमें मुखबिर द्वारा बताए हुलिए के तीन व्यक्तियों, पंजाब के गुलाबसिंह (27), अनमोलप्रीत सिंह (20) और साहिब जंगरूप सिंह (20) के सामान की तलाशी ली गयी तो उनके बैग से चार अवैध पिस्तौल एवं आठ मैगजीन मिली। अवैध हथियारों को जब्त करके चारों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। प्राथमिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वयं की सुरक्षा एवं बेचने के लिये इंदौर के पास खण्डवा से 30 बोर की एक पिस्तौल 45 हजार में और 32 बोर की तीन पिस्तौल 35–35 हजार रुपये में खरीदकर गांव ले जाना बताया।

गोपाष्टमी पर्व को राजकीय महोत्सव के रूप में मनाने की मांग

जयपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राजस्थान में महाराष्ट्र की तर्ज पर गाय (गौमाता) को राज्य माता का दर्जा देने की मांग उठने लगी है साथ ही आगामी नौ नवंबर गोपाष्टमी पर्व को राजकीय पर्व के रुप में मनाये जाने की मांग भी की गई हैं।

अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद के अंतर्राष्ट्रीय संयोजक डॉ. अतुल गुप्ता ने राज्य सरकार से यह मांग करते हुए राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म से मुलाकात कर यह मांग उठाई। डॉ. गुप्ता ने बताया कि गाय को राष्ट्र माता घोषित करने के लिए चलाये जा रहे जन अभियान के तहत इस बार दीपावली पर राजभवन, मंत्रियों के बंगलों आदि में गाय के गोबर के दीये जलाने की पहल की गई हैं।

डॉ. गुप्ता ने बताया कि उन्होंने श्री बागडे, श्री देवनानी एवं श्री बेढ़म से मिलकर महाराष्ट्र की तर्ज पर राजस्थान में भी गाय को राज्य माता का दर्जा देने की मांग उठाई तथा सनातन धर्म के प्रोत्साहन के लिए कृष्णकालीन गोपाष्टमी पर्व को राजस्थान में राजकीय पर्व के रूप में मनाये जाने का अन–ुरोध किया गया। इस अवसर पर श्री बागडे, देवनानी एवं श्री बेढ़म को गोमय दीपक भेंट किए गए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सनातन को बढ़ावा देने एवं पर्यावरण को बचाने में गाय के महत्व तथा इसके संरक्षण के मद्देनजर राज्य सरकार को महाराष्ट्र की तर्ज पर गाय को राज्य माता का दर्जा दे देना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार शीघ्र ही इस

संबंध एवं गोपाष्टमी पर्व को राजकीय महोत्सव के रुप में मनाने के लिए सकारात्मक कदम उठायेगी।

उन्होंने बताया कि श्री देवनानी से मुलाकात के अवसर पर उन्हें एक पत्र भी दिया गया जिसमें निदेवन किया गया कि सनातन धर्म का पुरातन समय (कृष्णकाल) से चला आ रहा अति महत्वपूर्ण महोत्सव गोपाष्टमी पर्व, जो सनातन धर्म का एक सर्वश्रेष्ठ त्योहार है। यह पर्व प्रतिवर्ष गौशालाओं एवं सार्वजनिक स्थानों पर मनाया जाता है लेकिन वर्तमान में भारत वर्ष के नायक एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गऊ प्रेम एवं सनातन धर्म के प्रोत्साहन में रुचि मद्देनजर इस वर्ष यह पर्व विधानसभा में भी सभी गणमान्य विभूतियों के साथ मनाया जाये। श्री गुप्ता ने बताया कि विधानसभा अध्यक्ष से आग्रह किया गया है कि वह समाज के एक विशेष वर्ग की भावनाओं को उचित मूल्य देते हुए इस वर्ष अनूठी परम्परा की शुरुआत कर सनातन धर्म को मजबूती प्रदान करते हुए राजस्थान की विधानसभा में गोपाष्टमी महोत्सव मनाकर एक अनूठी पहल की शुरुआत करे। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील भी की कि उन्हें इस बार दीपावली पर ज्यादा से ज्यादा गाय के गोबर के दीपक जलाकर पर्यावरण एवं गाय संरक्षण में अपना योगदाना देना चाहिए।

विधानसभा में पांच साल तक लोगों के हक के लिए लड़ूंगी : विनेश फोगाट

चंडीगढ़, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा विधानसभा के दो दिवसीय सत्र का शुक्रवार से शुरू हुआ है। इस दौरान नवनिर्वाचित विधायकों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। इसके अलावा विधानसभा स्पीकर और डिप्टी स्पीकर भी चुने गए हैं। वहीं, अबकी बार 40 विधायक ऐसे हैं जो पहली बार विधानसभा पहुंचे हैं। इनमें से एक जींद की जुलाना सीट से कांग्रेस विधायक व पहलवान विनेश फोगाट भी हैं। विनेश ने विधायक पद की शपथ ग्रहण करने के बाद अपने एक्सपिरियंस को साझा किया।

नवनिर्वाचित कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने कहा कि जुलाना के लोगों ने मुझे कुछ उम्मीद के साथ विधानसभा में भेजा है। हम उनकी आवाज उठाने और उनके लिए लड़ने की कोशिश करेंगे। यह मेरा पहला अनुभव है और मुझे पता चला कि फैसले कहां होते हैं। मैं किसानों, महिलाओं और खिलाड़ियों के लिए आवाज उठाती रहूंगी। सत्ता पक्ष और विपक्ष को राज्य के कल्याण के लिए मिलकर काम करना चाहिए। अब मेरा कर्तव्य है कि मैं विधानसभा में 5 साल तक लोगों के हक के लिए लड़ूं। चुनाव में भी मैंने कहा था जब भी विधानसभा में मेरा मेरी एंट्री होगी, उस दिन मेरी लड़ाई शुरू हो जाएगी। ख़ास बात यह है कि कांग्रेस विधायक विनेश पहली बार विधानसभा आई तो उन्होंने स्पोर्ट्स जर्सी पहनी हुई थी।

जयपुर सैन्य स्टेशन में भूतपूर्व सैनिकों के लिए हुआ रोजगार मेले का आयोजन

जयपुर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राजस्थान में जयपुर सैन्य स्टेशन में पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) द्वारा शुक्रवार को सेवानिवृत्त एवं सेवानिवृत्त होने वाले रक्षा कर्मियों के लिए रोजगार मेला आयोजित किया गया। रक्षा के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार डीजीआर, भूतपूर्व सैनिक (ईएसएम) कल्याण विभाग, रक्षा मंत्रालय और मुख्यालय दक्षिण पश्चिमी कमान ने कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) और सोसाइटी ऑफ़ इंडियन डिफेन्स मनुफक्चरर्स (एसआईडीएम) के साथ जयपुर में सेना के गांडीव स्टेडियम, विजय द्वार, वैशाली नगर में यह रोजगार मेला आयोजित किया गया। दक्षिण पश्चिमी कमान मुख्यालय के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एच एस वांद्रा ने इसका उद्घाटन किया। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल वांद्रा ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बल भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं और यह रोजगार मेला सशस्त्र बलों द्वारा उनके लिए किए गए कल्याण का प्रतीक हैं। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों को प्रशिक्षित, ईमानदार और समर्पित कार्यबल बताते हुए कहा कि ऐसे गुण जो दुर्लभ हैं और वे किसी भी संगठन के लिए एक परिसंपत्ति हैं। यह मेला कुशल और अनुभवी भूतपूर्व सैनिकों को दूसरे करियर विकल्प के रूप में अवसर प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया जिसमें एक हजार से अधिक भूतपूर्व सैनिकों ने भाग लिया और तीस कॉर्पोरेट संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ संपर्क साधा। कंपनियों ने भूतपूर्व सैनिकों की विशेषज्ञता को पहचानते हुए वॉक–इन इंटरव्यू द्वारा चयन किया। इस अवसर पर पुनर्वास महानिदेशालय, भूतपूर्व सैनिक (ईएसएम) कल्याण विभाग, रक्षा मंत्रालय के महानिदेशक मेजर जनरल एस बी के सिंह, 61 सब एरिया के जीओसी मेजर जनरल आर एस गोदारा, डीआरजेड (डब्ल्यू) के एडीजी ब्रिगेडियर आरएस चड्ढा, केंद्रीय सैनिक बोर्ड के सचिव ब्रिगेडियर डी एस बसेरा और बड़ी संख्या में कॉर्पोरेट अतिथि भी मौजूद थे।

हरियाणा में सामने आया लव जिहाद का मामला

सलीम ने संजू बनकर युवती को फंसाया, गर्भवती होने पर की हत्या

रोहतक, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा में लव जिहाद का मामला सामने आया है। दिल्ली की नांगलोई की सात माह की गर्भवती युवती की हत्या मामले में नया खुलासा हुआ है। जिस युवक ने युवती की हत्या की है उसका असली नाम सलीम है। जबकि वह संजू बनकर युवती के साथ रह रहा था। हत्यारोपी खुद झज्जर के गांव कथूरा का रहने वाला है। आरोपी के मदीना के रहने वाले दोस्त ने सलीम की मदद की थी। उसने युवती हत्या के बाद शव दफनाने में सलीम की मदद की थी। युवती का पोस्टमार्टम पीजीआई रोहतक में हुआ है और अब पुलिस परिजनों पर युवती का अंतिम संस्कार भी रोहतक पर कराने का दबाव बना रही है।

दिल्ली के नांगलोई निवासी 20 वर्षीय युवती की गला घोटकर हत्या की गई थी और शव को रोहतक के थाना बहु अकबरपुर क्षेत्र के गांव मदीना में बाजरा के खेत में दफना दिया था। युवती के जानकारों ने बताया कि हत्यारोपी झज्जर के गांव कथूरा का सलीम था और वह दिल्ली में संजू बनकर युवती के साथ रह रहा था। पिछले कुछ दिन से युवती संजू (सलीम) पर शादी करने का दबाव बना रही थी। इसलिए उसकी हत्या कर दी और शव को ठिकाने लगाने के लिए मदीना लाया गया था।

गांव मदीना निवासी एक युवक सलीम का दोस्त है। उसने शव दफनाने के लिए पहले ही जगह की तलाश कर ली थी। शुक्रवार को युवती के पोस्टमार्टम के बाद दिल्ली पुलिस परिजन पर लगातार शव का अंतिम संस्कार रोहतक में कराने के लिए दबाव बना रही है। परिजन शव दिल्ली ले जाने पर अड़े हुए हैं। वहीं बीते गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम नहीं किया गया था। क्योंकि मामले की गंभीरता को देखते हुए पोस्टमार्टम प्रक्रिया को रोक दिया गया था। इसके बाद शुक्रवार को पीजीआई में पोस्टमार्टम किया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक युवती की हत्या की योजना सलीम ने अपने दोस्तों के साथ पहले ही बना ली थी। इसके लिए दोस्त की कार को मंगाया गया था, जिसे किराए की कार बताया जा रहा है। रिश्तेदारों की माने तो युवती की हत्या रास्ते में कार में ही कर दी थी। चूंकि युवती से करवा चौथ का व्रत तोड़ने के बहाने से बुलाकर उसे मार डाला था। कुछ अंदेशा होने पर युवती की मुंह दबाकर हत्या कर दी थी।

नीतीश सरकार ने नगर निकायों को दी 25 करोड़ की राशि

पटना (एजेंसियां)। नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन द्वारा छठ घाटों को लेकर चल रही तैयारियों की जानकारी ली गयी। वहीं, उन्होंने छठ व्रतियों को पूजा के दौरान कोई असुविधा ना हो इसके लिए प्रदेश भर के नगर निकायों को विभाग की ओर से 25 करोड़ रुपए की राशि की स्वीकृति दी। इस राशि की मदद से सभी घाटों पर बेरिकेडिंग, शौचालय, चेंजिंग रूम, स्ट्रीट लाइट, वॉच टॉवर, समेत अन्य आवश्यक कार्य करने का निर्देश मंत्री द्वारा दिया गया। उन्होंने कहा कि छठ हम बिहारियों के लिए हमारा स्वाभिमान हैं। ऐसे में अपने स्वाभिमान की चिंता हर वक़्त करते हैं।

इसलिए इस साल हमने छठ पूजा के दौरान व्रतियों को किसी प्रकार की कोई असुविधा ना हो इस बात को ध्यान में रखते हुए 25 करोड़ की राशि को स्वीकृति दी है।

मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि छठ पूजा को लेकर पटना समेत सभी नगर निकाय को राशि अवंटित की गयी है, जिसमें पटना नगर निगम को 12 करोड़ और अन्य 18 नगर निगम को कुल एक करोड़ 80 लाख की राशि की स्वीकृति दी गयी है। इसके अलावा प्रतेक नगर परिषद को 4 लाख, प्रत्येक नगर पंचायत को तीन लाख की राशि की दी गयी है।

वहीं, औरंगाबाद के देव नगर पंचायत को छठ पूजा के लिए 10 लाख की राशि स्वीकृत की गयी है। इसके साथ ही पटना डीएम को विधि व्यवस्था और जन सुविधा उपलब्ध कराने हेतु 3 करोड़ की राशि अवंटित की गयी है। दीपावली के उपरान्त नदी तथा तालाब के आस-पास घरों से निकलने वाली मूर्ति एवं पूजन सामग्री के विसर्जन की खास व्यवस्था (विसर्जन के लिए एक अलग स्थान का निर्धारण) करने का निर्देश दिया गया है। ताकि नदी तथा तालाब में गंदगी फैलने से रोका जा सके।

इधर, विभाग के सचिव अभय सिंह जी ने छठ पूजा की तैयारियों को लेकर बताया कि इस वर्ष भी सभी नगर निकायों को वॉटर बॉडी की सफाई करवाने के लिए और सुरक्षा के व्यापक प्रबंध करने का निर्देश दिया गया है। सभी अधिकारियों और पदाधिकारियों को शख्त निर्देश दिया गया है कि पूजा में सम्मिलित होने वाले व्रतियों एवं नागरिकों को कोई परेशानी न हो इसका पूरा ध्यान रखा जाएं। इसके अतिरिक्त छठ पर्व को सफल एवं सुरक्षित बनाने के लिए अस्थायी वैकल्पिक घाट का निर्माण किया जाय एवं समूचित व्यवस्था की जाएं। गंगा टाउन वाले नगर निकायों को इस कार्य पर विशेष रूप से ध्यान देने को कहा गया है।

पूर्णिया के संवेदनशील इलाकों में पुलिस की छापेमारी से मचा हड़कंप

पूर्णिया (एजेंसियां)। पूर्णिया शहर में हो रही छिटपुट छिनतई की घटनाओं पर रोक लगाने और धनतेरस और दीप-ावली पूजा को देखते हुए पूर्णिया पुलिस ने शहर के संवेदनशील इलाकों में से एक हाउसिंग कॉलोनी में बड़ी कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। इस कार्रवाई में दो युवकों को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा के निर्देश पर धनतेरस और दीपावली के अवसर पर अपराध पर नियंत्रण के लिए की गई। छापेमारी डीआईयू पुलिस इंस्पेक्टर संजीव कुमार के नेतृत्व में की गई। छापेमारी में 15 सदस्यीय टीम ने भाग लिया, जिसमें एसआई अभय रंजन सहित के हाट थाना और मधुबनी टीओपी डायल 112 बाइक पुलिस शामिल थे। छापेमारी के दौरान हाउसिंग कॉलोनी में हड़कंप मच गया। नशेड़ी और स्मैक तस्कर इधर-उधर भागने लगे, लेकिन पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया।

डीआईयू पुलिस इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने बताया कि शहर में हो रही छिटपुट छिनतई की घटनाओं पर रोक लगाने और धनतेरस और दीपावली पूजा को देखते हुए संवेदनशील इलाकों में पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा के द्वारा स्थानीय थाना की मदद से छापेमारी करने का आदेश दिया है।

पुलिस अधीक्षक के आदेश और गुप्त सूचना के आधार पर संवेदनशील इलाकों में से एक हा-उसिंग कॉलोनी में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान नशेड़ी सहित संदिग्ध युवक इधर उधर भागने लगे, लेकिन पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर स्थानीय थाना को सौंप दिया गया है।

राजद प्रत्याशी ने भरा नामांकन पर्चा, मांझी की बहू को देंगे टक्कर

पटना (एजेंसियां)। बिहार के गया जिले के दो विधानसभा सीट पर उपचुनाव होना है। इनमें बेलागंज और इमामगंज विधानसभा सीट है। दोनों विधानसभा हाई प्रोफाइल सीट माना जा रहा है। दोनों सीटों पर दिग्गजों के बेटा और बहु चुनावी अखाड़े में खड़े हैं। वहीं दोनों सीटों पर जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने प्रत्याशी उतारा। आज नामांकन के अंतिम दिन इमामगंज विधानसभा क्षेत्र से राजद प्रत्याशी रोशन मांझी ने नामांकन का पर्चा दाखिल किया। नामांकन का पर्चा दाखिल करने के बाद पत्रकारों से कहा कि केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी 10 वर्षों से क्षेत्र में कोई भी काम नहीं किया है। नाम बड़े और दर्शन छोटे वाली कहावत को चरितार्थ कर रहे है।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि हम जनता के बीच रहने वाले हैं। कुछ लोग इमामगंज विधानसभा क्षेत्र की जनता को बाहर से आकर ठगने का काम किया है। हम तो इसी क्षेत्र के रहने वाले हैं। हम इसी क्षेत्र से आते है। यहां के लोगों के सामने पढ़े है और खेले हैं। हम तो हमेशा जनता के सुख-दुख में साथ रहे हैं। उम्मीद है इस बार चुनाव हम ही जीतेंगे। 2010 में भी चुनाव जीत हुए थे, लेकिन कुछ तथाकथित लोगों ने हरा दिया था।

वहीं नक्सली संगठन से जुड़ाव के सवाल पर उन्होंने कहा कि नक्सलियों से मेरा कोई जुड़ाव नहीं है। इससे पहले भी हम जिला परिषद में उपाध्यक्ष पद पर थे। साथ ही कुछ माह के लिए चेयरमैन भी रहे हैं। अगर हमारा जुड़ाव नक्सली संगठन से होता तो हम जेल नहीं जाते। यह आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद है। हम चुनाव जीत रहे हैं। यही कारण विपक्ष के लोग ऐसा अफवाह फैला रहे हैं। लेकिन इससे हमे कोई फर्क नहीं पड़ता है। क्योंकि क्षेत्र की जनता सब कुछ जानते है।

मुजफ्फरपुर में मिट्टी से बने दीप-दीयों से दिवाली को मिलेगा देसी रंग, चीनी उत्पादों को टक्कर

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। दिवाली के पावन पर्व पर जहां बाजार में विदेशी चाइनीज बल्ब और अन्य सजावटी सामानों की भरमार होती है, वहीं मुजफ्फरपुर के कुम्हार जयप्रकाश पंडित ने अपनी मिट्टी से जुड़े हुए देसी उत्पादों से चीन को टक्कर देने की ठानी है। जयप्रकाश पंडित देशी मिट्टी से बने दीये, मूर्तियां और अन्य सजावटी सामग्री तैयार कर लोगों को अपने देश की मिट्टी से जुड़े रहने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। उनका उद्देश्य न सिर्फ लोकल उत्पादों को बढ़ावा देना है, बल्कि लोगों में आत्मनिर्भरता का विश्वास जगाना भी है।

कुम्हार जयप्रकाश ने इस बार अपने दीप-दीयों और अन्य सामग्रियों को एक अनोखा रंग-रूप दिया है। उन्होंने अपने उत्प-ादों में देसी रंगों का प्रयोग किया है, जिससे इन्हें एक आकर्षक रूप मिला है। जयप्रकाश ने बताया कि हमने बीते छह महीने से इन मिट्टी के सामानों को तैयार करने में कड़ी मेहनत की है। हमारा उद्देश्य सिर्फ उत्पाद बेचने का नहीं है, बल्कि यह विश्वास दिलाना है कि हमारे देश की मिट्टी की खुशबू में ही एक विशेष प्रकार की आस्था और अपनेपन की भावना है। लोग इसे महसूस करें, इसीलिए हर रंग और डिजाइन को खास तरीके से तैयार किया है।

जयप्रकाश पंडित का मानना है कि मिट्टी का सीधा संबंध देश की संस्कृति और परंपरा से है। वे कहते हैं कि हमारी जड़ें इस मिट्टी से जुड़ी हैं, इसे सहेजना और संवारना हमारा कर्तव्य है। इस मिट्टी से बने दीप-दीयों और मूर्तियों के प्रति लोगों को जागरूक करना चाहते हैं ताकि लोग आत्मनिर्भर बनें और 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को समझें। उनके इस प्रयास से छोटे कारी-गरों को भी मदद मिल रही है, जो विदेशी बाजार के मुकाबले स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

जयप्रकाश पंडित के अनुसार, पिछले कुछ सालों में सस्ते चा-इनीज बल्ब और सजावटी उत्प-ादों के कारण हमारे देश के स्थानीय कारीगरों की आर्थिक स्थिति पर गहरा असर पड़ा है। हमने मिट्टी के उत्पादों में ही एक आकर्षण पैदा किया है ताकि लोग चाइनीज उत्पादों की ओर न झुकें और देशी सामग्री को अपनाएं। उनका यह प्रयास लोगों को आस्था और विश्वास से जोड़े रखने का भी है। जयप्रकाश का कहना है कि अगर लोग विदेशी उत्पादों का मोह छोड़कर अपने देश की मिट्टी को अपनाते हैं, तो यह चीन के प्रति एक सशक्त जवाब होगा।

जयप्रकाश बताते हैं कि उनकी छह महीनों की दिन-रात की मेहनत अब रंग लाई है। उनके बनाए मिट्टी के दीये और सजावटी सामानों की बिक्री ने लाखों का आंकड़ा छू लिया है। उन्होंने बताया कि इस पहल से हमने न सिर्फ एक अच्छी आमदनी की है बल्कि लोगों में देशी उत्पादों के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई है। जब बात आस्था और परंपरा से जुड़ी होती है, तो लोग अपने देशी उत्पादों की ओर जरूर आकर्षित होते हैं।

शराबबंदी कानून को संभालने में सीएम नीतीश कुमार फेल: मुकेश सहनी

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में संदिग्ध पदार्थ पीने से दो लोगों की मौत के बाद अब एक बार फिर से राजनीति तेज हो गई है। हथौड़ी थाना क्षेत्र के डीजी जीवर में बुधवार को दो लोगों की मौत के बाद आज तखझ यानी विकासशील इंसाफ पार्टी के सुप्रीमो और पूर्व बिहार सरकार में पूर्व मंत्री मुकेश सहनी पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सरकार और सरकार की शराबबंदी पर बड़े सवाल किए।

मुकेश सहनी ने कहा है कि बिहार की सरकार को अगर शराबबंदी कानून को ढंग से लागू करने में सक्षमता नहीं है तो पूरे बिहार में अब फिर से शुरू कर दे शराब को। जिले में दो लोगों की हुई मौत के बाद मुकेश सहनी ने कहा है कि पुलिस को बिना हकीकत जाने और जानकारी लिए आखिर ये कैसे पता कि पेंट करने वाले थिनर से लोगों की मौत हुई है। जब ग्रामीण कुछ और ही कह रहे हैं। जबकि ऐसा कुछ नहीं है। पुलिस सच को छुपा रही है। यही नहीं बल्कि पूरे मुजफ्फरपुर की पुलिस इस शराब मामले में कार्रवाई को करने वाले कई अन्य पुलिसकर्मियों को काम नहीं दे रही। जो उनकी बात को मानता है, उसको अपने हिसाब से रखते हैं और जो नहीं मानता उसे हटा देते हैं। बिहार की सरकार को इसकी जांच करनी चाहिए कि शराब को कौन ला रहा है और कौन उतरवा रहा है।

मुकेश सहनी ने ये कहा कि अगर शराब माफिया और शराब बिहार में और खासकर मुजफ्फरपुर में फल फूल रहा है तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है। यहां के पुलिस के आलाधिकारी और अब विशेषकर ड्झ साहब की इसमें विशेष मेहरबानी है कि वह शराब के धंधेबाज पर कार्रवाई की जगह पर अपने हिसाब से थाना चलने वाले लोग को काम दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस में कई बेहतर और अच्छे लोग हैं, जो कार्रवाई करते हैं तो उनको क्यों नहीं जिम्मेदारी दिया जाता है। ड्झ साहब अपने मन के मुताबिक पुलिस के लोगों को थाना दे रहे हैं और वह लोग उनके लिए कमाई कर रहे हैं।

बेगूसराय में एमआर जेडी कॉलेज के शिक्षकों द्वारा छात्रों की पिटाई मामले ने पकड़ा तूल, कार्रवाई की मांग

बेगूसराय (एजेंसियां)। बेगूसराय में एमआर जेडी कॉलेज के शिक्षकों द्वारा छात्र की पिटाई का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। वहीं, शिक्षकों और प्रिंसिपल की गुंडागर्दी से नाराज अब राजनेताओं ने कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। इस दौरान सभी घायल छात्रों से मिलने के लिए बेगूसराय के पूर्व विधायक अमिताभ भूषण और जदयू के जिला अध्यक्ष रुदल राय सदर अस्पताल पहुंचे। जहां उन्होंने कहा कि जिस तरीके से छात्र और छात्राओं सहित परिजनों के ऊपर शिक्षकों द्वारा बर्बरता पूर्वक पिटाई की गई है, दोषी शिक्षकों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

इस दौरान पूर्व विधायक अमिताभ भूषण ने कहा है कि शिक्षा के मंदिर में अगर छात्रों की इस तरह से पिटाई की गई है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसे शिक्षकों के ऊपर जांच कर कठोर से कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से छात्र और छात्राओं को और उनके अभिभावकों के साथ पिटाई की गई है। इससे लगता है कि वे कहीं न कहीं शिक्षक नहीं हैं, वे गुंडे हैं। इस घटना की हम कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि आज बच्चे कॉलेज में कैसे पढ़ाई करेंगे, जब शिक्षक इस ढंग से पिटाई करेंगे तो।

वहीं, जदयू के बेगूसराय जिला अध्यक्ष रुदल राय ने भी कहा कि शिक्षकों द्वारा जो छात्र और छात्राओं के साथ पिटाई की गई है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। वैसे शिक्षकों के ऊपर कानूनी कार्रवाई की जाए।

गौरतलब है कि गुरुवार को नगर थानाक्षेत्र के सर्वोदय नगर स्थित एमआर जेडी कॉलेज में शिक्षकों द्वारा कई छात्र और छात्राओं सहित अभिभावकों के साथ पिटाई की गई थी। इस पिटाई से नाराज सैकड़ों की संख्या में छात्रों ने एमआर जेडी के प्रिंसिपल और शिक्षकों पर कार्रवाई की मांग को लेकर जमकर कॉलेज में हंगामा किया था।

वैशाली में बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग में तीन घर जलकर राख, लाखों का नुकसान

वैशाली (एजेंसियां)। वैशाली जिले के जंदाहा थानाक्षेत्र के पीरापुर गांव में देर रात बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी आग में तीन घर जलकर खाक हो गए। आग की लपटों ने त्रिलोकी पासवान, जालिम पासवान और उदय पासवान के घरों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे घरों में रखा सारा सामान राख में तब्दील हो गया। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट से बिजली के पोल से निकली चिंगारी ने सबसे पहले त्रिलोकी पासवान के घर में आग पकड़ ली, जो तेजी से फैलकर आस-पास के घरों तक पहुंच गई।

जानकारी के मुताबिक, आग इतनी भीषण थी कि लोग चाह कर भी उसके करीब जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। आग बुझाने के लिए स्थानीय लोगों ने चापाकल का सहारा लिया, लेकिन सफ़फ़ल नहीं हो सके। घटना की सूचना मिलते ही फ़ायर ब्रिगेड और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचे। फ़िर उन्होंने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

पीड़ित त्रिलोकी पासवान ने बताया कि आग में घर का सारा सामान, अनाज, कपड़े, बर्तन, चौकी और पलंग के अलावा बैंक पासबुक तथा आधार कार्ड जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज भी जल गए। आग लगने की इस घटना में लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। पीड़ित परिवारों का कहना है कि उन्हें कुछ भी बचाने का मौका नहीं मिला। प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है और प्रभावित परिवारों को सहायता पहुंचाने की बात कही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com